हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

बेजुबान की मां...

सुश्री भूमिका मूलवानी धमतरी

बेजुबानों की मां

अंकिता टंडन

रायपुर

मातृत्व की दुर्लभ दुनिया...

किसी ने तितलियों के रंग सहेजे, किसी ने गिलहरियों के लिए बिछा दी हथेलियां, किसी ने परिंदों के लिए अपना घर ही बना दिया आसमान

मातृत्व एक अहसास है। मां टूटी सांसों को फिर से जोड़ देती है। मां की करुणा किसी सीमा को नहीं मानती। किसी ने नाजुक तितलियों को सहेजने के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया, तो किसी ने बंदरों और लंगूरों के पूरे कुनबे को बसा लिया। किसी के लिए आसमान से गिरा परिंदा उसकी अपनी संतान की तरह प्यारा हो गया, जिसकी जान बचाने के लिए उसने दिन-रात एक कर दिया। ये केवल खबरें नहीं हैं, ये जीवंत प्रमाण हैं उस शाश्वत सत्य के कि ममता की कोई सीमा नहीं होती। उसका कोई भूगोल नहीं होता। ममता के अहसास में इंसानियत और कुदरत एक-दूसरे की बाहों में मुस्कुराते हैं। **मदर्स डे** पर हम आपको मिलवा रहे हैं ऐसी ही 'आधुनिक यशोदाओं' से, जिन्होंने समाज की बंदिशों को तोड़कर बेजुबान और नाजुक बच्चों को अपनी ममता की छांव दी। पढ़िए मामृत्व की दुर्लभ कहानियां...जहां इंसानियत और कुदरत एक-दूसरे की बाहों में मुस्कुराते हैं।

धमतरी

चिड़ियों और छोटे जीवों के लिए घर और भोजन

आज के दौर में जहां इंसान अपने जीवन की भागदौड़ में प्रकृति और बेजुबान जीवों से दूर होता जा रहा है, वहीं धमतरी की 29 वर्षीय सुश्री भूमिका मूलवानी पक्षियों और छोटे जीवों के लिए मां का फर्ज निभाकर मानवता की मिसाल पेश कर रही हैं। शिवराज ग्रीन निवासी भूमिका पिछले 11 वर्षों से घायल पक्षियों का उपचार, अनाथ चिड़ियों के बच्चों का पालन-पोषण और लोगों में पक्षियों के प्रति दया व प्रेम की भावना जागृत करने का कार्य निस्वार्थ भाव से कर रही हैं।

बंदरो की मां....

स्मिता खटवानी

कांकेर

ममता का खुला आकाश रच रहीं हैं स्मिता

भागदौड़ और शोर से भरी जिंदगी के बीच कांकेर में एक ऐसा घर भी है, जहां सुबह अलार्म से नहीं, चिड़ियों की चहचहाहट से होती है। आमापारा निवासी स्मिता खटवानी का घर अब पक्षियों और बेजुबान जीवों का आशियाना बन चुका है। लोग उन्हें अब "जीवों की मां" कहकर पुकारने लगे हैं।

टूटे पंखों की धड़कन सुनती है अंकिता

रिम्स रायपुर में एमबीबीएस, थर्ड ईयर की छात्रा अंकिता टंडन पढ़ाई के साथ-साथ घायल और बीमार पक्षियों की जिंदगी बचाने में जुटी हैं। रायपुर के रिम्स में एमबीबीएस थर्ड ईयर की छात्रा अंकिता पिछले सात वर्षों से पक्षियों और मूक प्राणियों का रेस्क्यू कर उनका उपचार कर रही हैं। अंकिता केवल इलाज ही नहीं करतीं, बल्कि अपने घर में उन्हें ऐसा वातावरण देने की कोशिश करती हैं, जिससे वे डर और दर्द से बाहर निकल सकें। घायल पक्षियों के लिए उन्होंने घर में अलग से पिंजरे और सुरक्षित स्थान बनाए हैं।

रायसेन

परिंदों की ममता से भरा आंगन, गौरैयों की 'मां' बनीं सीमा मिश्रा

अपने घर को गौरैया और अन्य पक्षियों के लिए सुरक्षित आश्रय में बदल दिया

रायसेन की साईं बिहार कॉलोनी, वार्ड-4 में रहने वाली सीमा मिश्रा का घर इन दिनों सिर्फ एक मकान नहीं, बल्कि परिंदों की चहचहाहट से गूंजता एक जीवंत संसार बन गया है। जहां एक ओर लोग आधुनिक जीवनशैली में प्रकृति से दूर होते जा रहे हैं, वहीं सीमा मिश्रा ने अपने घर को गौरैया और अन्य पक्षियों के लिए सुरक्षित आश्रय में बदल दिया है।

जगदलपुर

तितलियों की मां...

करुणा से खिली है 'दीदी' की रंग-बिरंगी दुनिया

बस्तर की तितली दीदियां...जिन्होंने प्रकृति की सबसे नाजुक और रंगीन बच्चों को अपनी ममता की छांव दी है। कांगेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान में यशोदाएं नन्ही तितलियों के लिए किसी 'मां' से कम नहीं हैं।

परिंदों की मां....

रीटा खरे

सिहोर

रीटा की हथेलियों में पल रहा है परिंदा, चार बच्चों के बाद उनकी पांचवीं संतान

मां केवल वह नहीं होती जो अपनी कोख से जन्म दे, बल्कि माँ वह ममतामयी छांव है जो किसी भी बेजुबान के दर्द को अपना बना ले। मदर्स डे के इस विशेष अवसर पर हम आपको मिलवा रहे हैं सीहोर की वाल्मीकि कॉलोनी निवासी रीटा खरे (48 वर्ष) से, जिनकी ममता की चर्चा आज पूरे क्षेत्र में है। रीटा जी के चार बच्चे (दो बेटे और दो बेटियां) तो हैं ही, लेकिन वे अपने घर में पल रहे दर्जनों कबूतरों को अपनी पांचवीं संतान मानती हैं।

ये होंगे शामिल

आकाश अंबानी

अनुष्का शर्मा

रितिका शर्मा

विराट और रोहित ने नेट्स में आक्रामक पारी खेलने का किया अभ्यास

13 साल बाद 'महामुकाबला', 'सुपर संडे' पर भिड़ेंगी आरसीबी-मुंबई, कोहली-रोहित को देखने का क्रेज

- शहीद वीर नारायण सिंह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में आज शाम 7:30 बजे शुरू होगा मुकाबला

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

खास खबर

शहीद वीर नारायण सिंह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में 13 साल के लंबे इंतजार बाद रविवार को पहली बार रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और मुंबई इंडियंस के बीच महामुकाबला शाम 7:30 बजे खेला जाएगा। इस सुपर संडे को लेकर क्रिकेट प्रेमियों में गजब का क्रेज है। फैंस विराट कोहली, रोहित शर्मा और हार्दिक पंड्या जैसे दिग्गज खिलाड़ियों को एक साथ एक ही मैदान पर खेलते हुए देख सकेंगे। इन स्टार खिलाड़ियों की एक झलक पाने और मैच का लाइव रोमांच महसूस करने के लिए टिकटों की भारी मारामारी रही। क्रिकेट की दीवानगी का आलम यह है कि फैंस ने दोगुनी कीमत देकर भी टिकट खरीदे हैं। रविवार की छुट्टी होने के कारण राजधानी में इस मैच का उत्साह अपने चरम पर है। बता दें कि आईपीएल 2026 के इस मौजूदा सीजन में आरसीबी और मुंबई इंडियंस की टीमें पहली बार आमने-सामने होंगी। अंक तालिका में अपनी स्थिति मजबूत करने और प्लेऑफ की ▶▶| शेष पेज 7 पर

राजधानी रायपुर में शनिवार को अचानक मौसम बदला और बारिश हुई। इसके बाद स्टेडियम के पिच को ढंका गया।

फील्डिंग, बैटिंग और बॉलिंग का जमकर अभ्यास

शनिवार को दोनों टीमें शाम 5 बजे मैदान पहुंचीं। इसके बाद खिलाड़ियों ने फील्डिंग, बैटिंग और बॉलिंग का जमकर अभ्यास किया। रोहित शर्मा ने नेट्स में स्ट्रेट ड्राइव और पुल शॉट्स का अभ्यास करते नजर आए, वहीं विराट ने कवर ड्राइव, लॉन्ग ऑन शॉट्स और लंबे छक्कों से सभी ध्यान खींचा। विराट और रोहित पहले भी रायपुर में खेल चुके हैं, जिसका अनुभव उन्हें मैच में फायदा पहुंचा सकता है।

स्टेडियम में इस तरह मिलेगी एंट्री

- सबसे पहले अपने स्मार्टफोन में आरसीबी का आधिकारिक ऐप डाउनलोड कर लें।
- ऐप में उसी मोबाइल नंबर को डालकर लॉग-इन करें, जिसका उपयोग आपने टिकट खरीदते समय किया था।
- नंबर डालने के बाद आपको एक ओटीपी मिलेगा। इसे दर्ज करते ही ऐप में आपकी टिकट की जानकारी दिखने लगेगी।
- अभी ऐप में आपको अपनी टिकट की जानकारी दिखेगी, लेकिन क्यूआर कोड दिखाई नहीं देगा। सुरक्षा कारणों से क्यूआर कोड मैच वाले दिन, गेट खुलने पर 3 बजे ही ऐप में जनरेट होगा। इसी कोड को स्कैन करके आपको एंट्री मिलेगी।

इन खास नियमों का ध्यान रखना जरूरी

- एम-टिकट को व्हाट्सएप, ईमेल या स्क्रीनशॉट के जरिए फॉरवर्ड नहीं किया जा सकेगा। टिकट केवल उसी अधिकृत ऐप पर मान्य होगा जिससे इसे खरीदा गया है।
- अगर किसी कारणवश आपको अपनी टिकट किसी और को ट्रांसफर करनी पड़े, तो यह ऐप के माध्यम से केवल एक बार ही संभव होगा। इसके बाद टिकट पूरी तरह लॉक हो जाएगा।
- गेट पर तैनात स्कैनर जैसे ही आपके मोबाइल के क्यूआर कोड को स्कैन करेगा, वह सिस्टम में '**Used**' मार्क हो जाएगा। उस कोड से कोई दूसरा व्यक्ति प्रवेश नहीं कर पाएगा। ध्यान रहे, स्टेडियम से बाहर जाने पर दोबारा एंट्री की अनुमति नहीं होगी।

मदर्स-डे पर विशेष

आज के दौर में जहां इंसान अपने जीवन की भागदौड़ में प्रकृति और बेजुबान जीवों से दूर होता जा रहा है वहीं धमतरी की 29 वर्षीय सुश्री भूमिका मूलवानी पक्षियों और छोटे जीवों के लिए मां का फर्ज निभाकर मानवता की मिसाल पेश कर रही हैं। शिवराज ग्रीन निवासी भूमिका पिछले 11 वर्षों से घायल पक्षियों का उपचार, अनाथ चिड़ियों के बच्चों का पालन-पोषण और लोगों में पक्षियों के प्रति दया व प्रेम की भावना जागृत करने का कार्य निस्वार्थ भाव से कर रही हैं।

घायल पंछियों का करती हैं इलाज, अनाथ चिड़ियों को पालकर फिर से प्रकृति की गोद में छोड़ती हैं

चिड़ियों के लिए घर और भोजन
बेजुबानों के बीच ढूंढ़ लिया परिवार

विद्याकुंज स्कूल लोहरसी में सुपरवाइजर के रूप में कार्यरत भूमिका अपने व्यस्त जीवन से समय निकालकर उन बेजुबान पक्षियों की सेवा में लगी रहती हैं, जिनकी ओर अक्सर लोग ध्यान नहीं देते। 2016 में दोस्तों के साथ मिलकर उन्होंने लोगों को पक्षियों के लिए दाना-पानी रखने के लिए प्रेरित करना शुरू किया था। वे पक्षियों के लिए लकड़ी के छोटे-छोटे घर भी बांटती हैं और लोगों को यह भी सिखाती हैं कि पक्षियों के साथ संवेदनशील बनें और अपनेपन का व्यवहार करें। भूमिका मूलवानी ने बताया कि धमतरी के फुटहामुड़ा जंगल क्षेत्र में कई दुर्लभ और सुंदर पक्षी देखने को मिलते हैं। यहां पैराडाइज फ्लाईकैचर, ब्लैक मोनार, इंडियन पिट्टा और नीलकंठ जैसे पक्षियों की मौजूदगी पर्यावरण की समृद्धि को दर्शाती है। उन्होंने बताया कि कुछ प्रवासी पक्षी अफ्रीका तक से यहां आते हैं, जिनकी गतिविधियों का अध्ययन और फोटोग्राफी भी वे वर्षों तक करती रहीं।

माँ की ममता का कोई बदल नहीं सकता, यह अनूठी और अद्वितीय होती है –महात्मा गांधी

धमतरी से उमेश वशिष्ठ

बुलाएंगे तो आएंगे पक्षी वे प्यार समझते हैं

भूमिका ने आम लोगों से अपील करते हुए कहा कि यदि हम चाहते हैं कि हमारे आसपास हमेशा पक्षियों की चहचहाहट गूंजती रहे, तो हमें अपने घरों के आसपास अधिक से अधिक फलदार और छायादार पेड़ लगाने चाहिए। साथ ही गर्मी के दिनों में सकोरे में पानी और दाना रखना चाहिए। फलों के छोटे टुकड़े रखने से बुलबुल, गिलहरी और अन्य पक्षी भी आकर्षित होते हैं। उन्होंने कहा कि पक्षियों की रक्षा केवल वन विभाग या संस्थाओं की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि हर नागरिक का नैतिक कर्तव्य है। छोटी-छोटी कोशिशें ही आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रकृति को सुरक्षित रख सकती हैं।

मृत और घायल पक्षियों को देख जागी करुणा

भूमिका ने बताया कि उनकी यह यात्रा गंगरेल क्षेत्र में पक्षियों की फोटोग्राफी से शुरू हुई थी। वहां प्रवासी और दुर्लभ पक्षियों को देखने के दौरान उन्होंने घायल और मृत पक्षियों की स्थिति देखी। इसी दौरान उन्हें महसूस हुआ कि पक्षियों के लिए पर्याप्त दाना-पानी और देखभाल की कमी है। धीरे-धीरे उनका शौक सेवा में बदल गया। उन्होंने सोशल मीडिया पर अपना मोबाइल नंबर साझा कर लोगों से अपील की कि यदि कहीं घायल पक्षी मिले तो उन्हें सूचना दें। इसके बाद लोग घायल गौरैया, कबूतर, तोता, बाज और गिलहरी जैसे जीव उनके पास लाने लगे। इंटरनेट और स्वयं के अनुभव से उन्होंने पक्षियों की देखभाल और प्राथमिक उपचार सीख लिया। आज वे सैकड़ों घायल पक्षियों और जीवों का उपचार कर उन्हें दोबारा स्वस्थ कर प्रकृति में छोड़ चुकी हैं। भूमिका बताती हैं कि शुरुआती दिनों में पक्षी उनसे डरते थे, लेकिन कुछ दिनों बाद वे इतने घुलमिल जाते कि घर के सदस्य जैसे बन जाते थे। कई बार ऐसा भी हुआ कि स्वस्थ होकर उड़ाए गए पक्षी फिर वापस उनके घर लौट आए। इसके अलावा भूमिका मूलवानी ने बताया कि उनके पास एक बार गंभीर रूप से घायल अवस्था में उल्लू भी लाया गया था। उन्होंने उसकी देखभाल कर प्राथमिक उपचार किया और स्वस्थ होने के बाद उसे वन विभाग को सौंप दिया। बाद में वन विभाग द्वारा उस उल्लू को रायपुर स्थित नंदनवन जंगल सफारी में सुरक्षित रूप से रिलीज किया गया। यह अनुभव उनके लिए बेहद भावुक और प्रेरणादायक रहा।

मैं जो कुछ भी हूं, या होने की आशा करता हूं उसका श्रेय मेरी माँ को जाता है–अब्राहम लिंकन

सिद्ध बाबा आश्रम बना पक्षियों का सुरक्षित आशियाना, जहां हर सुबह चहचहाहट से जागती है

कबूतरों की मां...ममता की छांव में बसाया परिंदों का संसार

कवर्धा से महेश मिश्रा

मां की ममता केवल अपने बच्चों तक सीमित नहीं होती, कभी वह किसी घायल परिंदे की सांस बन जाती है,तो कभी किसी नन्हे पंख को सुरक्षित आसमान दे देती है। विकासखंड सहसपुर लोहारा के ग्राम बरौदा स्थित गुरुबाबा सिद्ध बाबा आश्रम में रहने वाली बैसाखिन बाई ऐसी ही ममता की जीवंत तस्वीर हैं। पिछले लगभग 40 वर्षों से वे कबूतरों की सेवा और संरक्षण में जुटी हुई हैं। उनके स्नेह और अपनत्व ने आश्रम को पक्षियों के सुरक्षित संसार में बदल दिया है। बैसाखिन बाई कबूतरों को केवल पक्षी नहीं मानतीं, बल्कि अपने परिवार का हिस्सा समझती हैं। हर सुबह और शाम वे स्वयं उनके लिए दाना-पानी की व्यवस्था करती हैं। यदि कभी उन्हें बाहर जाना पड़ जाए, तो आश्रम के सेवक उसी जिम्मेदारी के साथ कबूतरों की देखभाल करते हैं। वे बताती हैं कि कबूतरों को गेहूं सबसे ज्यादा पसंद है। इसके अलावा चावल और चना भी उन्हें खिलाया जाता है। आश्रम परिसर में बारहों महीने

कबूतरों की चहचहाहट गूंजती रहती है। यहीं वे घोंसले बनाते हैं, अंडे देते हैं और अपने बच्चों को बड़ा करते हैं। हालांकि कई बार सांप और सियार जैसे जीव इनके लिए खतरा बन जाते हैं, लेकिन आश्रम का शांत और सुरक्षित वातावरण उन्हें संरक्षण देता है।

बरौदा का सिद्ध बाबा आश्रम केवल आस्था का केंद्र नहीं, बल्कि प्रकृति और जीव-जंतुओं के सह-अस्तित्व का संदेश भी देता है। आश्रम परिसर में आम, जामुन, कटहल, नींबू और बिही जैसे फलदार वृक्षों की हरियाली फैली हुई है। यही कारण है कि कबूतरों के साथ बंदर, कोकड़ा और कौए भी यहां मौसम के साथ अपना ठिकाना बना लेते हैं।

बैसाखिन का जीवों के प्रति प्रेम और समर्पण अद्भुत है

ग्रामीणों का कहना है कि बैसाखिन बाई का जीवों के प्रति प्रेम और समर्पण अद्भुत है। वे बिना किसी स्वार्थ के वर्षों से सेवा में लगी हुई हैं। बैसाखिन बाई बस इतना कहती हैं कि जीवों की सेवा ही सबसे बड़ा धर्म है। वे कहती हैं कि कबूतर उनसे बात करते हैं। भूख लगती है तो अपनी भाषा में खाना मांगते हैं। कलरव करते हैं और दुखी होने पर वैसे ही भाव व्यक्त करते हैं। वे भी हमारे जैसे हैं। उनके भाव हमारे जैसे हैं।

महापुरुषों का जीवन हमें यह याद दिलाता है कि हम भी अपना जीवन महान बना सकते हैं- एपीजे अब्दुल कलाम

महिला डिप्टी रेंजर की मेहनत से क्षेत्र बना बाघों का सुरक्षित आशियाना

जंगल की मां बन गई 'टाइगर लेडी'

घायल वन्यजीवों की आंखों में पढ़ लेती हैं दर्द, जंगल के बेजुबानों को फिर जिंदगी देती हैं

जीवन में प्रेम एवं करुणा का अहम योगदान है। वेद-पुराणों में प्रेम एवं करुणा को मानव के विशेष गुण के रूप में बखान किया गया है। यह ऐसा गुण है जिसे बताने की जरूरत नहीं पड़ती। यह ऐसी सुगंध है, जो स्वयं चारों तरफ बिखर जाती है। प्रेम एवं करुणा की भाषा न केवल मानव बल्कि पशु-पक्षी एवं पेड़-पौधे भी सुनते हैं और मधुर आवाज के माध्यम से अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हैं।

कोरिया वनमण्डल अंतर्गत टेमरी वनखण्ड में तैनात डिप्टी रेंजर श्रद्धा देवी पैकरा ने वन्य जीवों एवं पेड़-पौधों के प्रेम एवं वात्सल्य के बल पर टेमरी जंगल को समृद्ध बना दिया है। गुरु घासीदास टाइगर रिजर्व से सटा टेमरी जंगल अब बाघ-तेंदुआ जैसे हिंसक वन्य जीवों का स्थाई रहवास क्षेत्र के रूप में विकसित हो गया है। जंगल में भालू, बंदर, चौसिंघा, हिरण, कबरबिज्जू, जंगली बिल्ली, साही सहित अन्य वन्य जीवों की भी संख्या लगातार बढ़ रही है। डिप्टी रेंजर श्रद्धा देवी के प्रयासों से जंगल में मानवीय दखल कम हो गया है तथा क्षेत्र के ग्रामीण भी जंगल को समृद्ध बनाने में अपनी सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। पूर्व में क्षेत्रवासी टेमरी जंगल का उपयोग चरागाह के रूप में करते थे। मानवीय दखल बढ़ने से तेजी से वन संपदा का ह्रास हो रहा था। श्रद्धा देवी ने ग्रामीणों से निरंतर संपर्क कर उन्हें वन एवं वन्य जीवों के महत्व से परिचित कराने के साथ ही इसका संरक्षण करने के लिए प्रेरित किया। जंगल में जगह-जगह मिट्टी की मेढ़ बनाकर छोटे-छोटे जलस्त्रोत विकसित कराया। किसी के बीमार पड़ने पर जंगल से जड़ी-बूटी खोजकर उपलब्ध कराने लगी। वे जब भी किसी को जड़ी-बूटी देती, कहती मवेशी जंगल में जाना बंद कर दे तो किसी को भी अस्पताल जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। इसी

अम्बिकापुर से अजय नारायण पाण्डेय

दौरान सितम्बर 2024 में जंगल में बाघ के पहुंचने की जानकारी मिली। हालाकि पहले भी जंगल में बाघ पहुंचता था। श्रद्धा पैकरा ने ग्रामीणों को जंगल में बाघ-तेंदुए के मौजूद होने का हवाला देकर स्वयं एवं अपने पालतू मवेशियों को जंगल में नहीं जाने देने के लिए प्रेरित किया। हिंसक वन्य जीवों के डर से मानवीय दखल कम होते ही जंगल की समृद्धि बढ़ने लगी। जंगल में कई वनौषधियां ऊग आई साथ ही समाप्ति की ओर अग्रसर बीजा, कुल्लु, साजा आदि के पौधे प्राकृतिक रूप से विकसित होने लगे।

दो साल से मौजूद है बाघ

वन अमले की सतर्कता के साथ ही ग्रामीणों के सामूहिक प्रयास से टेमरी जंगल की परिस्थितियों में व्यापक बदलाव आया है। जंगल में शाकाहारी वन्य जीवों की संख्या बढ़ने के कारण बाघ एवं तेंदुए की भी संख्या बढ़ रही है। बाघ व तेंदुए टेमरी जंगल का उपयोग अपने स्थाई रहवास क्षेत्र के रूप में कर रहे हैं। पिछले दो सालों में 5 बाघ गुरु घासीदास टाइगर रिजर्व के रास्ते टेमरी जंगल में पहुंचे एवं जंगल में लम्बा समय गुजारा। कुछ महीने पूर्व एक बाघिन ने जंगल में दो शावकों को जन्म दिया था। वन अमले ने पूरी जिम्मेदारी के साथ शावकों की सुरक्षा की तथा उनके अनुकूल जंगल का वातावरण तैयार किया।

महिलाओं के लिए प्रेरणा

श्रद्धा पैकरा द्वारा किए जा रहे कार्य सभी के लिए प्रेरणादायक हैं। वे अपनी शासकीय जिम्मेदारी के साथ ही पारिवारिक दायित्वों को पूरी जिम्मेदारी से निर्वहन कर रही हैं। विगत दो वर्षों में वनमंडल में 5 बाघों का विचरण क्षेत्र रहा है। श्रद्धा पैकरा वन्य जीवों एवं वन संरक्षण के प्रति जिम्मेदारी पूर्वक अपनी भूमिका का निर्वहन कर रही हैं। उनकी बेटी मेडिकल कॉलेज में एमबीबीएस की पढ़ाई कर रही है।

-श्रीमती प्रभाकर खलखो, डीएफओ, कोरिया

मनुष्य जीवन में एक स्थान ऐसा चाहता है जहाँ तर्क विचार और विवेचना न रहे, रहे केवल श्रद्धा...संभवतः इसी कारण माँ का सृजन हुआ होगा–सुभाष चन्द्र बोस

हर घायल जीव को मां की तरह दुलार देती हैं बिलासपुर की निधि तिवारी

जानवरों-परिंदों की मसीहा बनीं निधि, घर में बना दिया शेल्टर

बिलासपुर से विकास चौबे

पेड़ से गिरा बंदर या फिर बीमारी से तड़पता कोई लावारिस जानवर या फिर कोई बेबस परिंदा...

ज्यादातर लोग ऐसे दृश्य देखकर आगे बढ़ जाते हैं। लेकिन बिलासपुर की निधि तिवारी के लिए किसी बेजुबान की पुकार होती है। कुदूदंड शिव चौक निवासी निधि तिवारी पिछले कई वर्षों से घायल, बीमार और लावारिस जानवरों की सेवा में जुटी हैं। पहले उन्होंने अपने घर को ही इन असहाय जीवों का आश्रय बनाया और अब अमेरी में एक बड़ा शेल्टर होम संचालित कर रही हैं। यहां बंदर, बिल्ली, सुअर, गाय समेत 150 से अधिक जानवरों की देखभाल की जा रही है। निधि जानवरों की सेवा ऐसे करती हैं, जैसे कोई मां अपने बीमार बच्चों की सेवा करती है। वे घायल जानवरों को खुद रेस्क्यू कर घर लाती हैं, उनका इलाज कराती हैं और ठीक होने तक पूरी देखभाल करती हैं। वे बताती हैं कि कई बार लोगों से सूचना मिलती है कि कोई जानवर सड़क पर घायल पड़ा है। सूचना मिलते ही वे मौके पर पहुंच जाती हैं। कई मामलों में पुलिस और वन विभाग की मदद भी लेनी पड़ती है। एक घटना याद करते हुए निधि बताती हैं कि एक मंदिर में बकरे की बलि दी जा रही थी। उसे बचाने के लिए उन्होंने काफी प्रयास किया। स्थानीय मदद नहीं मिलने पर उन्होंने मेनका गांधी से संपर्क किया, जिसके बाद पुलिस की सहायता से बकरे को बचाया जा सका।

इलाज में लाखों खर्च, फिर भी नहीं डिगा हौसला

निधि के अनुसार कई घायल जानवरों के इलाज में 25 से 30 हजार रुपए तक खर्च हो जाते हैं। हर महीने लगभग डेढ़ से दो लाख रुपए जानवरों के इलाज, भोजन और देखभाल में खर्च होते हैं। वे बताती हैं कि उनके इंस्टाग्राम पेज से एक लाख से ज्यादा लोग जुड़े हुए हैं, जिनसे कभी-कभी आर्थिक मदद मिल जाती है। बाकी खर्च परिवार खेती की आय से उठाता है।

पूरा परिवार बन गया बेजुबानों का सहारा

निधि कहती हैं कि जानवरों की सेवा की प्रेरणा उन्हें अपनी मां से मिली। अब पूरा परिवार इस सेवा में साथ खड़ा है। पिता और भाई रोज जानवरों के खाने की व्यवस्था करते हैं। घर की तीनों मंजिलों में अलग-अलग जानवर रहते हैं। बंदरों के लिए अलग फल, कुत्तों के लिए विशेष आहार, बकरों और गधों के लिए अलग व्यवस्था की जाती है। इलाज के बाद बंदरों को फिर जंगल में छोड़ दिया जाता है।

अपने घर को गौरैया और अन्य पक्षियों के लिए सुरक्षित आश्रय में बदल दिया

परिंदों की ममता से भरा आंगन, गौरैयों की 'मां' बनीं सीमा मिश्रा

शहर की साईं बिहार कॉलोनी, वार्ड-4 में रहने वाली सीमा मिश्रा का घर इन दिनों सिर्फ एक मकान नहीं, बल्कि परिंदों की चहचहाहट से गूंजता एक जीवंत संसार बन गया है। जहां एक ओर लोग आधुनिक जीवनशैली में प्रकृति से दूर होते जा रहे हैं, वहीं सीमा मिश्रा ने अपने घर को गौरैया और अन्य पक्षियों के लिए सुरक्षित आश्रय में बदल दिया है। सीमा मिश्रा ने घर में न सिर्फ लव बर्ड जैसी चिड़ियों को पाला है, बल्कि तेजी से विलुप्त होती गौरैया के संरक्षण का जिम्मा भी अपने कंधों पर उठाया है। उनके घर की गैलरी, आंगन और दीवारों पर लगे लकड़ी और गत्ते के छोटे-छोटे बॉक्स अब गौरैयों के घर बन चुके हैं। इन घोंसलों में तिनकों, घास-फूस से बने घरों में गौरैयों ने अंडे दिए और अब उनमें से चूजे भी निकल चुके हैं। करीब आठ घोंसलों में दर्जनभर से ज्यादा पक्षी सुरक्षित जीवन बिता रहे हैं।

रायसेन से विशेष रिपोर्ट

मेरी माँ मेरी सबसे बड़ी शिक्षिका थी। उन्होंने मुझे मेरी क्षमताओं पर विश्वास करना सिखाया और कभी हार न मानने के लिए प्रेरित किया–थॉमस एडिसन

आवाज पहचानकर उनके पास चली आती हैं चिड़ियां

सीमा मिश्रा पक्षियों को नाम से पुकारती हैं जैसे 'नीरू', 'विभी' और आश्चर्य की बात यह है कि उनकी आवाज पहचानकर यह चिड़ियां उनके पास चली आती हैं। अगर कोई पक्षी बीमार हो जाता है, तो सीमा खुद उसकी देखभाल करती हैं। मौसम के अनुसार उनका खानपान भी तय किया जाता है। गर्मियों में उबले चावल, तरबूज, खरबूज, अंगूर और अंकुरित दाल दी जाती है। सर्दियों में बाजरा, मक्का और ज्वार जैसे अनाज खिलाए जाते हैं, जबकि बारिश के मौसम में नाशपाती और सेव जामुन भी उनके आहार में शामिल होते हैं। पक्षियों के लिए नहाने और पानी पीने के छोटे-छोटे कुंड भी बनाए गए हैं, ताकि उन्हें प्राकृतिक वातावरण का एहसास मिल सके।

बचपन से ही पक्षियों से खास लगाव

सीमा बताती हैं कि उन्हें बचपन से ही पक्षियों से खास लगाव रहा है। उनका मायका नर्मदापुरम जिले में है, जहां उन्होंने अपने बचपन में घरों के आंगन और रोशनदानों में फुदकती गौरैयों को करीब से देखा। वही संस्कार ससुराल का मकान आज भी उनके जीवन का हिस्सा हैं। इस कार्य में उनके पति समाजसेवी प्रवीण मिश्रा का भी पूरा सहयोग मिलता है। सीमा मिश्रा सिर्फ पक्षियों को आश्रय ही नहीं देतीं, बल्कि उनकी देखभाल एक मां की तरह करती हैं।

पक्षियों के लिए तैयार किए घर

गौरैयों के अलावा सीमा मिश्रा को अन्य पक्षियों का भी शौक है। उनके पास कबूतर, तोते, शेफर्ड पक्षी और रंग-बिरंगे विदेशी बर्ड्स भी हैं, जिनके लिए उन्होंने जालीनुमा सुरक्षित घर तैयार किया है। उनके खाने-पीने, उड़ने-फुदकने और नहाने की पूरी व्यवस्था वह खुद करती हैं। आज जब लोग अपने व्यस्त जीवन में प्रकृति से दूर होते जा रहे हैं, ऐसे में सीमा मिश्रा जैसी महिलाएं उम्मीद की किरण बनकर सामने आती हैं। उन्होंने यह साबित कर दिया कि अगर मन में संवेदनशीलता हो, तो घर का एक छोटा सा हिस्सा भी जीव-जंतुओं के लिए स्वर्ग बन सकता है। मदर्स डे के अवसर पर सीमा मिश्रा सिर्फ अपने दोनों बच्चों की ही नहीं, बल्कि दर्जनों परिंदों की भी मां हैं—जो हर सुबह उनके आंगन में चहचहाकर परिंदे उनके प्यार का धन्यवाद करते हैं।

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

तितलियों की मां बन गई हैं ये 'दीदियां'

अंडों से उड़ान तक, हर नन्हे रंग को अपनी ममता की छांव में पाल रही हैं...यह मांएं

महेंद्र विश्वकर्मा : जगदलपुर

बस्तर की तितली दीदियां...जिन्होंने प्रकृति की सबसे नाजुक और रंगीन बच्चों को अपनी ममता की छांव दी है। कांगेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान में यशोदाएं नन्ही तितलियों के लिए किसी 'मां' से कम नहीं हैं। कोख की सीमाओं से परे, इन युवतियों ने तितलियों के अंडे से लेकर उनके कैटरपिलर और फिर खूबसूरत पंख आने तक के पूरे सफर को मां जैसी सुरक्षा और समर्पण से सींचा है। दुर्लभ मातृत्व बस्तर की जैव-विविधता को नए भाव दे रहा है। वहां की खूबसूरती देखकर इंसानियत और कुदरत, एक दूजे की बाहों में मुस्कराते नजर आते हैं।

नाजुक पंखों की 'ढाल' बनीं ये बेटियां

कांगेर घाटी के घने जंगलों में जब सूरज की पहली किरण पड़ती है, तो मनीषा नाग और उनकी सखियां उन पौधों की देखरेख में जुट जाती हैं, जहां नन्हीं तितलियों का बसेरा है। इन्होंने केवल पौधे नहीं लगाए, बल्कि तितलियों के जीवन चक्र को बचाने की जिम्मेदारी उठाई है। ये 'तितली दीदियां' जानती हैं कि कब अंडे से लार्वा निकलेगा और कब उसे पोषण की जरूरत होगी। एक मां की तरह ये सुनिश्चित करती हैं कि उनके इलाके में तितलियों के लिए मकरंद (रस) से भरे फूल हमेशा खिलते रहें। ▸▸ शेष पेज 7 पर

हिमालय का बस्तर से 'रेशमी' रिश्ता

शोध बताते हैं कि हिमालयन वैली का उड़ीसा के ईस्टर्न घाट के जरिए बस्तर से गहरा जुड़ाव है। 'हिमालयन वैगरेंट' बटरफ्लाई को मध्य भारत में 148वीं प्रजाति के रूप में रिकॉर्ड किया गया है, और कांगेर नेशनल पार्क की 'ममत्व भरी छांव' में इनकी संख्या लगातार बढ़ रही है।

ममता की छांव में खिलते पंख

मनीषा बताती हैं, ये हमारे लिए सिर्फ कीट नहीं, हमारे बच्चे हैं। जब एक तितली अपने पंख फैलाकर पहली उड़ान भरती है, तो हमें वही खुशी होती है जो एक मां को अपने बच्चे को पहला कदम चलते देखकर होती है।

> *माँ का प्यार सबसे ऊंचा, निर्विशेष और अनपेक्षित प्यार होता है। –नेल्सन मंडेला*

बंदर और परिंदों की मां कहती है, यही मेरे जीवन का असली संसार

कांकेर की स्मिता खटवानी ने घर को बनाया परिंदों का आशियाना, हर गर्मी में बांटती हैं घोंसले और पानी के बर्तन

विजय पाण्डेय ▸▸| कांकेर

भागदौड़ और शोर से भरी जिंदगी के बीच कांकेर में एक ऐसा घर भी है, जहां सुबह अलार्म से नहीं, चिड़ियों की चहचहाहट से होती है। आमापारा निवासी स्मिता खटवानी का घर अब पक्षियों और बेजुबान जीवों का आशियाना बन चुका है। लोग उन्हें अब "जीवों की मां" कहकर पुकारने लगे हैं। पशु-पक्षियों और वन्य जीवों के प्रति उनका प्रेम किसी शौक तक सीमित नहीं, बल्कि संवेदना और संरक्षण की ऐसी मिसाल है, जिसने आसपास के लोगों को भी प्रकृति से जुड़ने के लिए प्रेरित किया है। स्मिता बताती हैं कि उनका बचपन कांकेर से करीब 20 किलोमीटर दूर सरोना में बीता। वहां हरियाली, पेड़-पौधे और पक्षियों की आवाजें उनके जीवन का हिस्सा थीं। लेकिन परिवार के कांकेर आकर बसने के बाद उन्हें सबसे ज्यादा कमी उन्हीं परिंदों की महसूस हुई। तभी उन्होंने तय किया कि अपने नए घर को भी पक्षियों का बसेरा बनाएंगी। उन्होंने घर के आसपास हरियाली विकसित की, छत पर दाना-पानी रखना शुरू किया और धीरे-धीरे गौरेया, कबूतर, तोता, कोयल समेत कई पक्षियों ने उनके घर को अपना ठिकाना बना लिया। ▸▸ शेष पेज 7 पर

भीषण गर्मी में बनीं बेजुबानों की उम्मीद

गर्मी के दिनों में जब इंसान तक पानी के लिए परेशान हो जाते हैं, तब स्मिता बेजुबान पक्षियों के लिए उम्मीद बनकर सामने आती हैं। वे हर साल लोगों को निःशुल्क लकड़ी के घोंसले और पानी के बर्तन वितरित करती हैं, ताकि शहर में पक्षियों को सुरक्षित ठिकाना मिल सके। उनका कहना है कि उद्देश्य सिर्फ पक्षियों को दाना-पानी देना नहीं, बल्कि समाज में संवेदनशीलता और प्रकृति प्रेम की भावना जगाना है।

स्मिता मुस्कुराकर कहती हैं

"उनके बीच रहकर लगता है, यही मेरा असली संसार है।"

> *मुझे जो कुछ भी हासिल हुआ है, वह मेरी माँ के कारण ही है। –जॉर्ज वाशिंगटन*

आनंद का सच्चा भाव

18 कैरेट रेट (75.00%)	₹103903/-
22 कैरेट रेट (91.60%)	₹126900/-
24 कैरेट रेट (99.99%)	₹138523/-

सोने का भाव* प्रति 10 ग्राम | GST Extra

ANAND Jewels Pandri, Raipur

पाठक सूचना

हरिभूमि सुनहरा मौका सुनिश्चित उपहार 2026 का सामान्य कूपन कल के अंक में देखें।

शुभेंदु बंगाल में भाजपा के पहले मुख्यमंत्री, बांग्ला में ली शपथ

मोदी राज में भाजपा का स्वर्णिम युग पश्चिम बंगाल में शुभेंदु को कमान

पश्चिम बंगाल में भाजपा की प्रचंड जीत के साथ ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली तृणमूल कांग्रेस सरकार के 15 साल लंबे शासन का अंत हो गया। बंगाल में शनिवार को भाजपा ने शुभेंदु अधिकारी के नेतृत्व में नई सरकार का गठन किया। इसके साथ ही 2014 में नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद बंगाल 9वां राज्य बन गया है, जहां भाजपा ने पहली बार मुख्यमंत्री पद हासिल किया है।

एजेंसी ▸▸| कोलकाता

शुभेंदु अधिकारी पश्चिम बंगाल में भाजपा के पहले मुख्यमंत्री बन गए। शुभेंदु ने बांग्ला में ईश्वर के नाम की शपथ ली। शपथ के बाद उन्होंने प्रधानमंत्री को झुककर प्रणाम किया। शुभेंदु के साथ 5 और विधायकों ने मंत्री पद की शपथ ली। इनमें दिलीप घोष, अग्निमित्रा पॉल, अशोक कीर्तनिया, क्षुदीराम टूडू और निषिथ प्रमाणिक शामिल रहे। स्वतंत्रता के बाद पहली बार ऐतिहासिक ब्रिगेड परेड ग्राउंड भाजपा सरकार के शपथ ग्रहण का गवाह बना। शपथग्रहण समारोह के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, भाजपा का केंद्रीय नेतृत्व और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) शासित राज्यों के मुख्यमंत्री विशाल मंच पर मौजूद थे। 'जय श्री राम' के उद्घोष, ढोल की थाप और लहराते भगवा झंडों के बीच राज्यपाल आर. एन. रवि ने अधिकारी को ▸▸ शेष पेज 7 पर

दिलीप घोष, अग्निमित्रा पॉल, अशोक कीर्तनिया, क्षुदीराम टूडू, निषिथ प्रमाणिक बने मंत्री

मुख्यमंत्री के साथ ही पांच मंत्रियों ने ली शपथ, पीएम रहे मौजूद

समारोह स्थल पर लहराया भगवा

शनिवार को यही मैदान स्वतंत्रता के बाद पश्चिम बंगाल की पहली भाजपा सरकार के शपथग्रहण का स्थल बना। भाजपा खेमे ने इसे 'डबल इंजन' सरकार के तहत 'सोनार बांग्ला' की शुरुआत के रूप में पेश किया। भगवा गमछा पहने और पार्टी के झंडे लिए हजारों कार्यकर्ता सुबह से ही कार्यक्रम स्थल पर जुटने लगे। बड़े एलईडी स्क्रीन पर मोदी और अधिकारी के चुनावी भाषण दिखाए गए। प्रधानमंत्री के कार्यक्रम स्थल पर पहुंचने के साथ ही मैदान क्षेत्र में 'भारत माता की जय' के नारे गूंज उठे।

शपथ के बाद टैगोर के पैतृक आवास गए शुभेंदु

पश्चिम बंगाल के नए मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी शपथग्रहण समारोह के तुरंत बाद नोबेल पुरस्कार विजेता रवीन्द्रनाथ टैगोर के पैतृक आवास जोरासांको ठाकुरबाड़ी पहुंचे और उन्होंने औपचारिक रूप से अपना कार्यभार संभालने से पहले महान कवि को पुष्पांजलि अर्पित की।

बंगाल की राजनीति में एक ऐतिहासिक अध्याय : साय

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने शुभेंदु अधिकारी के पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने को राज्य की राजनीति में एक ऐतिहासिक अध्याय करार देते हुए शनिवार को कहा कि 'डबल इंजन' सरकार के तहत पश्चिम बंगाल विकास की नयी ऊंचाइयों को छुएगा।

उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल में बदलाव की लोगों की लंबे समय से प्रतीक्षित इच्छा अब पूरी हो गई है। साय कोलकाता में आयोजित शुभेंदु अधिकारी के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल हुए और बाद में उनसे मुलाकात भी की। साय ने शुभेंदु और पश्चिम बंगाल मंत्रिमंडल में शामिल सभी नए मंत्रियों को बधाई देते हुए उनके सफल कार्यकाल की कामना की। बयान में साय के हवाले से कहा ▸▸ शेष पेज 7 पर

मोदी ने माखनलाल सरकार के पैर छुए

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पश्चिम बंगाल में भाजपा की पहली सरकार के शपथग्रहण समारोह में पार्टी के 98 वर्षीय वरिष्ठ नेता माखनलाल सरकार के पैर छूकर उनका आशीर्वाद लिया। भाजपा ने कहा कि सरकार को 1952 में कश्मीर में उस समय गिरफ्तार किया गया था, जब वह वहां भारतीय तिरंगा फहराने के आंदोलन के दौरान जनसंघ के संस्थापक श्यामा प्रसाद मुखर्जी के साथ थे। पार्टी ने एक बयान में कहा, सरकार, स्वतंत्रता के बाद भारत में राष्ट्रवादी आंदोलन से जुड़े शुरुआती जमीनी कार्यकर्ताओं में से एक हैं।

योगी ने शुभेंदु को भगवा पहनाया

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने वाले शुभेंदु अधिकारी को बधाई दी और उन्हें भगवा अंगवस्त्र पहनाया। आदित्यनाथ ने मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने वाले शुभेंदु अधिकारी को बधाई दी और उनके उज्ज्वल कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं भी दीं। एक बयान के मुताबिक, मुख्यमंत्री ने अधिकारी को मंच पर भगवा अंगवस्त्र भी पहनाया।

राज्यपाल से मिली हरी झंडी विजय की आज ताजपोशी

चेन्नई। तमिलनाडु की राजनीति में पिछले कई दिनों से चल रही उथल-पुथल मची अब पूरी तरह से खत्म हो गई है। टीवीके के प्रमुख सी. जोसेफ विजय कल राज्य के नए मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेने जा रहे हैं। सबसे बड़ी पार्टी के नेता के रूप में विजय ने राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ अर्लेकर से मुलाकात की। इस मुलाकात के दौरान उन्होंने 234 सदस्यों वाली विधानसभा में 120 विधायकों के समर्थन के साथ सरकार बनाने का अपना दावा पेश कर दिया।

असम की डॉ. पूर्णिमा देवी बर्मन चैंपियन ऑफ द अर्थ

सारस की मां, घायलों का इलाज, चूजों के आगमन का जश्न

- ये सेना घोंसलों की रक्षा करती हैं, घोंसलों से गिरे घायल सारसों का पुनर्वास करती हैं और नवजात चूजों के आगमन का जश्न मनाने के लिए बेबी शावर का आयोजन करती हैं
- पूर्णिमा को व्हिटली गोल्ड अवार्ड (जिसे अक्सर ग्रीन ऑस्कर कहा जाता है) और नारी शक्ति पुरस्कार , जो भारत का महिलाओं के लिए सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार है, से सम्मानित किया गया

हरिभूमि न्यूज ▸▸| गुवाहाटी (असम)

चैंपियन ऑफ द अर्थ पुरस्कार विजेता डॉ. पूर्णिमा देवी बर्मन, जब बच्ची ही थीं, तब से ही उन्हें सारस पक्षी (ग्रेटर एडजुटेंट स्टॉर्क) से लगाव हो गया था, जो आगे चलकर उनके जीवन का जुनून बन गया। पांच साल की उम्र में बर्मन को असम राज्य में ब्रह्मपुत्र नदी के किनारे अपनी नानी के साथ रहने के लिए भेज दिया गया। माता-पिता और भाई-बहनों से बिछड़कर वह बच्ची बेहद दुखी हो गई। उसका ध्यान भटकाने के लिए, बर्मन की नानी, जो एक किसान थीं, उसे पास के धान के खेतों और आर्द्रभूमि में ले जाने लगीं ताकि उसे वहां के पक्षियों के बारे में सिखा सकें। वे बताती हैं कि मैंने सारस और कई अन्य प्रजातियों को देखा। उन्होंने मुझे पक्षियों के गीत सिखाए। उन्होंने मुझसे बगुले और सारसों के लिए गाने को कहा। मुझे पक्षियों से प्यार हो गया। डॉ. पूर्णिमा देवी बर्मन ने अपने करियर का अधिकांश हिस्सा लुप्तप्राय ग्रेटर एडजुटेंट ▸▸ शेष पेज 7 पर

10,000 महिलाओं की एक जमीनी स्तर की हरगिला सेना का गठन किया

मदर्स डे विशेष

हरगिला के रूपांकनों से सजे वस्त्र भी बना रहीं महिलाएं

बर्मन ने महिलाओं को बुनाई के करघे और धागा उपलब्ध कराने में भी मदद की है ताकि वे हरगिला के रूपांकनों से सजे वस्त्र बना और बेच सकें। यह उद्यमशीलता न केवल पक्षी के प्रति जागरूकता फैलाती है, बल्कि महिलाओं की आर्थिक स्वतंत्रता में भी योगदान देती है, उनकी आजीविका को बढ़ावा देती है और सारस को बचाने के अपने काम में गर्व और स्वामित्व की भावना पैदा करती है। बर्मन द्वारा संरक्षण कार्यक्रम शुरू करने के बाद से, कामरूप जिले के दादरा, पचरिया और सिंगिमारी गांवों में घोंसलों की संख्या 28 से बढ़कर 250 से अधिक हो गई है।

> *मुझे अच्छी माँ दो, मैं तुम्हें एक अच्छा राष्ट्र दूँगा—नेपोलियन बोनापार्ट*

वनांचल से निकला हीरा, आईएफएस में चयनित अजय गुप्ता बने मिसाल

माता-पिता कभी जंगल में महुआ-तेंदूपत्ता चुना करते थे, अब बेटा इन जंगलों की करेगा रक्षा

हरिभूमि न्यूज ▸▸| रायगढ़

माता पिता जंगल में पहले महुआ बीनते थे, तेंदूपत्ता चुनते थे, उनका साथ बेटा भी देता था। अब वही बेटा अजय आईएफएस अफसर बनकर उसी जंगल की रक्षा करेगा। संबलपुरी निवासी अजय गुप्ता ने आईएफएस की कठिन परीक्षा पास की है। इसकी जानकारी जब गांव वालों को हुई तो आंखों से खुशी के आंसू छलक पड़े। अजय उस दौर को याद करते हुए बताते हैं कि माता-पिता अधिक शिक्षित नहीं थे, लेकिन उन्होंने बच्चों की शिक्षा को ही अपना लक्ष्य माना। छुट्टियों के दौरान अजय स्वयं जंगलों में जाकर तेंदूपत्ता और महुआ इकट्ठा करने में माता-पिता की मदद करते थे। अभावों के बीच भी उन्होंने 10वीं में 92.66 प्रतिशत और 12वीं में 91.40 प्रतिशत अंक हासिल कर अपनी योग्यता का परिचय दिया था। अजय की इस ▸▸ शेष पेज 7 पर

गांव और मित्रों ने लगाया तिलक

जब अजय गांव पहुंचे तो परिजनों, ग्रामीणों और मित्रों ने उसका तिलक किया और आशीर्वाद दिया। दोस्तों में खुशी ठिकाना नहीं है, परिजनों को विश्वास नहीं हो रहा है और ग्रामीणों को लग रहा है यह सपना है, लेकिन यह हकीकत उनके सामने है। मिठाई बंट रही है, खुशियां मनाई जा रही है, पूरे गांव में उत्सव जैसा माहौल है।

छत्तीसगढ़ का मान बढ़ाया: साय

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने रायगढ़ जिले के अजय गुप्ता को भारतीय वन सेवा (IFS) में चयनित होने पर बधाई देते हुए कहा कि अजय ने न केवल अपने माता-पिता का मान बढ़ाया है, बल्कि पूरे छत्तीसगढ़ को गौरवान्वित किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह अत्यंत हर्ष का विषय है कि एक ऐसा युवा जिसने स्वयं जंगलों में तेंदूपत्ता और महुआ संग्रहित किया, आज उन्हीं वनों के संरक्षण की जिम्मेदारी संभालने जा रहा है। हमारी सरकार की 'लघु वनोपज संघ छात्रवृत्ति' और 'पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति' जैसी योजनाओं ने अजय जैसे प्रतिभाशाली युवाओं की राह आसान की है। अजय की उपलब्धि यह दर्शाती है कि सही अवसर मिलने पर हमारे ग्रामीण अंचल के युवा भी देश की सर्वोच्च सेवाओं में अपना स्थान सुनिश्चित कर सकते हैं।

सत्यमेव जयते
भारत सरकार
सोमनाथ
अनंत ऊर्जा का अनुभव
छत्तीसगढ़ शासन
सोमलिङ्गं नरो दृष्ट्वा सर्वपापैः प्रमुच्यते।
लभते फलं मनोवाञ्छितं मृतः स्वर्गं समाश्रयेत्॥
सोमनाथ
विरासत के 75 साल
सोमनाथ भारत की अजेय सभ्यता का प्रतीक है। 1000 वर्षों के विनाशकारी प्रहारों के बाद भी, सोमनाथ आज हमारे आत्म-सम्मान और साहस की मिसाल बनकर खड़ा है। 75 वर्ष पहले लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल के संकल्प से आधुनिक सोमनाथ का मार्ग प्रशस्त हुआ।
प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में, आज यह पावन भूमि भारत के सांस्कृतिक पुनरुत्थान का उद्घोष कर रही है।
"सोमनाथ आशा का वह गीत है जो हमें सिखाता है कि सृजन की शक्ति विनाश से कहीं अधिक प्रबल होती है।"
प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी
(अध्यक्ष, श्री सोमनाथ ट्रस्ट)
इस स्वर्णिम अवसर के साक्षी बनें
मुख्य गतिविधियां
कलश यात्रा | भजन संध्या | ॐकार मंत्र का जाप
सोमनाथ पुस्तिका में मंत्र लेखन | सोमनाथ से जुड़ी कथाओं का वाचन
श्री सोमनाथ मंदिर परिसर
प्रभास पाटन
8 से 11 मई, 2026
सोमनाथ की दिव्यता व भव्यता में दें योगदान और बनें गौरवशाली इतिहास का हिस्सा।
स्कैन करें।
श्री विष्णु देव साय
माननीय मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़
छत्तीसगढ़ जनसंपर्क
Visit us : /ChhattisgarhCMO /DPRChhattisgarh www.dprcg.gov.in

> माँ खुद भूखे रहकर भी अपने बच्चों को खिलाती है और यह ममता दुनिया के किसी भी भौतिक सुख से बड़ी है : स्वामी विवेकानंद

मां बनकर तितलियों की रक्षा...होस्ट प्लांट लगाकर दिया आश्रय, उनके जीवन चक्र से रची संवेदनाओं की दुनिया

तितलियों के होस्ट प्लांट लगाकर दे रही हैं उन्हें संरक्षण

रुचि वर्मा ▶▶| रायपुर

मां का पल्लू एक छोटे बच्चे का पूरा संसार होता है। कहने का आशय है कि कभी-कभी ममता भरी एक छोटी छांव भी सबकुछ संभाल लेती है। छग शासन में वित्त विभाग में कार्यरत रायपुर की कचना निवासी श्रद्धा थवाईत ने अपने आशियाने में तितलियों के लिए एक आश्रय स्थल बना दिया है। यहां उन्होंने तितलियों के होस्ट प्लांट लगाए हुए हैं। जैसे कॉमन क्रो के लिए फायकस, कॉमन लाइम के लिए मीठा नीम लगाया हुआ है। इस पर कभी खूब इल्लियां लग जाएं तो कभी नहीं मारती बल्कि उन्हें बढ़ने देती हैं। मूलतः एमएससी बॉटनी की पढ़ाई के कारण वे तितलियों के वैज्ञानिक पक्ष से भी परिचित हैं। अपने इस ज्ञान का प्रयोग वे तितलियों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए करती हैं।

खा जाती हैं पूरी पत्तियां, लेकिन अफसोस नहीं

श्रद्धा कहती हैं, भले ये सारी पत्तियां खा जाती हैं, लेकिन यदि इनमें से कोई एक भी बटरफ्लाई बन गई तो मन खुश हो जाता है। ये सारा जीवन चक्र घर में देखकर एक संतोष मिलता है कि इन्होंने हमारा आतिथ्य चुना। जिन तितलियों की रक्षा मां की ममता लिए हुए श्रद्धा करती रही हैं, उनकी मदद से ही वे बच्चों की जिंदगी संवारने की कोशिश भी कर रही हैं। उन्होंने 'दिल में तित्तू धड़के' नामक एक बाल उपन्यास लिखा है। डेनेड एग बटरफ्लाई जहरीली तितली प्लेन टाइगर बटरफ्लाई की मिमिक्री करती है। जहरीली तितली की नकल करके एग बटरफ्लाई खुद को दुश्मनों से बचाती है। तितलियों के इस व्यवहार को आधार बनाकर किताब लिख चुकी श्रद्धा कहती हैं, मैंने स्कूल में बच्चों को देखा है बुलिंग का शिकार होते। यह किताब तितलियों के जरिए उन बच्चों को हिम्मत देने की कोशिश है। गौरतलब है कि श्रद्धा को उनके उपन्यास हवा में फड़फड़ाती चिट्ठी के लिए ज्ञानपीठ का नवलेखन पुरस्कार मिल चुका है।

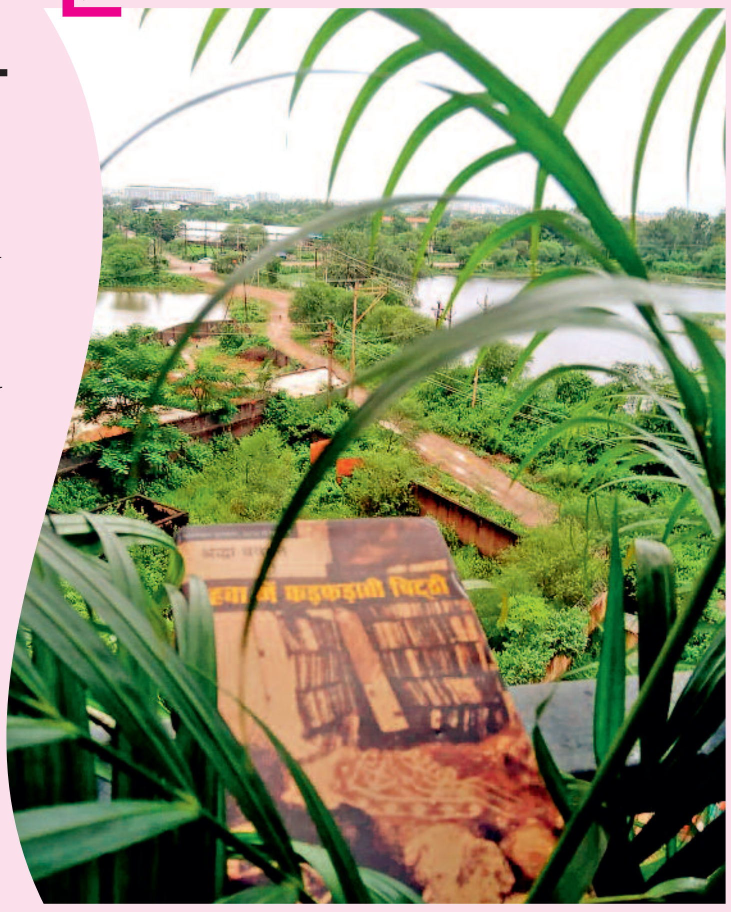

परिंदों की डॉक्टर बनी अंकिता... दर्द समझा, घायल परिंदों को मरहम और देती हैं उड़ने का भरोसा

घायल चील, उल्लू, बुलबुल और बंदरों का करती हैं उपचार, फिर खुले आसमान में लौटा देती हैं उड़ान

गिरीश केशरवानी ▶▶| रायपुर

रिम्स रायपुर में एमबीबीएस, थर्ड ईयर की छात्रा अंकिता टंडन पढ़ाई के साथ-साथ घायल और बीमार पक्षियों की जिंदगी बचाने में जुटी हैं। रायपुर के रिम्स में एमबीबीएस थर्ड ईयर की छात्रा अंकिता पिछले सात वर्षों से पक्षियों और मूक प्राणियों का रेस्क्यू कर उनका उपचार कर रही हैं। अंकिता केवल इलाज ही नहीं करतीं, बल्कि अपने घर में उन्हें ऐसा वातावरण देने की कोशिश करती हैं, जिससे वे डर और दर्द से बाहर निकल सकें। घायल पक्षियों के लिए उन्होंने घर में अलग से पिंजरे और सुरक्षित स्थान बनाए हैं। उनका पूरा परिवार पशु-पक्षियों के प्रति संवेदनशील है। अंकिता यूं बिलासपुर की रहने वाली हैं। पिता प्रोफेसर हैं और मां गृहिणी, लेकिन दोनों अपनी बेटी के इस मिशन में बराबरी से साथ खड़े हैं। अंकिता कहती हैं कि मूक प्राणियों के प्रति प्रेम और संवेदना उन्हें अपने माता-पिता से विरासत में मिली है।

इलाज के बाद लौटाती हैं खुले आसमान में

अंकिता कहती हैं कि किसी पक्षी का इलाज करना जितना कठिन है, उससे कहीं ज्यादा चुनौतीपूर्ण उसे सुरक्षित वातावरण में वापस छोड़ना होता है। इसीलिए उपचार के बाद वे पक्षियों को बिलासपुर के कानन-पेंडारी, रायपुर के जंगल सफारी और नंदनवन पक्षी विहार जैसे सुरक्षित स्थानों पर छोड़ती हैं।

वेजिटेरियन परिवार, लेकिन परिंदों के लिए मांस की व्यवस्था

अंकिता का परिवार पूरी तरह शाकाहारी है, लेकिन कई घायल पक्षी मांसाहारी होते हैं। ऐसे में उनके लिए चिकन और मटन तक की व्यवस्था परिवार खुद करता है, ताकि उपचार के दौरान उन्हें प्राकृतिक भोजन मिल सके। अंकिता अब तक घायल चील, उल्लू, किंगफिशर, कोयल, तोता, कबूतर, कौवा समेत 600 से ज्यादा पक्षियों और मूक प्राणियों का इलाज कर चुकी हैं। इसके अलावा घायल कछुए, बंदर और लंगूरों को भी स्वस्थ कर उनके प्राकृतिक आवास में छोड़ा जा चुका है।

बुलबुल आज भी घर के आसपास मंडराती हैं

अंकिता मुस्कुराते हुए बताती हैं कि जिन बुलबुल पक्षियों का उन्होंने इलाज किया था, उनमें से कई स्वस्थ होने के बाद भी घर के आसपास मंडराती रहती हैं। उन्हें लगता है, जैसे वे अपने तरीके से आभार जता रही हों। अंकिता कहती है कि इंसान बोलकर अपना दर्द बता सकता है, लेकिन पक्षी और मूक प्राणी नहीं। उनकी पीड़ा समझकर उसे कम करने में जो आत्मिक सुख मिलता है, वही मेरी सबसे बड़ी खुशी है। अंकिता की कहानी यह एहसास कराती है कि ममता केवल जन्म देने से नहीं आती कभी-कभी वह किसी घायल परिंदे के पंखों को फिर उड़ना सिखाने से भी जन्म लेती है।

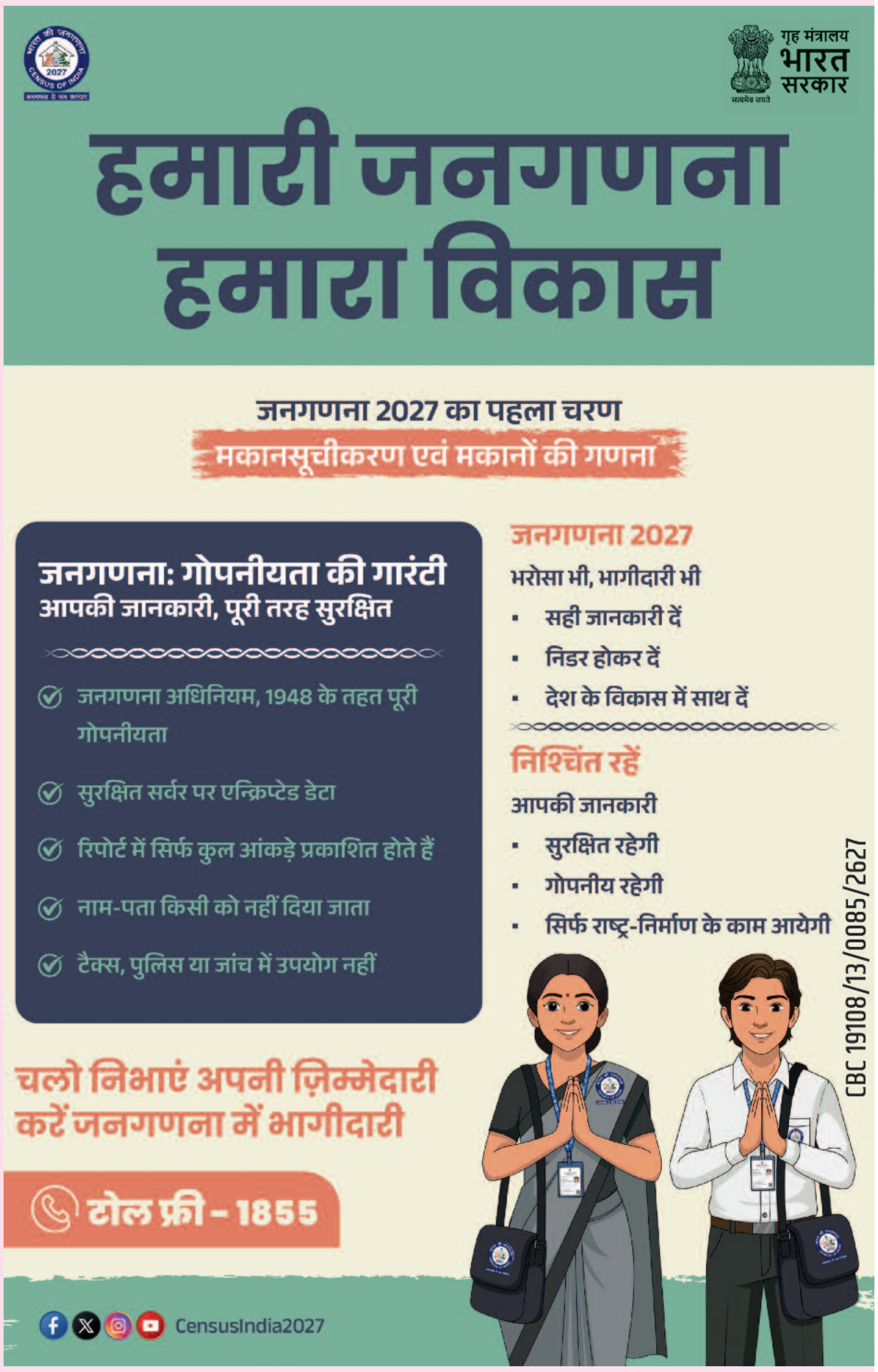

चार बच्चों की मां रीटा की 'पांचवीं संतान' हैं कबूतर, सीरिंज से दूध पिलाकर बचाई थी जान

वाल्मीकि कॉलोनी की रीटा खरे की अनोखी ममता, घर में चहकते हैं 60 से ज्यादा कबूतर

12 साल पहले एक अनाथ चूजे से शुरू हुआ सफर, अब बन गया है परिवार का अटूट हिस्सा

जुगल किशोर पटेल ▶▶| सीहोर

मां केवल वह नहीं होती जो अपनी कोख से जन्म दे, बल्कि माँ वह ममतामयी छांव है जो किसी भी बेजुबान के दर्द को अपना बना ले। मदर्स डे के इस विशेष अवसर पर हम आपको मिलवा रहे हैं सीहोर की वाल्मीकि कॉलोनी निवासी रीटा खरे (48 वर्ष) से, जिनकी ममता की चर्चा आज पूरे क्षेत्र में है। रीटा जी के चार बच्चे (दो बेटे और दो बेटियां) तो हैं ही, लेकिन वे अपने घर में पल रहे दर्जनों कबूतरों को अपनी पांचवीं संतान मानती हैं।

रीटा खरे बताती हैं कि यह सिलसिला करीब 12 साल पहले शुरू हुआ था। एक नन्हा सा कबूतर का बच्चा भटककर उनके घर आ गया था, जिसकी मां को चील ने मार दिया था। वह बेजुबान भूख और प्यास से तड़प रहा था। उनका मातृत्व जाग उठा और उन्होंने उसे गोद ले लिया। वे कहती हैं, वह इतना छोटा था कि खुद खा भी नहीं पाता था। मैंने उसे सीरिंज की मदद से दाना-पानी खिलाया और बड़े लाड़-प्यार से पाला। उन्होंने उस कबूतर का नाम 'लख्खा' रखा। लख्खा को अपनी इस मां से इतना लगाव हो गया कि रीटा जहां भी जातीं, वह उनके पीछे-पीछे उडक़र पहुंच जाता। यहीं से रीटा का पक्षियों के प्रति ऐसा लगाव शुरू हुआ जो आज एक बड़े परिवार में बदल चुका है।

घर में 250 कबूतरों का रहा है बसेरा

एक समय ऐसा था जब श्रीमती खरे के घर में 200 से 250 कबूतर हुआ करते थे। वर्तमान में भी उनके घर की छत पर बने विशेष पिंजरों में 50 से 60 कबूतर चहकते हैं। खास बात यह है कि रीटा इन पक्षियों को केवल पालती हैं, उन्हें कभी बेचती नहीं हैं। उनके लिए ये पक्षी व्यापार नहीं, बल्कि जीवन का हिस्सा हैं। वे कहती हैं जैसे मैं अपने चार बच्चों का ख्याल रखती हूं, वैसे ही इनका दाना-पानी और सेहत मेरी जिम्मेदारी है, ये मेरी जान हैं।

बेटा मानता है इन्हें भाई-बहन, मुर्गों का अनोखा बसेरा

मां की इस अटूट ममता का असर उनके बच्चों पर भी पड़ा है। श्रीमती खरे का बेटा आनंद इन कबूतरों की सेवा में अपनी मां का पूरा हाथ बंटाता है। आनंद इन पक्षियों को महज पक्षी नहीं, बल्कि अपने भाई-बहन की तरह मानता है और उनकी सुरक्षा का पूरा ध्यान रखता है।इतना ही नहीं इस घर की जीव-दया केवल कबूतरों तक सीमित नहीं है। श्रीमती खरे के यहां 8-10 मुर्गे-मुर्गियां भी हैं, जो किसी बंद पिंजरे में नहीं रहते। ये बेजुबान भी परिवार के अनुशासन को समझते हैं, शाम ढलते ही ये सभी घर के सामने लगे पेड़ पर जाकर बैठ जाते हैं और वहीं अपनी रात बिताते हैं।

DELHI PUBLIC SCHOOL
(Under the aegis of the Delhi Public School Society, Delhi)
RISALI SECTOR, BHILAI (C.G.) 490 006
(Co-Educational, English Medium, CBSE Affiliation No.3330009)

Those candidates who had applied against our earlier advertisement between 07 and 09 January 2026 which now stands nullified, need not pay the application fee. However, they are required to submit the application along with all the required documents. If you do not wish to reapply, your application fee will be refunded upon request to the school office.

Vacancies

1. PGT-English 2. PGT/TGT-Physics 3. PGT/TGT-Computer Science
4. TGT-English, Sanskrit, Art & Craft, Physical Education
5. TGT/PRT-Music (Vocal & Instrumental) 6. PRT (Lady)-Maths, Social Science, Physical Education, Art & Craft, PPW 7. Staff Nurse (Female)

Application form can be downloaded from the school website. Apply on or before **29.05.2026** with a Demand Draft/Banker's Cheque of Rs. 500/- drawn in favour of the Principal, Delhi Public School, payable at Bhilai **(can be paid in cash also at the school office between 8:00 a.m. and 12:00 noon on working days).**
FOR DETAILS VISIT OUR WEBSITE: www.dpsbhilai.in
Principal I/c.
Deepak Ad.

देश के पांच राज्यों में हाल ही में हुए विधानसभा चुनावों के परिणाम भारतीय राजनीति की बदलती दिशा और दशा को साफ उजागर करते हैं। ये चुनावी नतीजे जाहिर तौर पर भविष्य में होने वाले छोटे-बड़े चुनावों पर गहरी छाप छोड़ने वाले हैं। कोई राजनीतिक दल अगर इन चुनाव नतीजों को महज पश्चिम बंगाल, असम और तमिननाडु तक सीमित होने की बात करता है तो उनकी राजनीतिक दूरदर्शिता पर सवालिया निशान जरूर उठते हैं। बीजेपी और उसके विरोधी दल दोनों, अगर अपनी वर्तमान राजनीतिक रणनीति पर चलते रहे, तो ये चुनावी रुझान और भी मजबूत होने की पूरी संभावना है। इन चुनाव परिणामों ने विपक्षी एकता को भी छिन्न-भिन्न कर दिया है। बड़ा सवाल यह भी है कि टीएमसी और डीएमके जैसी पार्टियां, जिन्हें विचारधारा या कार्यकर्ता-आधारित होने के बजाय व्यक्तित्व-आधारित माना जाता है, इन प्रमुख नेताओं की फीकी पड़ती चमक के साथ अपना अस्तित्व बनाए रख पाएंगी या नहीं। जाहिर तौर पर विपक्षी नेताओं का बीजेपी की शरण में आना बढ़ेगा और बीजेपी विरोधी गठबंधन और कमजोर हो सकता है। स्पष्ट रूप से कहें तो भारतीय राजनीति को अवसरवाद से अपने आप को मुक्त करना होगा। आधुनिक राजनीति में कब क्या होगा, इस संबंध में निश्चित रूप से कुछ भी नहीं कहा जा सकता। ***इन्हीं हालातों की पड़ताल करता आजकल का यह खास अंक...***

विस चुनाव : ध्रुवीकरण बना अहम फैक्टर

विश्लेषण

डॉ. पवन कुमार शर्मा

स्वतंत्र पत्रकार

हाल ही में पांच राज्यों में हुए विधानसभा चुनावों के परिणाम भारतीय राजनीति की बदलती दिशा और दशा को साफ उजागर करते हैं। ये चुनावी नतीजे जाहिर तौर पर भविष्य में होने वाले छोटे-बड़े चुनावों पर गहरी छाप छोड़ने वाले हैं। कोई राजनीतिक दल अगर इन चुनाव नतीजों को महज पश्चिम बंगाल, असम और तमिननाडु तक सीमित होने की बात करता है तो उनकी राजनीतिक दूरदर्शिता पर सवालिया निशान जरूर उठते हैं। बीजेपी और उसके विरोधी दल दोनों, अगर अपनी वर्तमान राजनीतिक रणनीति पर चलते रहे, तो ये चुनावी रुझान और भी मजबूत होने की पूरी संभावना है। वर्तमान चुनाव परिणामों का पहला स्पष्ट संदेश तो यह है कि भारतीय राजनीति में 'मुस्लिम तुष्टिकरण' का प्रभाव कम हो गया है। अब 'एम' पर 'एच' हावी हो रहा है। कम से कम पश्चिम बंगाल और असम के चुनाव परिणाम तो इसकी ओर सीधा इशारा कर रहे हैं। इन दोनों राज्यों के चुनाव नतीजे बताते हैं कि हिंदू वोटों के एकीकरण ने 'मुस्लिम तुष्टिकरण' के प्रभाव को तेजी से बेअसर किया है।

पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव परिणामों ने विपक्षी एकता को भी छिन्न-भिन्न कर दिया है। राष्ट्रीय स्तर पर इंडिया ब्लॉक अब खत्म नजर आता है। केरल में वामपंथी दलों को कांग्रेस नेतृत्व वाले यूडीएफ ने हराया, तो पश्चिम बंगाल में कांग्रेस, वामपंथी दलों और टीएमसी ने अलग-अलग चुनाव लड़े। ये मतभेद इन पार्टियों के अंदरूनी तनावों को उजागर करते हैं। टीवीके को कांग्रेस द्वारा समर्थन देने के बाद डीएमके सांसद अब लोक सभा में कांग्रेस सांसदों से दूर बैठे नजर आएंगे। इंडिया ब्लॉक अब खत्म नजर आता है।

हिन्दू वोटों में एकजुटता

बीजेपी विरोधी पार्टियों विशेषकर तृणमूल कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, कांग्रेस और डीएमके की हिंदू-विरोधी नीतियों और बयानों ने इस भावना का तेजी से प्रचार-प्रसार किया है। पहले हिंदू मतदाता बंटे हुए थे, लेकिन समय के साथ वे बीजेपी के पीछे एकजुट हो गए। इस एकजुटता ने उत्तर प्रदेश और बिहार जैसे राज्यों में बीजेपी की जीत में योगदान दिया है, जहां कभी 'एम-वाई' फैक्टर निर्णायक भूमिका निभाता था। असम में बीजेपी की हैट्रिक जीत ने हिंदू एकीकरण को और मजबूत किया है।

इसी तरह पश्चिम बंगाल में बीजेपी ने लगातार अपना जनाधार बढ़ाया है, जिससे वामपंथी और कांग्रेस हाशिए पर चले गए हैं। लंबे समय से पश्चिम बंगाल की राजनीतिक प्रवृत्ति, गैर-बीजेपी दलों के बीच मुस्लिम समुदाय के प्रति झुकाव की रही है। इसमें 35 वर्षों का वामपंथी शासन और फिर पिछले 15 वर्षों में सत्तारूढ़ रही ममता बनर्जी की टीएमसी का है। असम और पश्चिम बंगाल के चुनावी परिणाम स्पष्ट तौर पर बताते हैं कि हिंदू विरोधी नीतियां राजनीतिक रूप से अब उलटी पड़ सकती हैं।

टीवीके की दमदार परफॉर्मेंस

तमिलनाडु में भी जिस डीएमके ने हिंदू-विरोधी रुख अपनाया, उसको जनता ने सत्ता से बाहर का रास्ता दिखा दिया। 2026 के चुनावों के दौरान एक्टर विजय की नवगठित पार्टी टीवीके ने इस तरह की छवि से परहेज किया और नतीजे बताते हैं कि उनकी पार्टी को हिंदुओं के सभी वर्गों का व्यापक समर्थन प्राप्त हुआ। सुपरस्टार विजय के नेतृत्व वाली टीवीके की दमदार परफॉर्मेंस पारंपरिक पार्टियों के लिए एक गंभीर चेतावनी है। तमिलनाडु के नतीजों का स्पष्ट संदेश है कि अगर स्थापित पार्टियां अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पातीं तो मतदाता बिना किसी राजनीतिक बोझ के नए दलों का समर्थन करने में कोई झिझक नहीं करेगा। एआईएडीएमके-बीजेपी गठबंधन का सत्ता विरोधी लहर का फायदा न उठा पाना और एक नई राजनीतिक ताकत के हाथों अपनी पकड़ खोना, गंभीर आत्मनिरीक्षण का विषय है। पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी, केरल में पिनाराई विजयन और तमिलनाडु में एमके स्टालिन जैसे नेताओं की चुनावी हार के बाद, यह स्पष्ट हो गया है कि अब दिग्गजों के युग का अंत हो गया है और जनता राजनीतिक प्रभुत्व को नहीं मानती।

वंशवादी राजनीति की धारणा

बड़ा सवाल यह भी है कि टीएमसी और डीएमके जैसी पार्टियां, जिन्हें विचारधारा या कार्यकर्ता-आधारित होने के बजाय व्यक्तित्व-आधारित माना जाता है, इन प्रमुख नेताओं की फीकी पड़ती चमक के साथ अपना अस्तित्व बनाए रख पाएंगी या नहीं। दूसरी ओर अभिषेक बनर्जी या उदयनिधि स्टालिन जैसे नेताओं का अगर उदय होता भी है तो ये दोनों वंशवादी राजनीति की धारणा को ही और मजबूत करेंगे। ऐसी स्थिति में राज्यों में राजनीतिक स्थिरता को दीर्घकालिक चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है। बीजेपी में हिमंता बिस्वा सरमा और शुभेंदु अधिकारी जैसे नेताओं का बढ़ता कद विपक्ष के लिए चिंता का विषय होना चाहिए। सरमा पूर्व कांग्रेस नेता हैं और शुभेंदु अधिकारी पूर्व टीएमसी नेता। इन दोनों नेताओं ने अपने-अपने राज्यों में हिंदुत्व के प्रतीक के रूप में अपनी छवि बदली। इस नीति का अनुसरण कई अन्य विपक्षी नेता भी कर सकते हैं जो वंशवादी राजनीति और अपनी पार्टियों के हिंदू विरोधी रुख के बोझ तले दबे हुए हैं। जाहिर तौर पर इससे विपक्षी नेताओं का बीजेपी की शरण में आना बढ़ेगा और बीजेपी विरोधी गठबंधन और कमजोर हो सकता है। पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव परिणामों ने विपक्षी एकता को भी छिन्न-भिन्न कर दिया है। राष्ट्रीय स्तर पर इंडिया ब्लॉक अब खत्म नजर आता है।

आगे क्या

2027 : में पंजाब, यूपी, गुजरात, हिमाचल प्रदेश, गोवा और मणिपुर में चुनाव होंगे।

2028 : में पंजाब, कर्नाटक, राजस्थान, तेलंगाना, नागालैंड, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, त्रिपुरा, मेघालय और मिजोरम में चुनाव होंगे।

2029 : में आम चुनाव के साथ ही आंध्र प्रदेश, ओडिशा, हरियाणा, झारखंड, महाराष्ट्र, जम्मू कश्मीर, अरुणाचल प्रदेश और सिक्किम में दिलचस्प चुनावी टक्कर देखने को मिलेगी।

पार्टियों में अंदरूनी तनाव उजागर

केरल में वामपंथी दलों को कांग्रेस नेतृत्व वाले यूडीएफ ने हराया, तो पश्चिम बंगाल में कांग्रेस, वामपंथी दलों और टीएमसी ने अलग-अलग चुनाव लड़े। ये मतभेद इन पार्टियों के अंदरूनी तनावों को उजागर करते हैं। टीवीके को कांग्रेस द्वारा समर्थन देने के बाद डीएमके सांसद अब लोक सभा में कांग्रेस सांसदों से दूर बैठे नजर आएंगे। 2027 में पंजाब, यूपी, गुजरात, हिमाचल प्रदेश, गोवा और मणिपुर में चुनाव हैं। 2028 में छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, कर्नाटक, राजस्थान, तेलंगाना, नागालैंड, त्रिपुरा,मेघालय और मिजोरम में नई सरकार चुनी जाएगी। 2029 में आम चुनाव के साथ ही आंध्र प्रदेश, ओडिशा, हरियाणा, झारखंड, महाराष्ट्र, जम्मू कश्मीर, अरुणाचल प्रदेश और सिक्किम में दिलचस्प चुनावी टक्कर देखने को मिलेगी।

माताओं की हिस्सेदारी को मिले मान-सम्मान

मदर्स डे

डॉ. मोनिका शर्मा

वरिष्ठ स्तंभकार

माताओं के हिस्से स्नेह ही नहीं , संघर्ष भी आता है। इस भूमिका को जीते हुए अधिकतर स्त्रियां भावनात्मक धरातल पर उलझनों का सामना करती हैं। तकनीक और बदलती जीवनशैली ने उनकी मुश्किलें और बढ़ा दी हैं। सतही स्तर पर देखें तो आज के दौर की मां का जीवन और जद्दोजहद आसान होती प्रतीत होती हैं, पर वास्तविक परिप्रेक्ष्य में उनकी उलझनें बढ़ी हैं। कामकाजी माताओं का बढ़ते आंकड़े और आर्थिक आत्मनिर्भरता ने परवरिश के मोर्चे पर उनकी आपाधापी में इजाफा ही किया है। वस्तुतः, मिलेनियल मांओं की उलझनें सबसे अधिक हैं। ज्ञात हो कि 1981–1996 के बीच जन्मी महिलाओं की यह पीढ़ी मातृत्व के मोर्चे पर आधुनिक तकनीक को साधने के साथ ही परंपरागत जीवन की डोर भी थामे हुए हैं। डिजिटल युग की पहली अभिभावक पीढ़ी का हिस्सा कही जाने वाली ये माताएं तकनीकी कौशल, परिवेश के प्रति सजग और बच्चों के पालन-पोषण के मोर्चे पर जागरूक दृष्टिकोण अपनाती हैं। माताओं की इस पीढ़ी के लिए बच्चों का शारीरिक ही नहीं, मानसिक स्वास्थ्य भी अहम है।

डिजिटल पीढ़ी की ये माताएं बच्चों के साथ गुणवत्तापूर्ण समय बिताने को भी प्राथमिकता देती हैं। चिंतनीय यह है कि गहरी भावनात्मक समझ रखने वाली मिलेनियल माताएं स्वयं थकान और उलझनों से जूझ रही हैं। टॉकर रिसर्च द्वारा 'इट्स ए फैमिली थिंग' के साथ मिलकर 2 हजार अमेरिकी महिलाओं पर किए गए सर्वे में सामने आया कि इसमें से लगभग आधी मिलेनियल माताएँ स्वयं को मानसिक रूप से टूटा-थका हुआ और असंतुष्ट पाती हैं। वहीं 19 प्रतिशत ने कहा कि उन्हें असंतोष और नाराजगी महसूस होती है। 40 फीसदी माताओं ने कहा कि अच्छे से घर और दूसरे दायित्व संभालने पर भी उन्हें श्रेय नहीं मिलता। घर-परिवार में मांओं की भागदौड़ और भागीदारी को न समझने की स्थितियां दुनिया के हर समाज में एक सी हैं। यही वजह है कि इस अध्ययन के परिणाम गौर करने योग्य हैं। कहना गलत नहीं होगा कि एक साथ कई भूमिकाएं निभा रहीं माताओं की इस पीढ़ी के जिम्मेदारियों का बोझ कई मोर्चों पर थका रहा है। शिक्षित सजग कामकाजी माताएं हों या तकनीक-सामाजिक माहौल को पहले से बेहतर समझने-अपनाने वाली गृहिणियां, परवरिश के हर पहलू पर खरा उतरने को प्रयासरत हैं। ऐसे में जरूरी है कि समाज और परिवार में उनकी इस महती भूमिका को मान मिलना चाहिए। माताओं के स्वास्थ्य चिंताओं और मातृत्व से जुड़ी जद्दोजहद को समझना चाहिए। नई पीढ़ी का पालन-पोषण करने वाली माताओं की परिवार ही नहीं समाज निर्माण में रेखांकित करने योग्य भूमिका है। ध्यातव्य है कि वर्ष 2026 के लिए मातृ दिवस थीम 'राष्ट्र के मूक वास्तुकार' है। यह विषय सही मायने में माताओं के माताओं देश की भावी पीढ़ी का पालन-पोषण करने वाली माताओं की विशेष भूमिका की ओर ध्यान खींचता है। उनके प्रति कृतज्ञता का भाव रखने और मौन ताकत को समझने पर केंद्रित है। ऐसे में माताओं की शक्ति, प्रेम और बलिदान का उत्सव मनाने वाल यह दिन पीढ़ियों को आकार देने वाले स्नेहमयी नेतृत्व की संघर्षशील भूमिका को समझने का संदेश भी लिए है। भारत के सामाजिक-पारिवारिक ढांचे में मातृत्व की जिम्मेदारी के साथ शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ीं कई परेशानियां उनके हिस्से आती हैं। प्रसवोत्तर अवसाद से लेकर शारीरिक व्याधियां तक घेर लेती हैं। तकलीफदेह है कि गांवों से लेकर महानगरों तक मातृत्व की जिम्मेदारी निभाने की भागदौड़ से उपजी भावनात्मक टूटन के दौर में भी अपनों का सहयोग नहीं मिलता। सहयोग सामंजस्य की कमी भी एक वजह है कि सिंगल चाइल्ड वाले परिवार बढ़ रहे हैं। औद्योगिक संगठन एसोचैम की सामाजिक विकास शाखा के सर्वे के मुताबिक 35 फीसदी कामकाजी माएं दूसरा बच्चा नहीं चाहतीं। एक अन्य अध्ययन के अनुसार हमारे देश में करीब 72 फीसदी महिलाएं मां बनने के बाद नौकरी दे दूरी बना लेती हैं। कार्यरत महिलाओं की बड़ी संख्या का आयुवर्ग परिवार बनाने वाला ही होता है। असल में देखा जाए तो मातृत्व की जिम्मेदारी उठाने वाली महिलाएं भी देश की श्रमशक्ति का अहम हिस्सा हैं। आर्थिक मोर्चे पर भी यह भागीदारी बहुत मायने रखती है। कुछ समय पहले हुए अध्ययन के अनुसार मां का काम किसी नौकरी में करने वाले काम के मुकाबले ढाई गुना ज्यादा होता है। यह अध्ययन कहता है कि एक मां बच्चे की देखभाल में 98 घंटे प्रति सप्ताह काम करती है। हर दिन घंटों मातृत्व की जिम्मेदारी निभाने की भागदौड़ से भावनात्मक टूटन और थका देने वाली दिनचर्या में अपनों का सहयोग बेहद आवश्यक है। भावी नागरिकों का भविष्य बनाते हुए देश को गढ़ने वाली माताओं के प्रति सराहना भरा भाव और अपनों का संबल जरूरी है। राष्ट्र के मूक वास्तुकारों के रूप में उनकी भागीदारी बहुत गंभीरता से समझी जानी चाहिए।

बंगाल में संगठनात्मक स्थिरता बनेगी भाजपा के लिए चुनौती

चिंतन

विनीत पाण्डेय

वरिष्ठ पत्रकार

हाल में संपन्न पांच राज्यों के चुनावों में जिन तीन राज्यों में भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनी, उनमें से सर्वाधिक महत्वपूर्ण पश्चिम बंगाल रहा। सत्ता प्राप्त कर एक ओर जहां भारतीय जनता पार्टी को उसका बहु प्रतीक्षित परिणाम मिला, वही दूसरी ओर यह भी तथ्य है कि बंगाल में शासन का रास्ता फिलहाल इतना आसान रहने वाला प्रतीत नहीं होता। बंगाल में कठिन सिर्फ शासन चलाने का नहीं वरन आमूलचूल परिवर्तन का भी है। भारतीय जनता पार्टी के लिए शासन से पहले सबसे पहली चुनौती होगी संगठनात्मक स्थिरता की। हालांकि बीते दस वर्षों में पार्टी ने जमीनी स्तर पर निश्चित ही अपना विस्तार किया है, जिसका परिणाम इस चुनाव में भारी बहुमत के रूप में दिखा है। इस विस्तार के इस पक्ष को भी नकारा नहीं जा सकता है कि इसमें अन्य दलों विशेषकर तृणमूल कांग्रेस से आए नेताओं की बड़ी भूमिका है। आजादी के बाद से सत्ता चाहे कांग्रेस की रही हो, वामपंथ की या तृणमूल की बंगाल में हमेशा कैडर आधारित राजनीति रही है। ऐसे में भविष्य के लिए यह प्रश्न महत्वपूर्ण हो जाता है कि क्या भारतीय जनता पार्टी भी सिर्फ चुनावी सक्रियता से आगे बढ़कर अपने शासनकाल में अपना एक मजबूत कैडर तैयार कर पाएगी। बंगाल में अल्संख्यक वोट को साधने के लिए समीकरण बनाना भारतीय जनता पार्टी के लिए दूसरी सबसे बड़ी चुनौती होने वाली है। चूंकि अभी तक अधिकतर अल्पसंख्यक वोट बैंक विपक्षी पार्टियों के साथ रहा है और आने वाले चुनावों में इसकी निर्णायक भूमिका हो सकती तो भाजपा को यह समझते हुए कि इसे नजरअंदाज करके नहीं चला जा सकता, उस दिशा में रणनीति बनानी होगी। भारतीय जनता पार्टी को यदि व्यापक सामाजिक स्वीकार्यता प्राप्त करनी है तो उसे अपने राजनीतिक संदेश को केवल ध्रुवीकरण तक सीमित रखने के बजाय विकास, रोजगार, शिक्षा और स्थानीय समस्याओं के समाधान से जोड़ना होगा। बंगाल में बेरोजगारी, उद्योगों की कमी, पलायन और राजनीतिक हिंसा जैसे मुद्दे लगातार चर्चा में रहते हैं। ये सारी समस्या जमीनी है जिन्हें वास्तविक समाधान की आवश्यकता है। भविष्य में अपनी स्थिति को मजबूत बनाने के लिए इस ओर भी ध्यान देने की जरूरत होगी। वैचारिक संघर्ष चुनावों के समय तो सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण एवं कारगर सिद्ध होता है लेकिन लंबे समय तक सिर्फ इसपर निर्भर नहीं रहा जा सकता।

चाहे प्रशासनिक स्तर पर हो या जनता के स्तर पर भाजपा को यह सिद्ध करना होगा कि यह सत्ता परिवर्तन लोगों की उम्मीदों पर खरा उतर रहा है ।

एक समय के बाद जनसरोकार केंद्रित राजनीति न होने से किसी भी पार्टी की चाहे कितनी भी मजबूत वैचारिक जड़ें हों, उसे सत्ता से बाहर का रास्ता देखना पड़ता है। बंगाल में इसका जीता-जागता उदाहरण कांग्रेस के बाद वामपंथ उसके बाद तृणमूल और उसके बाद भारतीय जनता पार्टी के रूप में दिखाई देता है ।एक अन्य महत्वपूर्ण काम जो भारतीय जनता पार्टी को करना पड़ेगा, वह है पार्टी का एक चेहरा स्थापित करना। राजनीतिक आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए अनेक बार सत्ता में किसी भी नेता को बिठाना पड़ता है, लेकिन जनता में अपने विश्वास को गहरा करने के लिए एक कोर नेता की जरूरत होती ही है। भले मौजूदा समय में शुभेंदु अधिकारी बंगाल में पार्टी के सबसे बड़े नेता बनकर उभरे हों, लेकिन वह भी पार्टी के कोर कार्यकर्ता नहीं हैं और अभी कुछ ही वर्ष पहले तृणमूल से भारतीय जनता पार्टी में शामिल हुए हैं। इन समस्याओं के अलावा जिन मुद्दों और वादों पर इस बार चुनाव लड़ा गया था, उनको पूरा करने की ओर प्रयास करना भी अत्यंत आवश्यक होगा। भारतीय जनता पार्टी ने इस बार सीमा सुरक्षा और घुसपैठ को एक बड़ा मुद्दा बनाया था और साथ में यह भी आरोप लगाया था कि तत्कालीन सरकार केंद्र सरकार के साथ बांग्लादेश के साथ लगी सीमा पर बाड़ेबंदी को लेकर सहयोग नहीं कर रही। इस वजह से बंगाल में लगातार अवैध बांग्लादेशी घुसपैठियों का आना हो रहा है। इस मुद्दे ने इस बार के चुनावों में जनता को जबरदस्त तरीके से प्रभावित भी किया। अब जनता को इस बात की प्रतीक्षा रहेगी कि सत्ता परिवर्तन के बाद इन दोनों बिंदुओं पर सरकार द्वारा क्या कदम उठाए जाते हैं। कुल मिलाकर चाहे प्रशासनिक स्तर पर हो या जनता के स्तर पर भारतीय जनता पार्टी को यह सिद्ध करना होगा कि यह सत्ता परिवर्तन लोगों की उम्मीदों पर खरा उतर रहा है ।

असम : वैचारिक मुकाबले ने बदला राजनीतिक परिदृश्य

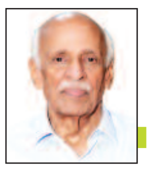

स्थिति

डॉ. चंद्र त्रिखा

वरिष्ठ साहित्यकार

असम में चुनाव परिणाम, चौंकाने वाले नहीं हैं, लेकिन उनका विश्लेषण चौंकाने वाला है। इस नए नजरिए का सबसे बड़ा कारण अखिल भारतीय संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (एआईयूडीएफ) का पतन है। इस बार चुनावों से राज्य में एक स्पष्ट राजनीतिक बदलाव देखने को मिला है।

कांग्रेस ने अधिकतर मुस्लिम बहुल निर्वाचन क्षेत्रों में जीत हासिल की है, जबकि भाजपा के नेतृत्व वाले गठबंधन ने हिंदू वोटों के एकजुट समूह, जिनमें आदिवासी और चाय बागान मजदूर शामिल हैं, उन सभी सीटों पर जीत दर्ज की है। इस प्रवृत्ति के पीछे सबसे बड़ा कारण ऑल-इंडिया यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (एआईयूडीएफ) का पतन था, वह पार्टी जिसने असम में बंगाली भाषी मुसलमानों को राजनीतिक स्थान दिया, जिन्हें अक्सर 'मिया' कहा जाता है और जो असम की कुल आबादी का 35 प्रतिशत हैं। कई वर्षों तक, अल्पसंख्यक वोट, विशेषकर निचले असम और बराक घाटी में, कांग्रेस और एआईयूडीएफ के बीच बंटे रहे। इस विभाजन ने अक्सर भाजपा को कई सीटों पर और यहां तक कि सहयोगी एजीपी को भी फायदा पहुंचाया। इस बार इस चुनाव में मुस्लिम समुदायों के बीच रणनीतिक मतदान भी काफी देखने को मिला।

कई मतदाताओं का मानना था कि केवल कांग्रेस ही भाजपा को चुनौती देने की स्थिति में है, जिसके कारण उन सीटों पर भी एकजुटता देखने को मिली, जहां कांग्रेस के उम्मीदवारों को विशेष रूप से मजबूत नहीं माना जाता था। इसी बीच, हिमंता बिस्वा सरमा के नेतृत्व में भाजपा ने जाति और क्षेत्र की सीमाओं से परे हिंदू वोटों को एकजुट करने में कामयाबी हासिल की। ऊपरी असम, उत्तरी तट और मध्य असम के कई हिस्सों में भाजपा चुनाव को एक प्रत्यक्ष वैचारिक मुकाबले में बदलने में सफल रही, जिससे मुस्लिम बहुल क्षेत्रों के बाहर कांग्रेस के लिए बहुत कम गुंजाइश बची। एक अन्य प्रमुख कारक दरांग और नागांव जैसे जिलों में चलाए गए बेदखली अभियानों का प्रभाव था। असम में हार के बाद गौरव गोगोई ने पारदर्शिता को लेकर गंभीर चिंताएं जताईं, मगर उन्हें पूरी स्थिति चुनावों से पूर्व ही समझ में आ जानी चाहिए थी। भाजपा के प्रभामंडल के और मोदी- अमित शाह लहर को जहां कई मुस्लिम मतदाताओं ने भय और असुरक्षा की भावना से देखा, वहीं बहुसंख्यक समुदाय के मतदाताओं के एक बड़े वर्ग, विशेष रूप से स्वदेशी असमिया भूमिपुत्रों ने इन्हें मजबूत प्रशासनिक कार्रवाई और भूमि संरक्षण उपायों के रूप में देखा। परिणाम स्वरूप दोनों पक्षों में समानांतर एकीकरण हुआ। मुस्लिम, जिनमें ज्यादातर निचले असम के बंगाली भाषी मुस्लिम शामिल थे, कांग्रेस की ओर आकर्षित हुए और बहुसंख्यक समुदाय के मतदाता भाजपा के पीछे एकजुट हो गए।

कई हिस्सों में भाजपा चुनाव को एक प्रत्यक्ष वैचारिक मुकाबले में बदलने में सफल रही, जिससे मुस्लिम बहुल क्षेत्रों के बाहर कांग्रेस के लिए बहुत कम गुंजाइश बची।

एआईयूडीएफ के बारे में बनी धारणा ने भी अहम भूमिका निभाई। कई मतदाताओं का मानना था कि यह पार्टी भाजपा विरोधी वोटों को बांटकर अप्रत्यक्ष रूप से भाजपा की मदद कर रही है। राज्यसभा चुनाव के दौरान भाजपा को दिए गए इसके समर्थन ने इस धारणा को और मज़बूत किया। परिणामस्वरूप कई अल्पसंख्यक मतदाताओं ने एआईयूडीएफ का साथ छोड़ दिया और कांग्रेस को समर्थन दिया। 2023 के परिसीमन अभ्यास ने असम के राजनीतिक समीकरणों को भी काफी हद तक बदल दिया। निर्वाचन क्षेत्रों की सीमाओं को इस तरह से पुनर्निर्धारित किया गया कि मिश्रित आबादी वाली सीटों की संख्या कम हो गई और जनसांख्यिकीय रूप से अधिक ध्रुवीकृत निर्वाचन क्षेत्र बन गए। पहले कांग्रेस अल्पसंख्यकों के समर्थन और हिंदू वोटों के एक वर्ग के संयोजन से सीटें जीत लेती थी, लेकिन परिसीमन के बाद, कई सीटें या तो स्पष्ट रूप से बहुसंख्यक-बहुल या मुस्लिम-बहुल हो गईं।

पहले लगभग 35 सीटों पर मुसलमानों का दबदबा रहता था, लेकिन परिसीमन के बाद मुस्लिम वर्चस्व घटकर लगभग 22 सीटों तक ही सीमित रह गया। अंतिम परिणाम में असम की इस राजनीतिक वास्तविकता में आए बदलाव की झलक दिखी। वैसे भी इससे कांग्रेस मुख्य रूप से मुस्लिम बहुल निर्वाचन क्षेत्रों में ही प्रतिस्पर्धी बनी रही, जबकि भाजपा ने राज्य के अधिकांश बहुसंख्यक-केंद्रित क्षेत्रों में अपना वर्चस्व स्थापित कर लिया इसलिए 2026 के फैसले ने असम की राजनीति में एक गहरे परिवर्तन को उजागर किया है। धीरे-धीरे समुदाय आधारित चुनावी एकीकरण को रास्ता दे रही है।

तमिलनाडु में नई राजनीतिक-संस्कृति का अभ्युदय

दृष्टिकोण

डॉ. विजेन्द्र कुमार

स्वतंत्र स्तंभकार

तमिलनाडु में नए चुनाव परिणाम, सिर्फ सत्ता-परिवर्तन तक सीमित नहीं हैं, बल्कि एक नई राजनीतिक-संस्कृति के अभ्युदय से जुड़े हैं। शुरुआती दौर में कांग्रेस के रंग में कुछ वर्ष बिताने के बाद द्रमुक व उससे उपजे कुछ अन्य छोटे-छोटे शिविरों के मध्य ही 58 वर्षों तक इस प्रदेश की राजनीति केंद्रित रही।

यह भी एक विलक्षण सत्य है कि इस प्रदेश में सत्ता के केन्द्र में द्रविड़, फिल्मी-संसार का लम्बी अवधि तक वर्चस्व रहा है। इस बार चुनावों से पहले यही माना जा रहा था कि मुख्यमंत्री स्टालिन की द्रमुक को सत्ता से बेदखल करना उनके प्रतिपक्षियों के लिए आसान नहीं रहेगा, लेकिन डीएमके ने शासन के पांच साल पूरे करने के बाद अगले चुनाव में भी जीत हासिल की हो, ऐसा दो बार ही हुआ है। इसके अलावा डीएमके ने 2021 का विधानसभा चुनाव जीता था और 2019 और 2024 के लोकसभा चुनाव में शानदार प्रदर्शन किया था। पिछले दो साल में ऐसा क्या हुआ? ज्यादा कुछ नहीं, सिवाय इसके कि एआईएडीएमके और कमज़ोर हो गई। यह विरोध मुख्यतः हिन्दी विरोध की मानसिकता से ही उपजा। यह भी एक विसंगति है कि दक्षिणी-भारत हिंदी प्रचार सभा व दैनिक राजस्थान पत्रिका सरीखे हिन्दी-मीडिया की व्यापक स्वीकार्यता के बावजूद हिन्दी विरोध मतदाताओं के समक्ष मुख्य मुद्दा बना रहा है। ऐसे में सामाजिक स्तर पर एक बदलाव की ओर उन्मुख होता है।

संभावना थी कि एआईएडीएमके डीएमके की जगह लेगी, लेकिन इस बार एआईएडीएमके की कमज़ोरी के कारण टीवीके उभरकर सामने आई। टीवीके के इस प्रदर्शन के पीछे विजय के वीएमआई फैन क्लब ने गत 15 वर्ष से जमीनी स्तर पर किया। वर्ष 2021 के स्थानीय निकाय चुनाव में भी वीएमआई का प्रदर्शन बेहतरीन रहा था। फिर भी लोगों ने टीवीके जैसी नई पार्टी को जनादेश तो दिया, लेकिन इतनी मज़बूती से नहीं कि वह प्रत्यक्ष रूप से सत्ता में आ सके और यहीं पर उसकी परीक्षा होगी कि वो शासन को चलाने के साथ-साथ राजनीति करने में कैसे संतुलन बनाती है। ऐसी परिस्थितियों से निपटना किसी नई पार्टी के लिए आसान नहीं होता। इसमें कोई संदेह नहीं कि सत्ता के खेल का सामना करना और उसे खेलना बिल्कुल दूसरी बात है।

संभावना थी कि एआईएडीएमके डीएमके की जगह लेगी, लेकिन इस बार एआईएडीएमके की कमज़ोरी के कारण टीवीके उभरकर सामने आई।

14वीं शताब्दी में मुस्लिम सल्तनत और बाद में विजयनगर साम्राज्य का शासन रहा। 18वीं शताब्दी के अंत में अंग्रेजों ने मद्रास प्रेसीडेंसी की स्थापना की।

1916 में गैर-ब्राह्मण हितों की रक्षा के लिए जस्टिस पार्टी बनी। इसने 1921 में पहली बार प्रत्यक्ष चुनाव जीता। स्वतंत्रता के बाद के दौर में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस पहले 20 वर्षों तक कांग्रेस का एकछत्र राज रहा। ओ.पी. रामास्वामी रेड्डियार आजादी के बाद पहले मुख्यमंत्री बने। बाद में के. कामराज के नेतृत्व में राज्य ने औद्योगिक और शैक्षिक प्रगति की। द्रविड़ राजनीति का उदय (1967 से 2026 तक) 1967 में हिंदी विरोधी आंदोलनों के बाद द्रविड़ मुनेत्र कड़गम ने कांग्रेस को सत्ता से बाहर कर दिया, जिसके बाद से राज्य में केवल द्रविड़ दलों का ही शासन रहा है।

द्रमुक का शासन : सी. एन. अन्नादुराई पहले द्रविड़ मुख्यमंत्री बने। उनके बाद एम. करुणानिधि ने कई बार सत्ता संभाली। ए.आई.डी.एक.के. का जन्म वर्ष 1972 में हुआ। एम. जी. रामचंद्रन ने अलग होकर अन्नाद्रमुक बनाई। अन्नाद्रमुक ने जे. जयललिता के नेतृत्व में राज्य पर लंबे समय तक शासन किया। दशकों तक सत्ता द्रमुक और अन्नाद्रमुक के बीच घूमती रही। वर्ष 2021 में एम. के. स्टालिन के नेतृत्व में द्रमुक सत्ता में आई। टीवीके के सामने दो बड़ी बाधाएं हैं। पहली, छोटी पार्टियां- जैसे वीसीके (दो विधायक), सीपीएम (दो विधायक), सीपीआई (दो विधायक), एएमएमके (एक विधायक) और पीएमके (चार विधायक), अभी तक औपचारिक तौर पर अपना रुख साफ नहीं किया है और उनमें से कुछ को वैचारिक मतभेद भी सुलझाने हैं। पीएमके, एआईएडीएमके के नेतृत्व वाले एनडीए का हिस्सा रही है, जबकि वीसीके और दोनों कम्युनिस्ट पार्टियां डीएमके के नेतृत्व वाले गठबंधन में शामिल हैं। वर्तमान स्थितियां, राजनीतिक स्थिरता की ओर कब लौटेंगी, इसके लिए अभी प्रतीक्षा करनी होगी।

टीवीके का उदय इस बात का साक्षी है कि तमिलनाडु की जनता एक बेहतर विकल्प के तलाश में है। भारतीय राजनीति को अवसरवाद से अपने आप को मुक्त करना होगा। आधुनिक राजनीति में कब क्या होगा, इस संबंध में निश्चित रूप से कुछ भी नहीं कहा जा सकता।

द रॉयल्स' के एक साल पूरे, भावुक हुए ईशान

मुंबई। ओटीटी की दुनिया में पिछले कुछ सालों में कई ऐसी सीरीज आई हैं, जिन्होंने दर्शकों के दिलों में खास जगह बनाई। ऐसी ही एक सीरीज रही 'द रॉयल्स', जिसने रिलीज होते ही युवाओं के बीच अलग पहचान बनाई थी। अब इस सीरीज को एक साल पूरा हो चुका है। इस खास मौके पर अभिनेता ईशान खट्टर ने सोशल मीडिया पर एक भावुक पोस्ट किया। उन्होंने सीरीज से जुड़ी कई अनदेखी तस्वीरें और वीडियो साझा करते हुए शूटिंग के दिनों को याद किया। साथ ही उन्होंने फैंस के प्यार और समर्थन के लिए दिल से धन्यवाद भी कहा। ईशान ने इंस्टाग्राम पर 'द रॉयल्स' के सेट से जुड़े कई खास पल साझा किए।

लाइफ Style

उर्वशी

मेरे किरदार की चुप्पी में छिपा संघर्ष

अभिनेत्री उर्वशी रौतेला इन दिनों अपनी वेब सीरीज 'इंस्पेक्टर अविनाश' के दूसरे सीजन को लेकर काफी चर्चा में हैं। इस बार उनका किरदार पहले से ज्यादा भावनात्मक रूप से मजबूत दिखने वाला है। इस पर उर्वशी का कहना है कि इस बार उनके किरदार की सबसे बड़ी ताकत 'चुप्पी में छिपा संघर्ष' है।

एजेंसी ▶▶ मुंबई

बाहर से शांत दिखने वाले मेरे किरदार के अंदर चल रहा लगातार मानसिक संघर्ष ही उसकी मजबूती है। उर्वशी रौतेला ने अपने किरदार पूनम मिश्रा के बारे में बात करते हुए कहा, इस सीजन में मेरा किरदार सिर्फ एक सपोर्टिव पत्नी का नहीं है, बल्कि एक ऐसे इंसान का है, जो अंदर ही अंदर बहुत कुछ झेल रहा है। इस बार मेरे किरदार की सबसे बड़ी भावना 'साइलेंस में सर्वाइवल' (चुप्पी में छिपा संघर्ष) है, यानी ऐसा किरदार, जो बिना शोर किए, बिना अपनी भावनाओं को बाहर दिखाए, परिस्थितियों से लड़ता रहता है और खुद को संभालने की कोशिश करता है। उर्वशी ने कहा, क्राइम ड्रामा में आमतौर पर लोग सिर्फ हिंसा, ताकत और एक्शन देखते हैं, लेकिन असल कहानी उसके पीछे छिपे डर और अकेलेपन की होती है। मेरे किरदार के भीतर भावनात्मक अकेलापन और खुद को सुरक्षित रखने की लगातार कोशिश दिखाई देती है। मेरा किरदार बाहरी दुनिया से ज्यादा अपने अंदर के डर और संघर्ष से लड़ रहा है। यही वजह है कि इस किरदार को निभाना मेरे लिए एक अलग अनुभव रहा है। उर्वशी ने कहा, मुझे इस किरदार में सबसे ज्यादा आकर्षित इमोशन्स लगे।

मेरी मां मेरी लाइफ कोच: कार्तिक

मुंबई। मदर्स डे के खास मौके पर अगर बॉलीवुड के उन सितारों की बात की जाए, जिनका अपनी मां के साथ रिश्ता हमेशा लोगों का दिल जीतता है, तो उनमें कार्तिक आर्यन का नाम जरूर शामिल होता है।

मदर्स डे स्पेशल

कार्तिक ने हमेशा अपने परिवार के लिए अपने प्यार को खुलकर जाहिर किया है, और इनमें भी विशेष रूप से अपनी मां डॉ. माला तिवारी के लिए कही गई बातें सुर्खियां बनती हैं। कार्तिक की अपनी मां के लिए कही गई सबसे चर्चित बातों में से एक तब सामने आई, जब उन्होंने एक इंटरव्यू में कहा था, मेरी मां मेरी लाइफ कोच हैं। किसी भी बड़े फैसले से पहले मैं सबसे पहले उन्हीं से बात करता हूं। कार्तिक ने यह भी बताया कि उनकी मां की सलाह और ईमानदार राय उनके लिए सबसे ज्यादा मायने रखती है, क्योंकि उन्होंने हमेशा उन्हें निजी और प्रोफेशनल दोनों फैसलों में सही रास्ता दिखाया है।

मां के प्रति प्यार सिर्फ शब्दों तक सीमित नहीं

कार्तिक का अपनी मां के प्रति प्यार सिर्फ शब्दों तक सीमित नहीं है, बल्कि बॉलीवुड में सफलता मिलने के बाद उन्होंने अपनी मां को एक लग्ज़री मिनी कूपर गिफ्ट की थी, जिसकी खूब चर्चा हुई थी। उस पल को याद करते हुए कार्तिक ने भावुक होकर कहा था कि मुंबई में बड़े सपने देखने से लेकर अपनी कमाई से मां को खास तोहफा देने तक का सफर उनके लिए बेहद खास रहा है। यही वजह है कि फिल्म स्क्रीनिंग्स, फैमिली सेलिब्रेशन्स और इंस्टाग्राम वीडियोज़ में अक्सर साथ नजर आने वाले कार्तिक और उनकी मां का रिश्ता बॉलीवुड के सबसे प्यारे मां-बेटे के रिश्तों में गिना जाता है। उनका सादगी भरा पारिवारिक रिश्ता और एक-दूसरे के लिए सम्मान फैंस को हमेशा पसंद आता है, जो उनके हर मदर्स डे को और भी खास बना देता है।

हर मुश्किल और सफलता में मां सबसे बड़ी ताकत

सालों से कार्तिक यह बताते आए हैं कि उनकी मां हर मुश्किल और हर सफलता में उनकी सबसे बड़ी ताकत रही हैं। यही नहीं उन्होंने अपने कई इंटरव्यूज़ में इस बात का खुलासा किया है कि बॉलीवुड के बड़े स्टार बनने के बावजूद घर में आज भी उन्हें वही ग्वालियर वाला कोकी समझा जाता है और इसका श्रेय जाता है उनकी मां को, जिन्होंने न सिर्फ उन्हें हमेशा जमीन से जुड़ा रहना सिखाया, बल्कि अपनी जड़ों को कभी न भूलना भी सिखाया।

दूसरी बार मां बनीं टीवी एक्ट्रेस आशका

मुंबई। टीवी एक्ट्रेस आशका गोराडिया ने गुड न्यूज शेयर की है। आशका ने दूसरे बेटे को जन्म दिया है। आशका और उनके पति ब्रेंट गोबल ने अब फैंस के साथ ये खुशखबरी साझा की है। सोशल मीडिया पर एक खूबसूरत फोटो के साथ कपल ने अपन बेटे के नाम का भी खुलासा किया है। साथ ही चार सदस्यों के परिवार के रूप में एक नए चैप्टर की शुरुआत को लेकर शुक्रिया भी अदा किया है। आशका ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम पर एक तस्वीर साझा की है। इसमें कपल और उनके बड़े बेटे के हाथ नजर आ रहे हैं, जिसमें वो नवजात को थामे हुए हैं। इस तस्वीर को साझा करते हुए एक्ट्रेस ने कैप्शन में एक दिल छू लेने वाला नोट भी लिखा है। इसमें उन्होंने खुशखबरी साझा करते हुए कहा, '1 मई 2026 को हमारे दिलों में आए हमारे बेटे रिचर्ड थियोडोर गोबल का आगमन हुआ। एक बार फिर भगवान की करनी पर हमारा भरोसा बढ़ गया। हमें मिले सभी उपहारों और खुशखबरियों के लिए ईश्वर का तहे दिल से शुक्रिया। एक और बेटे के साथ विलियम अलेक्जेंडर के लिए भाईचारे का एक नया बॉन्ड शुरू हुआ है।

फीफा वर्ल्ड कप की ओपनिंग सेरेमनी में दिखेगा जलवा

मुंबई। बॉलीवुड की डांसिंग सेंसेशन और ग्लोबल स्टार नोरा फतेही एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत का नाम रोशन करने जा रही हैं। नोरा अब 'फीफा वर्ल्ड कप 2026' के ओपनिंग सेरेमनी में अपनी परफॉर्मेंस और सिंगिंग का जलवा बिखेरती नजर आएंगी। यह सेरेमनी कनाडा के टोरंटो शहर में आयोजित होगी। नोरा का इस बड़े मंच पर शामिल होना भारतीय मनोरंजन जगत के लिए गर्व की बात है। 'फीफा वर्ल्ड कप 2026' की ओपनिंग सेरेमनी 12 जून को टोरंटो के मशहूर बीएमओ फील्ड स्टेडियम में होगी। इस खास मौके पर नोरा फतेही के साथ कई बड़े इंटरनेशनल म्यूजिक स्टार्स भी परफॉर्म करेंगे। इस लिस्ट में माइकल बुबले, एलानिस मॉरिसेट, एलेसिया कारा, एलियाना, जेसी रेयेज, संजॉय, वेगेड्रीम और विलियम प्रिंस जैसे कलाकार शामिल हैं। वहीं अमेरिका में होने वाली ओपनिंग सेरेमनी में अनीता, फ्यूचर, कैटी पेरी, लिसा, रेमा और टायला जैसे बड़े इंटरनेशनल स्टार्स मंच संभालेंगे।

इस तरह फीफा वर्ल्ड कप 2026 संगीत, संस्कृति और मनोरंजन का एक बड़ा उत्सव बनने जा रहा है।

खेल के मैदान के बाद टीवी पर डेब्यू करेंगे रोहित शर्मा, रिलीज हुआ नए शो का टीजर

मुंबई। भारतीय क्रिकेट टीम के बेहतरीन बैट्समैन और पूर्व कप्तान रोहित शर्मा का हर काम उनके फैंस को पसंद आता है। फैंस उनके परफॉर्मेंस, ऐड और इंटरव्यू पर प्यार लुटाते हैं। उनका हर अंदाज फैंस को पसंद आता है। ऐसे में रोहित शर्मा टीवी पर एक शो लेकर आ रहे हैं। रोहित ने पूछा है कि अगर वह टीवी पर अपना अंदाज लेकर आएंगे तो क्या होगा? क्रिकेटर रोहित शर्मा जल्द ही टीवी पर अपना एक शो लेकर आने वाले हैं। इसका टीजर सोशल मीडिया पर शेयर किया गया है। टीजर में दिखाया गया है कि रोहित अपने फैंस से मिलते हैं। फैंस उनसे 'कोई गार्डन में नहीं घूमेगा' बोलने को कहते हैं। इस डिमांड से वह परेशान हो जाते हैं। इस बीच वह कॉल करके अपने घर पर गार्डन का काम रुकवा देते हैं। टीजर के आखिर में रोहित कहते हैं 'दो लाइनें क्या बोल दीं, इतनी वायरल हो गईं, जब मेरा पूरा शो आएगा तो क्या होगा?

मेरा काम लोगों का इंटरटेन करना

मुंबई। दिलजीत दोसांझ म्युजिक इंडस्ट्री का जाना चेहरा है। उन्होंने ग्लोबल लेवल पर भी अपनी तगड़ी पहचान बनाई है।

वहीं इन वो राजनीति में आने की खबरों को लेकर चर्चा में हैं। हाल ही में जब उनसे पंजाब की राजनीति का 'नया चेहरा' बनने की अपील की गई, तो उन्होंने 'नेवर' कहकर इसे ठुकरा दिया। दरअसल, एक दैनिक अखबार ने हाल ही में 'क्या दिलजीत पंजाब की राजनीति का नया चेहरा बन सकते हैं?' शीर्षक से एक आर्टिकल पब्लिश किया। रिपोर्ट के मुताबिक, रिटायर्ड सैनिकों और समाज के अलग-अलग क्षेत्रों से जुड़े लोगों सहित कुछ सामाजिक कार्यकर्ताओं ने दिलजीत से राजनीति में आने की सार्वजनिक अपील की थी। बताया गया कि रिटायर्ड ब्यूरोक्रेट एसएस बोपराय के नेतृत्व वाला ये ग्रुप चाहता है कि दिलजीत पंजाब की नई राजनीतिक आवाज बनें।

'द पोर्टल ऑफ फोर्स'का ट्रेलर रिलीज

मुंबई। अभिनेत्री दिशा पाटनी ग्लोबल मंच पर अपनी पहचान बनाने के लिए तैयार हैं। उनकी पहली इंटरनेशनल मूवी 'द पोर्टल ऑफ फोर्स' का ट्रेलर रिलीज हो चुका है, जिसने सोशल मीडिया पर तहलका मचा दिया है। ट्रेलर में वह एक्शन करती नजर आ रही हैं। फिल्म 'द पोर्टल ऑफ फोर्स' एक बड़ी काल्पनिक और रहस्यमयी दुनिया में ले जाती है। यह 'स्टेटिगाड्र्स वर्सेज होलीगाड्र्स' नाम की नई फिल्म सीरीज की पहली मूवी है। इस कहानी को लाडो ओखोटनिकोव ने तैयार किया है। फिल्म में दो प्राचीन शक्तियों के बीच संघर्ष दिखाया गया है। एक पक्ष दुनिया में नियम और संतुलन बनाए रखने की बात करता है, जबकि दूसरा पक्ष अलग सोच और अलग रास्ते पर चलता है।

epaper : www.haribhoomi.com

हरिभूमि CLASSIFIED

Email : response.haribhoomi@gmail.com

आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी

Contact for advertisment booking :
Raipur- 6263818152
79871-19756

एजूकेशन स्पेशल

प्रवेश प्रारंभ

श्री बालाजी इंस्टीट्यूट ऑफ नर्सिंग, पैरामेडिकल एवं फार्मेसी

Nursing Course	Duration
B.Sc. Nursing	4 Years
P.B.B.Sc. Nsg	2 Years
M.Sc.	2 Years
Paramedical Course	**Duration**
Lab tech, OT tech, X-Ray tech, Ortho tech	1 Year
Pharmacy Course	**Duration**
D Pharmacy	2 Years
B Pharmacy	4 Years

Eligibility- B.Sc. Nursing-Biology (PBCE),
P.B.B.Sc. Nursing-GNM Pass
M.Sc. Nursing-BSc., P.B.B.Sc. Pass,
Paramedical Course - 12th pass (Bio)
Pharmarcy - 12th pass , Maths, Bio

HOSTEL FACILITY AVAILABLE FOR GIRLS & BOYS

क्लीनिकल सुविधा

श्री बालाजी हॉस्पिटल

1500 बिस्तरों का एडवांस्ड सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल एवं 250 सीटो का मेडिकल कॉलेज
नर्सिंग प्रवेश हेतु :
7694016816, 6266631615, 7999665899
पैरामेडिकल एंड फार्मेसी प्रवेश हेतु
9201622400, 9201641200, 9201631200

Appointment आवश्यकता

टेलीकॉलर

Requirment- Creditsea Finance Hiring Telecaller - Collection Associates (Hindi, English, Tamil, Telugu, Kannada, Malayalam). Salary 15,000–25,000; Male/Female; Complete Desk Job.3rd floor, Radhey Chambers, Pandri. Contact HR : 9109165137, 7999611198, 9131205196; Freshers, Experienced apply Immediately now. (RO-7243)

सुपरवाइजर

आवश्यकता है- पहाड़ी चौक गुढियारी, रायपुर स्थित गोडाउन में कार्य करने हेतु 12 वीं पास शादीशुदा महिला सुपरवाईजर की आवश्यकता है। वेंतन 15000/- संपर्क- क्लासीक स्पार्कलर्स, जय गोपाल सोसायटी, फाफाडीह चौक, रायपुर, फोन- 0771-4095884. (आरो-156)

शोरूम कार्य

आवश्यकता है- टाइल्स एवं सेनेटरी के शोरूम में कार्य करने हेतु युवको की आवश्यक है। संपर्क - मनन इंटरप्राइजेज, विधानसभा रोड, मोवा, थाने के सामने, रायपुर । मोबाइल : 9827109679.(आरो-67)

क्लासीफाईड

टीचर

Wanted- Required teacher for all subjects for Primary, Middle, High and Higher Sections. Qualification: Graduate, Post Graduate with B.Ed, Proficiency in English. Contact: Glorious Hr. sec. School, Krishna Nagar, Near Santoshi Nagar Raipur: Mobile- 77250-78115.(आरो-170)

WANTED- Trained and Experienced teachers studied throughout English Medium apply for Middle, High and Higher Secondary classes for all subjects including PTI and Yoga. Submit your Biodata on or before 25.05.2026. Time : 10:30 am. to 2:00p.m.Venue : Sunshine Hr. Sec. School, Opposite Utsav Palace, Durg Phone No: 9098532963, 9630118856.(आरो नं.- 10461)

ड्रायवर

आवश्यकता है- एजेंसी में किराना सामान कि सप्लाई हेतु ड्राइवर की आवश्यकता है, टाटा एस गाड़ी चला सके, लौडिंग अनलौडिंग भी कर सके -लोकल रायपुर में- अग्रवाल एजेंसी पुरानी बस्ती रायपुर 9826416557. (आरो-172)

सेल्स/हेल्पर

आवश्यकता है- फर्नीचर शोरूम हेतु अनुभवी सेल्स एक्जीक्यूटिव एंव हेल्पर की आवश्यकता है। निरंकारी फर्नीचर हाऊस LIC रोड पंडरी रायपुर 9302891837, 9302858504.(आरो-0399)

हॉस्टल स्टाफ

आवश्यकता है- हॉस्टल स्टाफ की आवश्यकता- DAC Academy Hostal, Raipur, रसोइया (Cook) वेतन : 15,000/- 20,000/- प्रतिमाह, सहायक (Helper) वेतन : 12,000/- – 15,000/- प्रतिमाह, सफाई कर्मचारी वेतन : 8,000/- – 10,000/- प्रतिमाह, सुबह एवं शाम की शिफ्ट उपलब्ध, संपर्क करें : 8109810976.(आरो-4696)

चौकीदार

आवश्यकता है- बहानाकाड़ी मंदिर हसौद पोल फैक्ट्री में चौकीदार कि आवश्यकता है, जो फैक्ट्री में रह कर कार्य कर सके मों. 88271-50000.(आरो-174)

सेल्समैन/शॉप वर्क

आवश्यकता है- रेडीमेड गारमेंट्स शॉप (पंडरी, रायुपर) में काम करने के लिए लड़का/लड़की एंव सेल्समैन की आवश्यकता है मों. - 7067048454.(आरो-175)

सेल्समैन/ऑपरेटर

आवश्यकता है- विरदी साड़ी शोरूम हेतु पुरुष और महिला , सेल्समेन, कम्प्यूटर ऑपरेटर, ड्राईवर, सभी रायपुर निवासी अनिवार्य, अनुभवी को प्राथमिकता, विरदी साड़ी कंकालीपारा रोड , रायपुर संपर्क समय 10:30 - 9:00, 9425522577, 9425522576.(आरो-168)

सर्विस

आवश्यकता है- भारत के सबसे बड़े राइड-बुकिंग प्लेटफॉर्म रैपिडो से जुड़ें। ऑटो या ई-रिक्शा चलाकर प्रतिदिन 700 तक गारंटीड कमाई बिना कमीशन और 2000 तक जॉइनिंग बोनस पाएं। कॉल करें - 8929449955.(आरो-63172)

देखरेख

आवश्यकता है- खेत में कार्य करने वाले की आवश्यकता है जो परिवार सहित रहकर कृषि एवं अन्य कार्य की देखरेख करे, वेतन कार्य क्षमता अनुसार 7999967254.(आरो-173)

दुकान कार्य

आवश्यकता है- कार एक्सेसरीज की दुकान के लिए जरूरतमंद लड़को एवं लड़कियों की आवश्यकता है संपर्क:- भाव्या ट्रेडर्स, नवभारत प्रेस के सामने, शहीद स्मारक काम्प्लेक्स, रायपुर मो. 8819935000. (आरो-014)

आवश्यकता है- दुकान में कार्य करने हेतु मेहनती लड़कों की आवश्यकता है। वेतन योग्यता अनुसार। संपर्क:- खेतान इंटरप्राइजेस, खेतान गेराज बिल्डिंग, वीडियो वर्ल्ड के पास, मौदहापारा, रायपुर (आरो-173)

Property प्रापर्टी

मकान

मकान बेचना है- मकान EWS 1528-29 हाउसिंग बोर्ड छावनी, भिलाई वार्ड क्रमांक 26 क्रिकेट स्टेडियम के पास बेचना है एवं मैत्री विहार कॉलोनी शिवा पब्लिक स्कूल के पीछे गार्डन से सटा हुआ दुकान का पूर्व मुखी प्लाट क्रमांक 67 फेज बी 30 वर्ग मीटर शीघ्र बेचना है। संपर्क:- 8815155454.(आरो-6646)

किराए से देना /बेचना है- कोहका हाउसिंग बोर्ड भिलाई स्थित मकान नंबर 703/704 रजिस्ट्री फ्री होल्ड वाला मकान किराए से देना या बेचना है संपर्क करें -7440360294. (आरो नं.-274)

हरिभूमि क्लासीफाईड

Finance फायनेंस

फाइनेंस - महालक्ष्मी फाइनेंस द्वारा सभी प्रकार लोन उपलब्ध बिजनेस , पर्सनल, कृषि महिला समूह , मकान , दुकान, लघु उद्योग, पर्सनल लोन, आधारकार्ड , पैन कार्ड प्रति उपलब्ध (2% ब्याज), (30% छूट) संपर्क:- 9039310732 , 8280401638.(आरो-4344)

विज्ञापन प्रकाशन हेतु संपर्क करें
62638-18152

नोट - विज्ञापन प्रकाशन के पहले दिन ही करेक्शन मान्य होगा।

आवश्यक सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पूर्ण जानकारी लेंवे व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

Healthcare

यौन रोग व यौन कमजोरी

प्रायः सदियों से लोग जानते हैं कि जब कोई रोग किसी भी उपाय से ठीक नही होता वो केवल आयुर्वेद के द्वारा ही जड़मूल से ठीक होता है लेकिन कुछ लोगों के मति मारे जाने के कारण अपने को संकट में डाल लेते हैं।

क्या आपको किसी प्रकार के वायरस (बैक्टिरिया) संक्रमण रोग है जैसे हर्पिस रोग, स्त्री-पुरुष के गुप्तांग में दाने, फुंसी छाले, चमड़ी का फटना, खुजली, लाल होना, पेशाब में जलन या पीप आना, मुंह में छाले, पेट के दाहिने तरफ दर्द हो तो यह हर्पिस रोग हेपेटाइटिस (ABC), सिफलिस, गौनोरिया (सुजाक) रुबेला या एच.आई.वी. (HIV, AIDS) रोग हो सकता है। ये लक्षण इसके प्रारंभिक संकेत हैं। तुरंत खून की जाँच करायें। यदि खून का रिपोर्ट ठीक भी है और आप रोग से परेशान है तो भी इसका स्थायी जड़ से ईलाज केवल आयुर्वेद के रस-रसायन में ही संभव है अन्य कोई उपाय नही है इसी को इम्यूनोथैरिपी कहा जाता है। ये गुप्त रोगों के नीम हकीमों से बचकर रहें तो इनकी झूठी बातें एवं निराशा से बच सकते हैं।

वायरी रिसर्च एन्ड स्किन केयर क्लिनिक आई.एस.ओ. सर्टिफाईड

सुविख्यात चिकित्सक
डॉ. एच. सी. अग्रवाल (एम.डी.)
डॉ. वी.के. अग्रवाल
बी.ए.एम.एस. (यौन समस्या)
निशांत अग्रवाल (फार्मा सांईटिस्ट)
रेल्वे स्टेशन रोड, स्वरूप टॉकीज के सामने बजाज गोल्ड फाइनेंस के पीछे, दुर्ग
94255-55659, 93039-48500
96177-89223, 93032-42200
गुरूवार अवकाश, मिलने का समय : शाम 4 से 8

छोटा लिंग निराश क्यों?
जोश जगा दे धूम मचा दे।

18 से 80 वर्ष तक लाभदायक
लिंग को 8-9 ईन्च लम्बा मोटा, कठोर बनाये। सैक्स टाइम 30 से 45 मिनट बढाएं।
नसों की कमजोरी नामर्दी, धातु का पतलापन, शुगर, बी.पी. में भी जबरदस्त लाभदायक।
घर बैठे मंगवाये।
लाभ नही तो पैसे वापिस।
8515825081
9083218330

मातृ दिवस विशेष

मां की ममता, उसके प्रेम, उसके समर्पण और उसके त्याग की कोई सीमा नहीं होती है। हर हाल में अपनी संतान का हित, उसके सुख और उसकी खुशी की कामना करने वाली मां की महानता का कितना भी बखान किया जाए कम ही होगा। आइए आज मातृ दिवस के अवसर पर हम सब संकल्प करें कि अपनी मां को हमेशा खुश रखेंगे, उनकी हर इच्छा को पूरा करने का प्रयास करेंगे।

आवरण कथा

सरस्वती रमेश

मां त्याग-प्रेम की मूरत है सबसे अनमोल

प्रकृति की हर कृति अपने आप में अनूठी और अनमोल है। लेकिन मां की बात ही कुछ अलग है। मां को प्रकृति की सर्वश्रेष्ठ कृति कहें तो अतिश्योक्ति न होगी। मां की ममता के समक्ष दुनिया के सारे ऐशो-आराम, स्वर्गीय सुख, चमक-दमक फीके हैं। मां के स्नेह में, ममता में जो सुख, तृप्ति और सुकून होता है, उसे दुनिया की कोई शय नहीं दे सकती। इसीलिए उस शख्स को दुनिया में सबसे खुशनसीब माना जाता है, जिसके सिर पर मां की ममता का साया होता है। सच कहें तो मां की उपस्थिति, स्वर्ग से भी अधिक आलौकिक अनुभूति देती है। मां की इस दिव्यता को, विशेषता को मुनव्वर राणा ने अपने एक शेर में यूं समेटा है-

चलती-फिरती हुई आंखों से अजां देखी है
मैंने जन्नत तो नहीं देखी है, मां देखी है।

भावनाओं का दरिया है मां: हर मां के हृदय में भावनाओं का दरिया उमड़ता रहता है। यही भावनाएं मां और उसकी संतान के मध्य अनिर्वचनीय रिश्ता कायम करती हैं। एक ऐसा रिश्ता, जिसमें संसार के सभी रिश्तों की तासीर को महसूस किया जा सकता है। एक मां की उसके संतान के प्रति जैसी तड़प, प्रेम, चिंता, समर्पण और त्याग की भावना होती है, ऐसी भावना किसी और रिश्ते-नाते में नहीं देखी जा सकती है। मां अपने बच्चे की सिर्फ जन्मदात्री नहीं होती। वह उसकी प्रथम गुरु, संरक्षक, दोस्त, पालनकर्ता और मार्गदर्शक भी होती है। एक बच्चे को अपनी मां से वह सब कुछ मिलता है, जिसकी उसे वर्तमान में जरूरत है और भविष्य में जरूरत पड़ने की संभावना होती है। वैसे तो बच्चे के इर्द-गिर्द ढेर सारे संबंधों की कतार होती है। लेकिन अपनी मां से उसे जो प्राप्त होता है, उसकी भरपाई दुनिया का कोई भी रिश्ता नहीं कर सकता। नेल्सन मंडेला के शब्दों में कहें तो, 'मां का प्यार सबसे ऊंचा, अशेष और अनपेक्षित होता है।'

रुई के फाहे सा स्नेह: मां का प्यार, उसका स्नेह रुई के फाहे जैसा मुलायम और निर्दोष होता है। वह बच्चे की जरा-सी चोट पर विह्वल होने लगता है। बच्चे को जरा सी भी तकलीफ हो तो मां का मन विचलित होने लगता है। उसका प्यार देखना हो तो उसकी चिंताओं को गौर से देखिए। बच्चे की हर पल की जरूरतों के लिए मां किस हद तक फिक्रमंद होती है। उसकी दिनचर्या का निर्धारण बच्चे की जरूरतों के हिसाब से तय होता है। यहां तक कि उसके सोने-जागने का भी। एक लड़कोरी (नवजात की मां) की नींद कभी पूरी नहीं हो पाती। वो टुकड़ों-टुकड़ों में सोती हैं। बच्चे की रोने की एक आवाज पर अपने खाने की थाली सरका कर उसे पहले दूध पिलाती है। बीमार बच्चे की देख-रेख करने में तो मां अपनी भूख, प्यास, नींद तक बिसरा देती है।

कामयाबी के पीछे मां की भूमिका: किसी इंसान की कामयाबी में उसकी मां की भी भूमिका होती है। ज्यादातर सफल और महान लोगों की कामयाबी के पीछे उनकी मांओं का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। दुनिया में ऐसे बेशुमार उदाहरण हैं। अमेरिका के पहले अश्वेत राष्ट्रपति बराक ओबामा ने अपने संस्मरण में अपनी मां की महत्वपूर्ण भूमिका के बारे में लिखा है,'मेरी मां ने मुझे शिक्षित करने और मेरे भीतर आत्मविश्वास भरने के लिए बहुत मेहनत की। दिन में वह काम पर जाती थीं, इसलिए भोर में चार बजे उठकर मुझे पढ़ाती थीं। हमारी जिंदगी के तमाम उतार-चढ़ाव के बावजूद, मेरी मां ने मुझे हर पल खास महसूस कराया।' ऐसा ही एक और उदाहरण महान वैज्ञानिक थॉमस अल्वा एडिसन के जीवन में भी देखा जा सकता है। उनके महान आविष्कार को सारी दुनिया जानती है। मगर बहुत कम लोगों को पता होगा कि जब वह छोटे थे, तो आम बच्चों की तरह समझदार नहीं थे। उनके अध्यापक उन्हें हमेशा मंदबुद्धि कहते थे। जब उनकी मां, नैंसी को यह बात पता लगी तो वो उन्हें स्कूल से निकाल लाईं और घर पर ही पढ़ाने लगीं। कई साल बाद एडिसन ने अपनी डायरी में लिखा, 'मेरी मां ने ही मुझे बनाया। वह बहुत सच्ची थीं। मुझ पर अथाह भरोसा करती थीं। उनके स्नेह को पाकर मुझे लगा कि मेरे पास भी जीने की कोई वजह है। उन्हें मैं निराश नहीं कर सकता था।'

एक मंदबुद्धि बच्चा एक मां के संकल्प, हौसले और स्नेह की बदौलत उस सदी का जीनियस बन गया। उस मां ने अपने मंदबुद्धि बेटे से घृणा नहीं की। उससे प्रेम किया और उस पर विश्वास किया। मां के स्नेह और विश्वास में चमत्कारिक शक्ति होती है, जो संतान के जीवन को संवार देती है। कामयाबी की ऐसी लाखों कहानियां हैं, जिनके पीछे एक मां का यही विश्वास और अथाह प्रेम है।

मां कभी नहीं बदलती: दुनिया पल-पल बदलती रहती है, लेकिन मां जैसी सदियों पहले हुआ करती थीं, अब भी वैसी ही होती हैं। यानी सदियां गुजर गईं लेकिन अपनी संतान के प्रति मां का प्यार, लगाव और समर्पण बरकरार है। अपने बच्चों को सीने से लगाने वाली, आंचल में सहेजने वाली, उनकी सुरक्षा के लिए ढाल बन जाने वाली और उनकी हर गलती को क्षमा कर देने वाली मां की ममता का मोल नहीं है। लेकिन दुःखद है कि आधुनिकता, स्वार्थी सोच के प्रभाव में कई संतानों का व्यवहार अपनी मां प्रति बदल जाता है। सोचने वाली बात है कि आखिर जब सदियों में मांओं का अपनी संतान से जुड़ाव नहीं बदला तो संतानों का व्यवहार मां के प्रति क्यों बदल गया? ऐसा क्या हो गया कि सभ्यता के विकास ने हमें ऐसी तहजीब सिखाई, जिसने मां का सम्मान करना भुला दिया? दरअसल, सच यह है कि विकास की चकाचौंध में हम निहायत आत्मकेंद्रित और स्वार्थी होते गए हैं। हम मां की ममता जैसे अमूल्य भाव का सम्मान करना भी भूल गए।

मदर्स-डे की महत्ता: संतोष की बात है कि हमारी इस गलती का एहसास कराने के लिए, जीवन में अपनी मां की महत्ता को याद दिलाने के लिए वर्ष में एक दिन मुकर्रर किया गया है। जिसे हम मदर्स-डे के नाम से मनाते हैं। हालांकि मां अपने बच्चों से हर दिन प्रेम, सम्मान व आत्मीयता की हकदार है। बुढ़ापे में जब उसकी हड्डियां कमजोर पड़ जाती हैं, नजर धुंधली हो जाती है और हाथ कांपने लगेते हैं, तब उसे अपने बच्चों का साथ व सहारे की जरूरत होती है। ऐसे में मदर्स-डे हमें 'मां' की उस अमूल्य ममता की याद दिलाता हैं। तो आज मदर्स-डे मनाते हुए हम जरूर संकल्प करें कि हम मां को भरपूर प्यार सम्मान न केवल आज, हर दिन देंगे। उसके चेहरे पर मुस्कान लाने का हर संभव प्रयास करेंगे। k

अनुभूति / डॉ. ऋतु सारस्वत

मां के नाम बेटे की पाती

मां अपने बच्चों को केवल पालती-पोसती ही नहीं, बहुत सरल-सहज तरीके से उसके भीतर संस्कारों के बीज भी रोप देती है। इसका एहसास कई बार वर्षों बाद बच्चे को होता है। अपनी मां के प्रति एक बेटा ऐसी ही भावानुभूतियां पत्र के जरिए यहां व्यक्त कर रहा है।

मेरी प्यारी मां

जीवन में पहली बार आपको कुछ लिखकर भेज रहा हूं। सच कहूं तो समझ में नहीं आ रहा कि कहां से शुरुआत करूं? न जाने कितनी बार लिखा और मिटाया है, हर बार लगता है कि मेरे पास कहने के लिए हजारों शब्द हैं, पर उन्हें एक-दूसरे से जोड़ ही नहीं पा रहा। पता है मां, आज मैं बाजार गया था। पढ़ते-पढ़ते थक गया था, सोचा यूं ही थोड़ा घूम लूं। तभी मेरी नजर एक दुकान में रखे बिंदी के छोटे से पैकेट पर पड़ी और मैंने बिना कुछ सोचे ढेर सारी बिंदियां खरीद लीं। जैसे ही उन्हें हाथों में लिया, यूं महसूस हुआ जैसे आपके ममतामयी हाथ मुझे स्पर्श कर रहे हों। आपकी मुस्कुराहट मेरी आंखों के सामने घूमने लगी और मन किया कि दौड़कर आऊं और आपको जोर से गले लगा लूं। मां , आपकी बहुत याद आ रही है। मां, मुझे आज भी याद है, जब भी आप कहीं बाहर से लौटकर घर आती थीं, तो मैं दौड़कर आपकी गोद में चढ़ जाता था। सबसे पहले आपके माथे से आपकी बिंदी उतार देता था। आप हैरान होकर पूछती थीं- 'बेटा, ऐसा क्यों करते हो?' मैं मासूमियत से कह देता था- 'अगर आपके माथे पर बिंदी लगी रही, तो आप फिर से बाहर चली जाओगी' आप मुस्कुरा देती थीं। मैं आपके और करीब सिमट जाता था। पर मां, बिंदी की यह कहानी यहीं तक नहीं थी। एक दिन मैं बहुत गुस्से में स्कूल से घर लौटा था, क्योंकि मेरी गलती न होने पर भी मेरी टीचर ने मुझे बहुत डांटा था। गुस्से में मैंने कह दिया, 'मेरी टीचर बहुत गंदी है' आपने तुरंत मुझे रोका और समझाया कि बड़ों के लिए ऐसे शब्द नहीं बोलते। फिर आपने मुस्कुराकर कहा, 'और अगर शिकायत करनी भी है, तो कम से कम 'बिंदी' तो लगा लो ' आपकी यह बात सुनकर मैं टकटकी लगाकर आपको देखने लगा और मासूमियत से पूछ बैठा, 'तो क्या मां, मुझे किसी की शिकायत करने के लिए खुद बिंदी लगानी होगी?' आप मेरी बात सुनकर हंस-हंसकर लोट-पोट हो गईं और फिर बोलीं, 'अरे बुद्धू, मैं तुम्हें बिंदी लगाने के लिए नहीं कह रही और तुम बिंदी लगाओगे भी कैसे, तुम तो अभी छोटे से बच्चे हो।' मैंने भी तुरंत कहा, 'मां, मैं छोटा तो हूं ही पर मैं तो लड़का हूं, मैं बिंदी कैसे लगा सकता हूं!' मेरी यह बात सुनकर आप फिर जोर-जोर से हंसने लगीं और मैं थोड़ा खिसियाकर बोला, 'मां, प्लीज बताओ ना' तब आपने बड़े प्यार से समझाया, 'देखो, 'है' के ऊपर जब बिंदी लगती है, तो वह 'हैं' बन जाता है, और बड़ों के लिए हमेशा हमें सम्मानजनक शब्दों का इस्तेमाल करना चाहिए। 'वह आ रही है' हम अपने किसी दोस्त के लिए कह सकते हैं, लेकिन अगर किसी बड़े के लिए कहना हो, तो हमें कहना चाहिए 'वह आ रही हैं।' और ऐसे ही न जाने आपने मुझे कितने उदाहरण देकर समझाया।

मां, पता नहीं आपके शब्दों में क्या जादू था कि उसके बाद मैं कभी यह 'बिंदी' लगाना भूल ही नहीं पाया। मेरी हर बात में, हर संबोधन में अनजाने में ही वह सम्मान जुड़ता चला गया। आपकी यह 'बिंदी' सच में कमाल की है। मां ,यह मुझे बहुत बार बिल्कुल अजनबियों के भी करीब ले आती है। हमारे कॉलेज के चौकीदार भैया हों या कमरे में सफाई करने वाली आंटी जब भी मैं उनसे आदर से बात करता हूं, उनके चेहरे पर जो मुस्कुराहट आती है, वह मेरे मन को एक अलग ही सुकून देती है। एक दिन आंटी ने कहा, 'भैया, आप बहुत अच्छे हैं' और उनके ये शब्द सुनकर मुझे ऐसा लगा जैसे तेज गर्मी में अचानक बारिश हो गई हो। मां, मैं बहुत दिनों से आपको यह बताना चाह रहा था कि आपकी यह 'बिंदी' सचमुच बहुत अच्छी है पर कभी मौका ही नहीं मिला। आज जब इस बिंदी के छोटे से पैकेट को हाथ में लिया, तो लगा जैसे किसी ने मेरे हाथ में कलम थमा दी हो और जो बातें इतने दिनों से मन में थीं, वे अपने आप शब्द बनकर बहने लगीं। मां, सच कहूं आपकी यह 'बिंदी' सिर्फ आपके माथे पर लगकर आपको सुंदर नहीं बनाती बल्कि यह मेरे जीवन का सबसे खूबसूरत संस्कार बन गई है, जो हर रोज मुझे एक बेहतर इंसान बनने की राह दिखाती है।

थैंक यू सो मच मां!

-आपका बेटा

गजल / डॉ. ओम निश्चल

मां का प्यार

तुम से लिपट कर सो जाऊं मां
तो दुनिया का सुख पाऊं मां।
गोद तुम्हारी ममता का गढ़
कैसे इसको झुठलाऊं मां।
पुलकित दृष्टि तुम्हारी देखूं
आंखों में ही खो जाऊं मां।
चुपके-चुपके जो गाती हो
उस रुनझुन पर बलि जाऊं मां।
मां का प्यार अलौकिक होता
किस-किस को यह बतलाऊं मां।
मुझे छुपा लो अब आंचल में
इसी सृष्टि में रम जाऊं मां।

एआई इमेज

लघुकथाएं

स्वाद मां के हाथों का

मां के हाथ के गट्टे की सब्जी का जवाब ही नहीं!' मुंह में एक कौर डालते हुए शोभा के पति राकेश बोल पड़े।

'मैं कितना भी अच्छा खाना बना लूं, पर पता नहीं क्यों इनके मुंह से मेरी प्रशंसा के एक शब्द भी नहीं निकलते?' यह सोचकर शोभा के मन में कहीं ना कहीं अपनी सासू मां के प्रति ईर्ष्या के भाव बने रहते। उसकी सासू मां इन बातों से अनभिज्ञ आए दिन अपने बेटे के लिए नए-नए पकवान बनाती रहतीं। एक बार शोभा के पिताजी की तबियत ज्यादा खराब हो गई। आनन-फानन में वह मायके चली गई। अपने आठ वर्षीय बेटे को भी साथ नहीं ले जा पाई, क्योंकि उसके एग्जाम चल रहे थे। करीब दस दिन वह अपने मायके में रही। पिताजी की तबियत में सुधार होते ही वह अपने घर लौट आई। जैसे ही वह घर आई, उसका बेटा उससे लिपट गया और बड़ी ही मासूमियत से बोला, 'मम्मा आप इतने दिनों के लिए क्यों चली गई थीं? मुझे दादी के हाथ का खाना बिल्कुल भी अच्छा नहीं लगता था।' 'वो क्या है न बहू, बच्चों को अपने मां का हाथ का खाना ही अच्छा लगता है, क्योंकि बच्चा शुरू से ही अपनी मां के हाथ का खाना ज्यादा खाता है। इसलिए उसके मुंह में वहीं स्वाद चढ़ जाता है। इसके अलावा मां का स्नेह और अपनापन भी तो उस खाने में शामिल होता है।' उसकी सासू मां ने सहज स्वर में कहा। 'इतनी छोटी-सी बात वह कैसे नहीं समझ पाई और बेवजह मां-बेटे से हमेशा चिढ़ती रही।' शोभा मन ही मन में बोली। शोभा के पति उसकी भाव-भंगिमा देखकर उसके अंदर चल रहे भावों को भांप गए। इसलिए उसे देखकर मुस्कुराते हुए बोले, 'तुम भी बहुत अच्छा खाना बनाती हो, वो तो मैं तुम्हें चिढ़ाने के लिए तुम्हारे सामने मां की तारीफ करता रहता हूं।' 'अच्छा...जाइए मैं आपसे बात नहीं करूंगी।' कहकर वह गुस्से में अपने कमरे में चली गई। इस पर राकेश भी उसे मनाने के लिए उसके पीछे-पीछे कमरे में पहुंच गए। k

-शीला श्रीवास्तव

पैसे हैं पर मां नहीं

साहब, मेरी पासबुक देखकर बताइए, क्या खाते में पैसे आए हैं?' बूढ़ी महिला ने गिड़गिड़ाते हुए बैंक क्लर्क प्रमोद से विनती की। 'मांजी, आप से कितनी बार कहा कि आपके खाते में बैलेंस ही नहीं है!' प्रमोद झुंझला कर बोला। 'साहब, मैं बहुत गरीब हूं। खाने-पीने के भी पैसे नहीं हैं। मेरा बेटा हर महीने मुझे तीन हजार रुपए भेजता है।' बूढ़ी औरत रोते हुए बोली। 'भेजता रहा होगा, लेकिन पिछले तीन महीनों से उसने एक भी रुपया नहीं भेजा है, माता जी। मैं आपको पैसे कहां से दे दूं?' प्रमोद झल्लाते हुए बोला। उसकी तेज आवाज सुनकर मैनेजर रूपांग मेहता ने अपने केबिन से बाहर आकर पूछा, 'क्या बात है प्रमोद, मांजी को क्या परेशानी है?' 'सर, ये मांजी रोज आकर बैलेंस चेक करने को कहती हैं। इनके खाते में पैसा ही नहीं है, मैं क्या करूं?' प्रमोद ने जवाब दिया। मेहता साहब ने बूढ़ी महिला की ओर देखा। लगभग सत्तर साल की उस महिला की फटी साड़ी, टूटा चश्मा और हाथ में लाठी, उनकी गरीबी को बयां कर रही थी। 'मांजी, आप रोज क्यों आती हैं?' मेहता साहब ने पूछा। वह बूढ़ी महिला बोली, 'मेरा नाम सविता है साहब। दस साल पहले मेरे पति की शराब पीने की वजह से मौत हो गई थी। मैंने चार घरों में काम करके अपने बेटे मयंक को पढ़ाया और उसे कंप्यूटर इंजीनियर बनाया। पिछले साल उसकी शादी हुई और अब वह बेंगलुरु में नौकरी करता है। वह हर महीने तीन हजार रुपए भेजता था, लेकिन तीन महीने से खाते में पैसे आ ही नहीं रहे है। लगता है शायद पैसे गलती से किसी और खाते में जा रहे होंगे। मेरे पास दवा और खाने के भी पैसे नहीं हैं। आंखों में भी मोतियाबिंद है, काम भी नहीं हो पाता।' यह कहते हुए सविता रो पड़ी। मेहता साहब का दिल भर आया। उन्होंने पूछा, 'क्या आप के पास बेटे का नंबर है?' सविता ने एक मुड़ा-तुड़ा कागज उनकी ओर बढ़ा दिया। मेहता साहब ने उस नंबर पर फोन लगाया। दूसरी ओर से फोन उठा तो वह बोले, 'हैलो, मयंक से बात करवा दीजिए।' दूसरी तरफ से किसी महिला ने पूछा, 'मैं उनकी पत्नी माया बोल रही हूं, मयंक बाहर गए हैं। आप कौन बोल रहे हैं?' 'मैं बिलासपुर से बैंक मैनेजर रूपांग मेहता बोल रहा हूं। आपकी सास यहां आई हुई हैं, मयंक ने तीन महीने से उन्हें पैसे नहीं भेजे क्या?' 'अरे सर, कब तक पैसे भेजते रहेंगे उनको? हमारी भी जरूरतें हैं। हम लोग सिंगापुर घूमने का प्लान बना रहे हैं।' माया ने बेरुखी से कहा। 'लेकिन मांजी के पास खाने और दवा के पैसे भी नहीं हैं!' मेहता साहब थोड़ा तल्खी से बोले। 'तो हम क्या करें? क्या हमने उनका ठेका ले रखा है? कहीं भी चली जाएं, किसी वृद्धाश्रम में क्यों नहीं चली जातीं?' इतना कहकर माया ने फोन काट दिया। यह सुनकर मेहता साहब स्तब्ध रह गए। कैसे बेटे-बहू हैं? उन्होंने माताजी से बिना कुछ कहे अपने खाते से तीन हजार रुपए निकाले और सविता को देते हुए कहा, 'लो मांजी, आपके बेटे ने पैसे भेज दिए हैं।' सविता की आंखों में खुशी के आंसू छलक उठे, 'भगवान आप का भला करे।' कह कर वह रो पड़ी। 'अब आप का बेटा हर महीने पैसे भेजेगा।' मेहता साहब बोले। सविता खुश होकर चली गई। उनके जाने के बाद प्रमोद ने आश्चर्य से पूछा, 'सर, आपने अपने पास से पैसे दे दिए?' मेहता साहब भावुक होकर बोले, 'मैं भी गरीब परिवार से हूं। मेरे पिता की मृत्यु के बाद मेरी मां ने मजदूरी करके मुझे पढ़ाया। मैं सोचता था कि जब पैसे कमाऊंगा तो मां के सारे सपने पूरे करूंगा। लेकिन सात साल पहले जब मेरी नौकरी लगी तभी मेरी मां चल बसीं। जब मां थी, तब पैसे नहीं थे और आज पैसे हैं, पर मां नहीं हैं। इसीलिए इस मां की बेबसी मुझसे देखी नहीं गई।' k

-वीरेंद्र बहादुर सिंह

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

ताकि बचा रहे आदमीपन

हाल में युवा कवयित्री रूपम मिश्र का दूसरा कविता संग्रह 'हंसी और देस' प्रकाशित होकर आया है। ये कविताएं हमारे समय, समाज और देश की तमाम स्याह-श्वेत छवियां उजागर करती हैं। देशज भाषा के रचाव और लोकजीवन के राग ने इन कविताओं के निहितार्थ को और भी प्रभावी बना दिया है। *'जीत के आसार न देखते हुए भी लड़ना/ लड़ाई की परंपरा को जिंदा रखना था।'* जैसी पंक्तियां उस सतत संघर्ष को प्रतिबिंबित करती हैं, जो आदमीपन को बचाए रखने के लिए जरूरी है। यहां स्त्री विमर्श की कोरी नारेबाजी नहीं, सदियों पुरानी उस कंडीशनिंग की पड़ताल की गई है, जिसने स्त्रियों के एक वर्ग को चेतनाशून्य बनाकर हर हाल में पुरुषों की सेविका बनने को बाध्य कर रखा है। *'जो मार खा लेती हैं फिर उठकर उन्हीं मर्दों के लिए सबसे अच्छा अचार/सबसे ज्यादा स्वाद वाली सब्जी बना देती हैं।'* प्रेम को भी रूपम, बनी-बनाई परिभाषा से इतर बिल्कुल अलग भावभूमि पर उतरकर महसूसती और व्यक्त करती हैं। इसकी बानगी *'हमने देखा एक-दूसरे को ऐसे जैसे/भूख की यातना में जिया मनुष्य रोटी को देखता हो।'* जैसी पंक्तियों में देखी जा सकती है। k

पुस्तक: हंसी और देस (कविता संग्रह), **लेखिका:** रूपम मिश्र, **मूल्य:** 250 रुपए, **प्रकाशक:** लोकभारती पेपरबैक्स, प्रयागराज

दूसरी पार्टियों के बड़े चेहरे, शुभेंदु से सम्राट तक भाजपा के 'आउटसोर्स सीएम'

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

शुभेंदु अधिकारी पश्चिम बंगाल सरकार के सीएम बन गए हैं। शनिवार को जब उनका शपथ ग्रहण हुआ तब अपने आप निगाहें एक बड़े फैक्ट पर चली गईं। भाजपा में ऐसे कई नेता हैं जो बाहर से आए और छा गए। हिमंता बिस्वा सरमा, सम्राट चौधरी, पेमा खांडू, सर्बानंद सोनोवाल और एन बीरेन सिंह जैसे कई नाम कभी दूसरी पार्टियों में बड़े चेहरे हुआ करते थे लेकिन अब भाजपा की ताकत बनकर उभरे हैं।

शुभेंदु अधिकारी

पश्चिम बंगाल की राजनीति में शुभेंदु अधिकारी कभी ममता बनर्जी के सबसे भरोसेमंद नेताओं में गिने जाते थे। नंदीग्राम आंदोलन के दौरान वे ममता बनर्जी के सबसे अहम सहयोगियों में थे और 2011 में वाममोर्चा सरकार को हटाने में उनकी बड़ी भूमिका मानी गई। साल 2020 में उनका तृणमूल नेतृत्व से टकराव बढ़ा और 2020 में भाजपा में शामिल हो गए। आज वे बंगाल के सीएम हैं।

भाजपा की ताकत बनकर उभरे हैं दूसरी पार्टियों से आए नेता

हिमंता बिस्व सरमा

इस मामले में सबसे बड़ा नाम असम के सीएम रहे हिमंता बिस्व सरमा का लिया जा सकता है। एक दौर था कि हिमंता कांग्रेस के कद्दावर नेताओं में गिने जाते थे। वे साल 2001 से लगातार कांग्रेस विधायक रहे और सीएम रहे तरुण गोगोई सरकार में शिक्षा, स्वास्थ्य और वित्त जैसे अहम मंत्रालय भी संभाल चुके थे। कांग्रेस से दूरियां बढ़ने के बाद अगस्त 2015 को उन्होंने बीजेपी जॉइन कर ली। बीजेपी में आने के बाद उन्होंने पूर्वोत्तर में पार्टी के विस्तार में बड़ी भूमिका निभाई। फिर मई 2021 में बीजेपी ने उन्हें असम का मुख्यमंत्री बनाया।

■ केंद्रीय नेतृत्व ने क्षमता का किया सम्मान, खुलकर बढ़ाया आगे

सम्राट चौधरी

बिहार में सम्राट चौधरी ने 15 अप्रैल को मुख्यमंत्री पद की शपथ ली है। सम्राट चौधरी पहली बार राजद से विधायक बने थे। बाद में उन्होंने जेडीयू का दामन थामा और नीतीश कुमार सरकार में मंत्री भी रहे, लेकिन 2018 में वे भाजपा से जुड़े। बीजेपी ने उन्हें बिहार में ओबीसी और कुशवाहा राजनीति के बड़े चेहरे के रूप में आगे बढ़ाया। इसके बाद वे बिहार बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष बने और फिर डिप्टी सीएम और अब बिहार सीएम बन चुके हैं।

पेमा खांडू

अरुणाचल प्रदेश के सीएम पेमा खांडू भी कभी कांग्रेस में थे। 2016 में वे कांग्रेस विधायक दल के नेता बने और मुख्यमंत्री बने। लेकिन उसी साल अरुणाचल की राजनीति में बड़ा उलटफेर हुआ। पहले वे पीपुल्स पार्टी ऑफ अरुणाचल (पीपीए) में गए और बाद में अपने समर्थक विधायकों के साथ बीजेपी में शामिल हो गए। इसके बाद बीजेपी ने उन्हें मुख्यमंत्री बनाए रखा।

एन बीरेन सिंह

मणिपुर के पूर्व सीएम एन बीरेन सिंह साल 2017 में बीजेपी में शामिल हुए थे। वे भी कांग्रेस में बगावत करके बीजेपी में आए थे। इससे पहले वो डेमोक्रेटिक रिवोल्यूशनरी पीपल्स पार्टी में भी रह चुके थे। 2017 में भाजपा ने एन बीरेन सिंह को सीएम बनाया।

बसवराज बोम्मई

बसवराज बोम्मई साल 2008 में बीजेपी में शामिल हुए थे। इसे पहले वह जनता दल में थे। उनके पिता एसआर बोम्मई भी सीएम रहे थे, जिनका मामला तमिलनाडु के राजनीतिक संकट में चर्चा का विषय बना हुआ है। बसवराज बोम्मई जुलाई 2021 से मई 2023 तक कर्नाटक के मुख्यमंत्री रहे।

अर्जुन मुंडा

अर्जुन मुंडा साल 2003 से 2006 तक बीजेपी के मुख्यमंत्री रहे। उन्होंने अपने राजनीतिक करियर की शुरुआत झारखंड मुक्ति मोर्चा से की थी। साल 2000 के विधानसभा चुनाव से ठीक पहले वे बीजेपी में शामिल हुए थे।

गेगोंग अपांग

गेगोंग अपांग लगभग 22 साल तक अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री रहे है। पहली बार वे साल 1980 में कांग्रेस पार्टी से मुख्यमंत्री बने थे। साल 1999 तक वे मुख्यमंत्री बने रहे। साल 2003 में वे बीजेपी में शामिल हुए और फिर से राज्य के मुख्यमंत्री बने।

तरकश

-संजय के. दीक्षित

महतारी कलेक्टर

प्रशासनिक सर्जरी में सरकार ने ब्यूरोक्रेसी की महतारियों का सम्मान बढ़ाया है। बुधवार को सात जिलों में नए कलेक्टर पोस्ट किया गया, उनमें पांच महिलाएं हैं। इन पांच को मिलाकर छत्तीसगढ़ में अब 10 महतारी कलेक्टर हो गई है। राज्य बनने के बाद यह पहला मौका है, जब कलेक्टरी में महिलाओं की संख्या 10 टच कर गया है। इससे पहले रमन सिंह की तीसरी पारी में एक समय महिला कलेक्टरों की संख्या छह हुई थीं। हालांकि, राज्य निर्माण के 13-14 साल तक महिला आईएएस की संख्या काफी कम थीं, इसलिए इक्का-दुक्का महिला कलेक्टर होती थीं। इस समय ब्यूरोक्रेसी की जो माताएं कलेक्टर हैं, उनमें प्रतिष्ठा ममगई बेमेतरा, नुपूर राशि पन्ना कोंडागांव, नम्रता जैन नारायणपुर, रेना जमीन सूरजपुर, चंदन त्रिपाठी बलरामपुर, दिव्या मिश्रा बालोद, तुलिका प्रजापति मानपुर मोहला, रोक्तिमा यादव कोरिया, संतन देवी जांगड़े एमसीबी और पदमिनी भोई सारंगढ़ शामिल हैं।

लोकल अफसरों को वेटेज

वैसे तो ऑल इंडिया सर्विस का लेवल चिपकने के बाद जाति, धर्म और क्षेत्र गौण हो जाता है। फिर भी यह पहली बार हुआ...राज्य सरकार ने बीते बुधवार को सात जिलों में नया कलेक्टर पोस्ट किया, उनमें से चार लोकल अधिकारियों को अवसर दिया। चारों अफसरों की जड़े छत्तीसगढ़ में है और वे राज्य प्रशासनिक सेवा से प्रमोट होकर आईएएस बने हैं। इसके साथ लोकल याने प्रमोटी आईएएस कलेक्टर की संख्या बढ़कर 12 हो गई है। आरआर वालों को जरूर इससे झटका लगा होगा। मगर स्टेट वाले आईएएस खुश हैं...पिछली सरकार में भी प्रमोटी आईएएस को इतनी संख्या में कलेक्टर नहीं बनाया गया।

एक और लिस्ट

42 आईएएस अधिकारियों की ट्रांसफर लिस्ट देखने से प्रतीत होता है कि उसे बनाने में काफी दिमाग दौड़ाया गया होगा। फेरबदल में प्रशासनिक एंगल के साथ अगले विधानसभा चुनाव को देखते पॉलिटिकिल तड़का भी लगा। खैर, कलेक्टरों की एक छोटी लिस्ट और आएगी। कांकेर कलेक्टर नीलेश श्रीरसागर डेपुटेशन पर दिल्ली जा रहे हैं। राज्य सरकार ने उन्हें एनओसी दे दिया है। सो, इस महीने के अंत या अगले महीने के फर्स्ट वीक तक उन्हें केंद्र में पोस्टिंग मिल जाएगी। लिहाजा, उनकी जगह कांकेर में किसी आईएएस को पोस्ट किया जाएगा। जाहिर है, कांकेर बड़ा जिला है, इसलिए कम-से-कम दो-एक जिले की कलेक्टरी किए हुए आईएएस को ही प्राथमिकता मिलेगी। याने एक छोटी लिस्ट और निकलेगी।

राप्रसे ट्रांसफर पर ब्रेक?

राज्य प्रशासनिक सेवा के अफसरों की ट्रांसफर लिस्ट काफी दिनों से प्रतीक्षित है। बताते हैं, मई में एक लिस्ट निकलनी थी। मगर उससे पहले बिचौलियों ने वसूली शुरू कर दी। राप्रसे अधिकारियों को यह कहकर भ्रमित किया गया कि लिस्ट तैयार हो रही है, किसी भी दिन निकल जाएगी। इसकी सूचना सरकार को मिल गई। लिहाजा, सरकार ने फिलहाल इस पर ब्रेक लगा दिया है। वैसे जानकारों का कहना है कि राप्रसे की कोई लिस्ट बनी नहीं है। तोरी करने के लिए भ्रम फैलाया गया। बहरहाल, अब जो ट्रांसफर होंगे, काफी ठोक बजाकर किए जाएंगे। मगर कब होंगे? सरकार ही बता पाएगी।

बेबस मिनिस्टर

सिस्टम में कुछ ऐसे खटराल लोग बैठ गए हैं, जिनसे मई मंत्री भी विवश महसूस कर रहे हैं। बात परिवहन विभाग की है। इसमें हर छह महीने में इंस्पेक्टरों का रोटेशन किया जाता है। एक बार मार्च में और दूसरा सितंबर में। ये सालों से चला आ रहा है। इस बार परिवहन मंत्री केदार कश्यप ने करीब 100 इंस्पेक्टरों के रोटेशन को अनुमोदित करके नोटशीट नीचे भेजा। परिवहन सचिव ने भी हर बार की तरह उसे अनुमोदित कर दिया। मगर किन्हीं अज्ञात शक्तियों ने आदेश निकलने से रोक दिया। मई शुरू हो गया है, अभी कोई बताने वाला नहीं है कि रोटेशन आदेश क्यों रोका गया, किसने रोका? और उस रोटेशन का क्या होगा? जो राज्य बनने के समय से एक प्रचलित नियम बन गया था। केदार कश्यप के फॉरेस्ट में भी यही हाल है। प्रोबेशनर एसडीओ ट्रेनिंग के बाद महीने भर से पोस्टिंग की आस में बैठे हैं, मगर उनके आदेश का कोई अता-पता नहीं है।

दो महिला मंत्री?

अगले महीने के लास्ट तक विष्णुदेव साय मंत्रिमंडल का विस्तार होना लगभग तय समझा जा रहा है। इसमें कई मंत्रियों के विभाग बदलेंगे। चार मंत्रियों की विदाई होगी...सरगुजा संभाग के दो मंत्रियों के पत्ते कटने की भी खबरें हैं। अलबत्ता, बीजेपी की महिला विधायकों की लाटरी लगने वाली है। मंत्रिमंडल में 15 परसेंट की लिमिट तय होने के बाद से सूबे में चाहे किसी की भी सरकार रही हो, हमेशा एक महिला मंत्री रहीं। मगर अब इसकी संख्या बढ़ाकर कम-से-कम दो किया जाएगा। यदि अच्छा फेस मिले तो तीन भी संभव है। पूर्व मंत्रियों को कैबिनेट में शामिल न करने का कंडिशन अगर हटाया जाएगा तो बस्तर से लता उसेंडी भी एक तगड़ा दावेदार हो सकती हैं। उनसे आदिवासी और महिला, दोनों कोटा कंप्लीट होगा। डिप्टी सीएम विजय शर्मा अगर संगठन में गए तो फिर भावना बोथरा के नाम पर विचार हो सकता है। या हो सकता है बीजेपी किसी और को सामने लाकर चौंका दें।

कांग्रेस में उठापटक

भूपेश बघेल खेमे ने चिर परिचित प्रतिद्वंद्वी सिंहदेव गुट को मात देते हुए विधायक संगीता सिनहा को प्रदेश महिला कांग्रेस का कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त करा लिया। देर-सबेर संगीता अध्यक्ष भी घोषित हो जाए, तो आश्चर्य नहीं। उधर, खबर है कि कांग्रेस में 15 मई के बाद कुछ बड़ा होने वाला है। नए प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष की भी नियुक्ति हो सकती है। चूंकि अगले विधानसभा चुनाव में अब दो साल बच गया है। सो, इस समय जो कांग्रेस का अध्यक्ष बनेगा, उसी की अगुआई में चुनाव लड़ा जाएगा। उधर, खबर है कि लगातार हार के बाद कांग्रेस अब जमीनी नेताओं को पार्टी में ज्यादा वेटेज देना चाहती है। भूपेश को हो सकता है, केंद्र में कोई बड़ी जिम्मेदारी मिल जाए। केंद्र में वे अगर ताकतवर होंगे तो जाहिर है छत्तीसगढ़ में भी कोई उनका अपना आदमी ही मजबूत होगा।

अफसरशाही में जातिवाद

जाति का वायरस अब तक सियासत में ही घुसा था, मगर अब छत्तीसगढ़ की अफसरशाही भी अछूती नहीं रही। जिलों में कलेक्टर, एससपी भी एसडीएम, एसडीओपी और थानेदारों की पोस्टिंग में इस सिंड्रोम के शिकार दिख रहे हैं। स्थिति यह हो चली है कि सूबे में कर्मचारियों, अधिकारियों की योग्यता की पैमाना अब कास्ट हो गया है। कोई खास वर्ग का मुलाजिम है तो गंभीर श्रेणी की गल्ती करने पर भी कार्रवाई नहीं होगी। राज्य की प्रगति की दृष्टि से यह सही नहीं है। सरकारी दफ्तर जात-पात और धर्म से मुक्त होना चाहिए। छत्तीसगढ़ के सिस्टम में करप्शन और मनमौजीपन बढ़ने के पीछे इस वायरस की बड़ी भूमिका है।

कौवा कान ले गया

छत्तीसगढ़ के कर्मचारी किसी प्रायवेट समिति, संगठन के सदस्य नहीं हो सकते। छत्तीसगढ़ सरकार के इस आदेश पर पिछले दिनों इतना कोहराम मचा कि जीएडी को अपना आदेश वापिस लेना पड़ा। जबकि, जिस संघ के कंधे पर बंदूक रख सरकार को निशाने पर लेने की कोशिशें हुई, उसमें फैक्ट यह है कि विष्णुदेव साय सरकार के अस्तित्व में आने के तुरंत बाद जीएडी ने एक आदेश निकालकर सरकारी कर्मचारियों को संघ के कार्यक्रमों में जाने के लिए फ्री कर दिया था। सरकारी सिस्टम को समझने वालों को पता है कि जब तक कोई आदेश लिखित में निरस्त नहीं होता, तब तक वह स्टैंड रहता है। संघ में जाने वाला 2014 का आदेश निरस्त नहीं हुआ, इसलिए वह लागू है। मगर कौवा कान ले गया...सिस्टम पर हमले करने में संघ के मौसमी कार्यकर्ता पिल पड़े। सोशल मीडिया में इस पर लंबे-लंबे पोस्ट लिखे गए। जाहिर है, संघ के ओरिजिनल लोग कभी दिखावा नहीं करते कि वे संघ वाले हैं। एमपी के दिनों में दिग्विजय सिंह सरकार ने भी सिर्फ आदेश निकाला था...कभी सख्ती नहीं बरती। उस दौरान भी कर्मचारी, अधिकारी संघ के कार्यक्रमों में जाते रहे। बहरहाल, अंदरखाने की बात यह है कि सरकारी मुलाजिमों में अनुशासन का वातावरण बनाने उपर के अफसरों ने एक सामान्य आदेश निकालने कहा, उसे तिल का ताड़ बना दिया गया। इससे नुकसान सिस्टम का हुआ। आदेश वापस लेने की कड़ी में एक संख्या का इजाफा हो गया। अब आप पूछेंगे, मौसमी कार्यकर्ता? ये वो नस्ल है जो अपनी सुविधा से वामपंथी, कांग्रेसी और संघी बन जाता है। अभी कई कार्यक्रमों में ये मौसमी कार्यकर्ता बिना बुलाए भी पहुंच जा रहे।

ट्रांसफर पर पेंच?

एक विभाग में ट्रांसफर के लिए एक हजार से अधिक की लिस्ट सरकार को अनुमोदन के लिए भेजा गया। असल में, ढाई सौ से अधिक नामों की सिफारिश संगठन के एक बड़े नेता ने की है। इसके अलावा बड़ी संख्या में विधायक, सांसद और दीगर नेताओं के लोग भी हैं। मंत्री ने अपना पल्ला झाड़ते हुए लिस्ट को उपर भेज दिया। ट्रांसफर पर बैन के दौरान इतनी बड़ी लिस्ट देख सरकार में बैठे लोगों का सिर चकरा गया। फिलहाल, उपर से इस पर ब्रेक लग गया है।

मंत्री के चेले का होटल

सरगुजा से ताल्लुकात रखने वाले एक नेताजी पिछली कांग्रेस सरकार में स्कूल शिक्षा मंत्री थे। उनके साथ चेला के तौर पर रहने वाला एक युवक ने इतना कुछ अर्जित कर लिया कि मंदिर रायपुर में बड़ा होटल बनवा रहा है। जब वह पीए, स्टाफ जैसे किसी पद पर नहीं था, तो ये हाल है। नए स्कूल शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव को अलर्ट रहना चाहिए। स्कूल शिक्षा भले ही चमक-धमक वाला विभाग नहीं माना जाता, मगर मैनपावर सर्वाधिक है। इस विभाग के जेडी, डीईओ तो बड़ा पद है...उनके ऑफिस के बाबू मोटे आसामी बन गए हैं। आखिर कौन ऐसा खेला होगा, जो स्कूल शिक्षा में नहीं होता। डीईओ द्वारा शिक्षकों के निलंबन और बहाली के मिला जुला खेल से खुद स्कूल शिक्षा मंत्री भी चिंतित हैं। जाहिर है, जब तक डीईओ, बीईओ ठीक नहीं होंगे, तब तक स्कूल शिक्षा को बदनामी से नहीं बचाया जा सकेगा।

हॉफ की डीपीसी

गुरूवार को मंत्रालय में हेड ऑफ फॉरेस्ट फोर्स की डीसीपी आयोजित थी। मगर पता चला ऐन वक्त पर बैठक टल गई। बताते हैं, डीपीसी में एसीएस फॉरेस्ट ऋचा शर्मा मेंबर थीं। मगर एक दिन पहले ही उनका विभाग बदल गया। उसके बाद उन्होंने डीपीसी में शामिल होने से मना कर दिया। कमेटी में अगर बिना नाम पदेन मेंबर लिखा गया होता तो नए एसीएस फॉरेस्ट मनोज पिंगुआ डीपीसी में बैठ सकते थे। इसलिए मामला गड़बड़ा गया। हालांकि, सीएस, पीसीसीएफ थे, तो डीपीसी की जा सकती थी। बहरहाल, डीपीसी टलने के बाद अब भांति-भांति की अटकलों का दौर शुरू हो गया है...किसी ताकतवर शक्ति की बातें भी।

हफ्ते का कोट

दूध, दही, छाछ, मक्खन, घी सब एक वंश के, फिर भी सबकी कीमत अलग-अलग...क्योंकि श्रेष्ठता जन्म से नहीं, अपने कर्म, कला और गुणों से प्राप्त होती है और कुछ समस्याएं हमारे पास है, सोचकर सदा दुखी होने से अच्छा है, यह सोचकर खुश होना कि दुनिया में बहुत समस्याएं हैं, जो हमारे पास नहीं है।

अंत में दो सवाल आपसे?

1. प्रशासनिक मुखिया ने कलेक्टरों के व्हाट्सएप ग्रुप में किस कलेक्टर के बारे में लिखा...बिना इजाजत इधर-उधर घूमते रहते हैं?

2. क्या ये सही है कि ट्रांसफर के लिए अब सिर्फ रोकड़ा काफी नहीं, एप्रोच भी चाहिए...दोनों होंगे तभी कामयाबी मिलेगी?

जैकेट के शेष

13 साल बाद 'महामुकाबला', 'सुपर ...

दौड़ में बने रहने के लिए आरसीबी के लिए यह मैच जीतना बेहद अहम हो गया है। वहीं, दूसरी ओर मुंबई इंडियंस की प्लेऑफ में पहुंचने की उम्मीदें पहले ही खत्म हो चुकी हैं। ऐसे में मुंबई की टीम बिना किसी दबाव के मैदान में उतरेगी और आरसीबी का समीकरण बिगाड़ने का पूरा प्रयास करेगी। इस अहम मुकाबले से पहले शनिवार को दोनों ही टीमों के खिलाड़ियों ने अभ्यास सत्र में जमकर पसीना बहाया और अपनी रणनीतियों को धार दी। रायपुर में विराट और रोहित को लेकर

दीवानगी का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि शनिवार को अभ्यास के दौरान ही अपने चहेते सितारों की एक झलक पाने के लिए बड़ी संख्या में फैंस स्टेडियम पहुंच गए थे। हालांकि, कड़ी सुरक्षा के कारण उन्हें मैदान के अंदर प्रवेश तो नहीं मिला, लेकिन खिलाड़ियों की महज एक झलक पाकर ही फैंस खुशी से झूम उठे।

200 के पार जा सकता है स्कोर, जमकर लगेंगे चौके-छक्के : आज का यह महामुकाबला बेहद हाई-स्कोरिंग होने वाला है। जानकारी के अनुसार मैच के लिए स्टेडियम की बाउंड्री लाइन को छोटा किया गया है, जिससे स्कोर के 200 रनों के पार पहुंचने की प्रबल संभावना है। इसके अलावा, रायपुर की पिच का मिजाज भी पूरी तरह से बल्लेबाजों के अनुकूल रहने वाला है। गेंद आसानी से बल्ले पर आएगी, जिसका फायदा सीधे तौर पर बल्लेबाजों को मिलेगा। ऐसे में क्रिकेट फैंस को आज विराट कोहली, रोहित शर्मा और हार्दिक पंड्या जैसे स्टार खिलाड़ियों के बल्ले से लंबे-लंबे छक्कों और शानदार चौकों की झड़ी देखने को मिलेगी।

पेज एक के शेष

तितलियों की मां...

143 प्रजातियों का 'भरा-पूरा कुनबा' : संरक्षण का ही नतीजा है कि यहां ऑरेंज ओक लीफ, कॉमन जेम और ब्लू मॉर्मन जैसी दुर्लभ तितलियां बेखौफ उड़ान भर रही हैं। हाल ही में हिमालय से चलकर आई 'हिमालयन वैगरेंट' का यहाँ मिलना इस बात का प्रमाण है कि इन महिलाओं ने बस्तर की माटी में ममत्व की कितनी गहरी जड़ें जमाई हैं।

अगली पीढ़ी को मातृत्व के संस्कार : ये महिलाएं केवल तितलियां नहीं बचा रहीं, बल्कि घर के छोटे बच्चों को भी प्रकृति के इस चमत्कार से जोड़ रही हैं। ये बच्चों को सिखाती हैं कि कैसे एक छोटा सा अंडा, जीवन के संघर्षों को पार कर एक खूबसूरत तितली बनता है। यह 'मदर्स डे' का सबसे अनूठा उत्सव है, जहाँ एक माँ अपनी अगली पीढ़ी को समूची प्रकृति को प्यार करने का संस्कार दे रही है।

खूबसूरती ऐसी, एकटक देखता रह जाए इंसान : पार्क के 2 किलोमीटर के दायरे में बना 'तितली जोन' सैलानियों के लिए जादू की दुनिया जैसा है। निदेशक नवीन कुमार के मार्गदर्शन में यहाँ करीब 100 से ज्यादा प्रजातियों की पहचान हो चुकी है। ब्लू टाइगर, जेजीवेल राजा और कॉमन नवाब जैसी प्रजातियों का नृत्य देखकर यहाँ आने वाला हर सैलानी रोमांचित हो उठता है।

बंदर और परिंदों ...

उनकी भाषा समझने में सुकून मिलता है : स्मिता कहती हैं कि बेजुबान जीवों की भावनाओं को समझने में जो सुकून मिलता है, उसे शब्दों में बयान नहीं किया जा सकता। "मुझे लगता है कि वे बोल नहीं पाते, लेकिन सब महसूस करते हैं। उनके बीच रहना ही असली जीवन लगता है।" पांचवीं कक्षा से शुरू हुआ यह जुड़ाव समय के साथ और गहरा होता गया। अब वे न सिर्फ पशु-पक्षियों की देखभाल कर रही हैं, बल्कि लोगों को भी जीवों के प्रति संवेदनशील बनने का संदेश दे रही हैं।

कोविडकाल में बंदरों से जुड़ा रिश्ता : बंदरों के प्रति उनका लगाव भी एक भावुक घटना से जुड़ा है। कोविड काल के दौरान केशकाल घाट में उन्होंने कई बंदरों को भूखा-प्यासा देखा। उसी दिन उन्होंने तय किया कि हर सप्ताह वहां जाकर उनके लिए खाने और पानी की व्यवस्था करेंगी। आज स्थिति यह है कि जैसे ही उनकी गाड़ी घाट पर पहुंचती है, बंदर उन्हें पहचानकर उनके आसपास इकट्ठा हो जाते हैं।

मोदी राज में भाजपा...

पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। प्रधानमंत्री मोदी ने मंच पर पहुंचने के बाद जनादेश के प्रति सम्मान प्रकट करते हुए लोगों की ओर मुख करके घुटनों के बल झुककर जैसे ही हाथ जोड़े और मंच पर नत मस्तक हुए, ऐतिहासिक स्थल पर एकत्र भाजपा के हजारों समर्थकों ने जोरदार नारों और तालियों से उनका स्वागत किया। भवानीपुर और नंदीग्राम, दोनों विधानसभा क्षेत्रों से जीत हासिल करने वाले तथा भाजपा के आक्रामक चुनाव अभियान का चेहरा बनकर उभरे अधिकारी ने सबसे पहले शपथ ली। उनके बाद भाजपा के वरिष्ठ नेता और पार्टी की प्रदेश इकाई के पूर्व अध्यक्ष दिलीप घोष ने मंत्री के रूप में शपथ ली। भाजपा विधायक अग्निमित्रा पॉल, अशोक कीर्तनिया, क्षुदिराम टुडू और निशीथ प्रामाणिक को भी मंत्री पद की शपथ दिलाई गई। यह छह सदस्यीय मंत्रिमंडल सामाजिक और क्षेत्रीय संतुलन साधने की भाजपा की कोशिश के रूप में देखा जा रहा है। इसमें ब्राह्मण, अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी), जनजातीय, मतुआ और राजबंशी समुदायों को प्रतिनिधित्व दिया गया है। शुभेंदु अधिकारी ब्राह्मण हैं, घोष अन्य पिछड़ा वर्ग समुदाय का प्रतिनिधित्व करते हैं, अग्निमित्रा पॉल कायस्थ हैं, कीर्तनिया मतुआ समुदाय का प्रमुख चेहरा हैं, टुडू जंगलमहल के जनजातीय क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करते हैं जबकि प्रामाणिक उत्तर बंगाल के प्रभावशाली राजबंशी नेता माने जाते हैं। भाजपा के पहले मंत्रिमंडल में दो मंत्री उत्तर बंगाल और तीन दक्षिण बंगाल से हैं। इससे अलग-अलग क्षेत्रों में अपना समर्थन मजबूत करने की पार्टी की कोशिश रेखांकित होती है। मंत्रियों की पहली सूची में कोलकाता से किसी प्रतिनिधि को जगह नहीं मिली जबकि इस शहर ने बंगाल की कुछ सबसे बड़ी राजनीतिक हस्तियां और मुख्यमंत्री दिए हैं। सूत्रों ने बताया कि भाजपा सरकार के बाकी मंत्रियों को सोमवार को राजभवन में शपथ दिलाए जाने की संभावना है। नए मंत्रिमंडल की पहली बैठक भी उसी दिन हो सकती है। मंत्रियों के विभागों की घोषणा अभी नहीं की गई है। ब्रिगेड परेड ग्राउंड को कभी वाम दलों का वैचारिक गढ़ माना जाता था और बाद में तृणमूल कांग्रेस ने भी इसे अपनी राजनीतिक ताकत दिखाने के प्रमुख मंच के रूप में इस्तेमाल किया।

मंत्रियों का पहला समूह : मंत्रियों के पहले समूह में उन प्रमुख सामाजिक और चुनावी क्षेत्रों को महत्व देने की भाजपा की कोशिश दिखाई दी, जिन्होंने उसकी जीत में योगदान दिया। दिलीप घोष खड़गपुर सदर सीट से फिर विधानसभा पहुंचे हैं। उन्होंने यह सीट पहली बार 2016 में जीती थी। फैशन डिजाइनर से नेता बनीं अग्निमित्रा पॉल 2019 के लोकसभा चुनाव के बाद भाजपा में शामिल हुईं और पार्टी में तेजी से आगे बढ़ते हुए बंगाल में भाजपा महिला मोर्चा की अध्यक्ष बनीं। अशोक कीर्तनिया ने बनगांव उत्तर सीट बरकरार रखी जिससे बांग्लादेश की सीमा से लगे राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण मतुआ क्षेत्र में भाजपा की पकड़ मजबूत हुई। निशीथ प्रामाणिक 2019 में कूचबिहार से लोकसभा पहुंचे थे और बाद में केंद्रीय गृह मंत्रालय में राज्य मंत्री बने। वह माथाभांगा विधानसभा सीट जीतकर राज्य की राजनीति में लौटे हैं।

बंगाल की राजनीति में एक ...

गया, यह जनादेश केवल सरकार बदलने के लिए नहीं है, बल्कि यह पश्चिम बंगाल में विकास, सुशासन और नयी कार्य संस्कृति स्थापित करने के जनसंकल्प को दर्शाता है। उन्होंने विश्वास जताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व और केंद्र तथा राज्य में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की 'डबल इंजन' सरकार की ताकत से पश्चिम बंगाल विकास की नयी ऊंचाइयों को हासिल करेगा। साय ने कहा कि नयी सरकार युवाओं के लिए बेहतर रोजगार के अवसर पैदा करेगी, किसानों के लिए समृद्धि के नए रास्ते खोलेगी और महिलाओं के लिए अधिक सुरक्षित तथा सशक्त वातावरण सुनिश्चित करेगी।

सारस की मां...

सारस को बचाने के लिए समर्पित किया है , जो दुनिया में सारस की दूसरी सबसे दुर्लभ प्रजाति है। आज वयस्क ग्रेटर एडजुटेंट सारसों की संख्या 1,200 से भी कम है, जो एक सदी पहले की संख्या का 1 प्रतिशत से भी कम है। उन्होंने 2007 में सारस के संरक्षण के लिए अपना अभियान शुरू किया, जिसका ध्यान असम के कामरूप जिले के उन गांवों पर केंद्रित था जहां ये पक्षी सबसे अधिक संख्या में पाए जाते थे-और जिनका सबसे कम स्वागत किया जाता था। बर्मन जानती थी कि उसे इस पक्षी के बारे में लोगों की धारणाओं को बदलना होगा, जिसे स्थानीय रूप से असमिया में हरगिला (जिसका अर्थ है हड्डी निगलने वाला) कहा जाता है, और उसने अपनी मदद के लिए गांव की महिलाओं के एक समूह को संगठित किया। आज हरगिला सेना में 10,000 से अधिक महिलाएं शामिल हैं। वे घोंसलों की रक्षा करती हैं, घोंसलों से गिरे घायल सारसों का पुनर्वास करती हैं और नवजात चूजों के आगमन का जश्न मनाने के लिए बेबी शावर का आयोजन करती हैं। ग्रेटर एडजुटेंट सारस लोकगीतों, कविताओं, त्योहारों और नाटकों में नियमित रूप से दिखाई देता है।

माता-पिता कभी जंगल ...

लंबी उड़ान में छत्तीसगढ़ सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं ने 'कैशलेस सपोर्ट' और आर्थिक संबल प्रदान किया। लघु वनोपज संघ की छात्रवृत्ति ने स्कूल से कॉलेज तक की पढ़ाई के दौरान इस छात्रवृत्ति ने आर्थिक बोझ को कम किया। राज्य शासन की पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति योजना से उन्हें निरंतर वित्तीय सहायता मिली, जिससे वे अपनी तैयारी पर ध्यान केंद्रित कर सके।

गुमशुदा की तलाश

निश्थि लाल (78 वर्ष) पिता रामभूरेलाल, निवासी- भाठागांव, ब्लाक नं. 01/22, BSUP कालोनी, मुस्लिम मोहल्ला, थाना-पुरानी बस्ती रायपुर (छ.ग.) रंग-सांवला, हाईट-5.2'', चेहरा- गोल, कपड़ा- सफेद लाइनिंग कलर का शर्ट, कत्था पेंट, हिंदी-छत्तीसगढ़ी बोलता है। मानसिक स्थिति ठीक नहीं है। किसी व्यक्ति को मिले या दिखे तो नीचे लिखे नंबर पर संपर्क करें।

आलवीन लाल
मो. 95891 47606, 9630224933

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे

विविध विद्युतीकरण कार्य हेतु निविदा सूचना

निविदा सूचना क्रमांक : 17-सीईई-एसईसीआर-सी-2026. दिनांक : 06.05.2026

कार्य का नाम : "द.पू.म. रेल्वे, के बिलासपुर मण्डल में बिलासपुर वार्ड के पुनर्निर्माण, संशोधन और यार्ड विस्तार के सम्बंधित, में २५ के. वी., ५० हर्ट्ज, सिंगल फेज ए. सी. विद्युतीकरण का शेष कार्य, जिसमें ऊपरी उपस्कर उपकरण कार्य के लिए विशेष डिजाईन, ऊपरी उपस्कर उपकरण संरचनाओं के बाधाओं को संशोधित नवीनतम ESP और SIP के अनुसार हटाना और सेक्शनिंग को सुगम बनाने का कार्य।

निविदा मूल्य: ₹ 9,75,27,589.53/- (रुपये नौ करोड़ पचहत्तर लाख सत्ताईस हजार पांच सौ नवासी और तिरपन पैसे मात्र)। **बयाना राशि: ₹ 19,50,600/-** (रुपये उन्नीस लाख पचास हजार छः सौ मात्र)। **निविदा बंद होने का समय एवं दिनांक : 28.05.2026 को 15:30 बजे। निविदा खोलने का समय एवं दिनांक : 28.05.2026 को 15:45 बजे। कार्य पूर्णता की अवधि:** स्वीकृति पत्र जारी होने की तारीख से 12 (बारह) माह।

वेबसाइट का विवरण तथा नोटिस बोर्ड का स्थान : ऊपर दिए गए कार्य के लिए विस्तृत जानकारी/ई-निविदा दस्तावेज पात्रता का मापदंड तथा अन्य विस्तृत विवरण हेतु ई-निविदा कागजात, जो हमारी वेबसाइट **http://www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है उसे डाउनलोड कर/देख सकते हैं।

उप मुख्य विद्युत अभि. (निर्माण)/मुख्या.
सीपीआर/10/100 द.पू.म. रेलवे, बिलासपुर
South East Central Railway @secrail

अमेरिका ने वेनेजुएला का हाईली एनरिच्ड यूरेनियम निकाला

वाशिंगटन। अमेरिका ने वेनेजुएला से 13.5 किलो हाईली एनरिच्ड यूरेनियम हटाया है। यह यूरेनियम कई साल से वहां के एक पुराने रिसर्च रिएक्टर में रखा था। अमेरिका ने शुक्रवार को बताया कि यूरेनियम को कराकास के पास मौजूद साइट से हटाया गया और फिर सुरक्षित तरीके से अमेरिका भेजा गया। यह ऑपरेशन अमेरिका, वेनेजुएला, ब्रिटेन और आईएईए ने मिलकर किया। यूएस डिपार्टमेंट ऑफ एनर्जी के मुताबिक यूरेनियम को जमीन और समुद्र के रास्ते अमेरिका पहुंचाया गया।

अगवा की गई महिला को असम राइफल्स ने सुरक्षित छुड़ाया

कामजोंग (मणिपुर)। असम राइफल्स के संयुक्त प्रयासों से कुकी नेशनल आर्मी बर्मा (केएनए-बी) और विलेज वालंट्रीज एस्टर्न जोन द्वारा अगवा की गई एक महिला को सुरक्षित छुड़ा लिया गया। एक आधिकारिक बयान के मुताबिक, महिला को शनिवार को जेड कोरो गांव के दक्षिण में, घटना स्थल के पास असम राइफल्स, खुफिया एजेंसियों और अन्य सुरक्षा एजेंसियों की निगरानी में रिहा किया गया। बयान के अनुसार, महिला के पति, गांव के मुखिया और सिविल सोसायटी संगठनों (सीएसओएस) के प्रतिनिधियों को भी फाइकोह के पास ह्यूमाइन थाने लाया गया, जहां सुरक्षा बलों ने महिला की रिहाई सुनिश्चित की। रिहाई के बाद परिवार और सीएसओएस को औपचारिक दस्तावेजी प्रक्रिया और हैंडओवर के लिए चासाद स्थित यूनिट मुख्यालय ले जाया गया। इसके बाद परिवार, गांव के मुखिया और सीएसओएस अपने गांव खांगपत खन लौट गए। पूरी प्रक्रिया के दौरान हर स्तर पर समन्वय किया गया।

शब्द पहेली - 6221

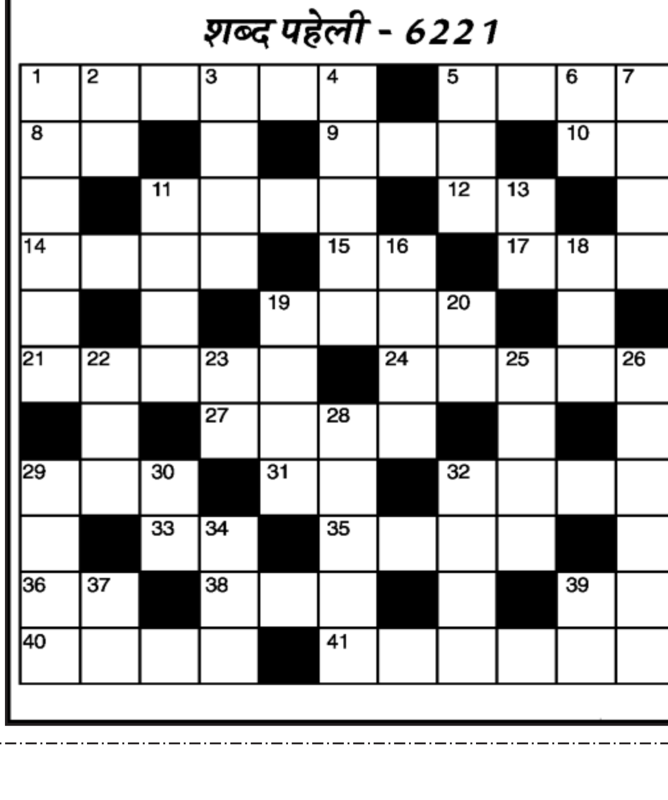

बाएँ से दाएँ
1.उपासना करना-6
5.अलमस्त, उत्साही-4
8. हरे रंग का-2
9.चाह,इच्छा-3
10.अधिकार,आरोप-2
11.निर्दय, हिंसक-4
12.आंदोलन-2
14.सज्जन,सभ्य-4
15.स्मृति,अविस्मरण-2
17.रूखा, रसहीन-3
19.गुप्तचर-4
21.संकट मोचक,नाविक-5
24.चुगली करना-5
27.नेता पथ प्रदर्शक-4
29.प्रेम,चाहत-3
31.एक ग्रह-2
32.अनर्गल प्रलाप-4
33.नौकर,सेवक-2
35.उद्विग्न,आतुर-4
36.श्रवणेंद्रिय-2
38.दीपक,दिया-3
39.बोलने के लिये कहना-2
40.एक मुस्लिम महीना-4
41.सहायता करना-3,3

ऊपर से नीचे
1.सहिष्णुता,उदारता-6
2.थोड़ा,कम-2
3.कपड़ों के टुकड़े-4
4.असफल-5
5.राजी करना-3
6.वजन,वायदा-2
7.अनाथ,बेवारिस-4
11.वैधव्य-4
13.राजा की पत्नी-2
16.टूटना-4
18.धावक (अंग्रेजी-3)
19.खबरी,खबर देने वाला-4
20.हमारा पड़ोसी देश-2
22.घूमना-3
23.पराजय-2
25.खतरनाक, खौफनाक-4
26.पसंद नहीं होना, अस्वीकृत-4,2
28.अशोक कुमार, मीना कुमारी, प्रदीप कुमार की फिल्म-5
29.हमले का जवाब देना,प्रतिशोध-4
30.कभी-2
32.जब्त,प्राप्त होना-4
34.मास्टर ब्लास्टर-3
37.भीगा हुआ-2
39.टैक्स,हाथ-2

शब्द पहेली- 6220 का हल

■	ब	ल	शा	ली	■	रु	ख	सा	र	■
अ	न	■	ली	■	प	त	न	■	जा	न
न	■	ज	मा	दा	र	■	न	म	■	फा
म	ग	रु	र	■	■	आ	■	द	र	स
ना	■	र	■	अ	ज	ग	र	■	वा	त
■	मि	त	वा	■	ही	■	स	प	ना	■
म	ल	■	दा	वा	न	ल	■	य	■	फि
त	न	य	■	ल	■	■	ह	ज	र	त
ल	■	म	त	■	का	र्या	ल	य	■	र
बी	ज	■	म	का	न	■	च	■	सा	त
■	य	ल	गा	र	■	ब	ल	शा	ली	■

सूडोकु नवताल - 6231

★☆☆☆☆ सरल

5	9			3			8	7
8	7		1		5			
		2			9			4
	6				2		3	5
3	8		4	1	7		2	9
2	4		6				1	
7			3			8		
			5		8		7	3
9	3			2			6	1

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- ■ *प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.*
- ■ *प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.*
- ■ *पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .*
- ■ *पहेली का केवल एक ही हल है.*

सूडोकु नवताल - 6230 का हल

7	4	8	3	9	2	1	5	6
2	6	9	5	7	1	8	4	3
3	1	5	4	8	6	7	2	9
5	7	4	8	6	9	3	1	2
8	9	1	2	3	4	6	7	5
6	3	2	1	5	7	4	9	8
4	8	7	6	2	5	9	3	1
9	2	6	7	1	3	5	8	4
1	5	3	9	4	8	2	6	7

बाजार गिरे या चढ़े, बढ़ेगा पैसा ऐसे बनाएं निवेश का मास्टर प्लान

एक्सपर्ट के 5 फॉर्मूले अपनाने से आपका पोर्टफोलियो बनेगा 'मुनाफे की मशीन'

70:30 फॉर्मूला सुरक्षित निवेश और तेज ग्रोथ का संतुलन बनाएगा

मजबूत फंडामेंटल्स वाली कंपनियां बनती हैं लंबी रेस के घोड़े, विविधीकरण से घटेगा जोखिम

बिजनेस डेस्क

भारतीय शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव कोई नई बात नहीं है, लेकिन 2026 का बाजार पहले से ज्यादा जटिल और अवसरों से भरा हुआ नजर आ रहा है। ऐसे समय में निवेशकों के सामने सबसे बड़ा सवाल यही होता है कैसे निवेश करें, ताकि जोखिम भी कम रहे और रिटर्न भी बेहतर मिले? पर्सनल फाइनेंस एक्सपर्ट्स का मानना है कि सही रणनीति, अनुशासन और धैर्य के साथ कोई भी निवेशक अपने पोर्टफोलियो को "मुनाफे की मशीन" में बदल सकता है। आज के दौर में केवल शेयर खरीदना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि यह समझना भी जरूरी है कि किस तरह का पोर्टफोलियो हर तरह के बाजार चाहे तेजी हो या गिरावट में संतुलन बनाए रख सके। निवेश का असली खेल 'टाइमिंग' नहीं, बल्कि 'टाइम इन मार्केट' है। यानी जितना ज्यादा समय आप बाजार में टिके रहते हैं, उतना ही ज्यादा कंपाउंडिंग का फायदा मिलता है। विशेषज्ञों के अनुसार, 2026 में निवेश के लिए '70:30' का फॉर्मूला सबसे प्रभावी रणनीतियों में से एक माना जा रहा है। इस फॉर्मूले के तहत निवेशक अपने पोर्टफोलियो का 70% हिस्सा मजबूत और स्थापित कंपनियों में लगाते हैं, जिन्हें 'कोर होल्डिंग्स' कहा जाता है। ये कंपनियां मजबूत बैलेंस शीट, बेहतर मैनेजमेंट और स्थिर आय के लिए जानी जाती हैं। बाजार में गिरावट के समय यही कंपनियां आपके निवेश को सुरक्षा देती हैं। वहीं, बाकी 30% हिस्सा 'टैक्टिकल इन्वेस्टमेंट' के लिए रखा जाता है। इसमें उभरते हुए सेक्टर्स, हाई ग्रोथ कंपनियां या शॉर्ट-टर्म ट्रेंड्स को ध्यान में रखकर निवेश किया जाता है। यह हिस्सा आपके पोर्टफोलियो को अतिरिक्त ग्रोथ देने का काम करता है। इस तरह यह फॉर्मूला सुरक्षा और आक्रामक ग्रोथ के बीच संतुलन बनाता है।

गिरावट में घबराएं नहीं, मौके पहचानें, धैर्य बनाए रखें

सही कंपनी का चयन ही असली खेल

शेयर बाजार में सफल निवेश केवल सही समय पर पैसा लगाने से नहीं, बल्कि सही कंपनी चुनने से तय होता है। विशेषज्ञों के अनुसार निवेश करने से पहले कंपनी के बिजनेस मॉडल, वित्तीय स्थिति और उसकी 'इकोनॉमिक मोट' को समझना बेहद जरूरी है। 'इकोनॉमिक मोट' का अर्थ उस विशेष ताकत से है, जो किसी कंपनी को प्रतिस्पर्धियों से अलग और मजबूत बनाती है। यह ताकत मजबूत ब्रांड वैल्यू, उन्नत तकनीक, बड़ा मार्केट शेयर, कम लागत पर उत्पादन या ग्राहकों का भरोसा हो सकती है।यदि किसी कंपनी का कारोबार लगातार बढ़ रहा हो, उसका कर्ज नियंत्रित हो और प्रबंधन पारदर्शी तरीके से काम करता हो, तो बाजार में आने वाली अस्थायी गिरावट का उस पर सीमित असर पड़ता है। ऐसी कंपनियां लंबे समय में निवेशकों को स्थिर और बेहतर रिटर्न देने की क्षमता रखती हैं।विशेषज्ञों का मानना है कि केवल सोशल मीडिया ट्रेंड, अफवाहों या 'हॉट टिप्स' के आधार पर निवेश करना जोखिम बढ़ा सकता है। निवेशकों को जल्दबाजी से बचते हुए कंपनी के फंडामेंटल्स, भविष्य की संभावनाओं और बिजनेस की गुणवत्ता का गहराई से विश्लेषण करना चाहिए।

विविधीकरण और लंबी अवधि

निवेश की दुनिया में एक पुरानी कहावत है "सारे अंडे एक टोकरी में मत रखो।" यही सिद्धांत शेयर बाजार में भी लागू होता है। विविधीकरण का मतलब है अपनी पूंजी को अलग-अलग सेक्टर्स और कंपनियों में बांटना ताकि किसी एक सेक्टर में गिरावट का असर पूरे पोर्टफोलियो पर न पड़े। उदाहरण के तौर पर, अगर आप केवल आईटी सेक्टर में निवेश करते हैं और उस सेक्टर में गिरावट आती है, तो आपका पूरा निवेश प्रभावित हो सकता है। लेकिन अगर आपने फाइनेंशियल, कंजम्पशन, मैन्युफैक्चरिंग और फार्मा जैसे अलग-अलग सेक्टर्स में निवेश किया है, तो एक सेक्टर की कमजोरी दूसरे सेक्टर की मजबूती से संतुलित हो सकती है। इसके साथ ही, लंबी अवधि का नजरिया बेहद जरूरी है। कई निवेशक छोटी-छोटी गिरावट से घबरा जाते हैं और जल्दबाजी में अपने निवेश को बेच देते हैं। लेकिन इतिहास बताता है कि जो निवेशक लंबे समय तक टिके रहते हैं, वही असली फायदा उठाते हैं। कंपाउंडिंग की ताकत समय के साथ ही काम करती है और धीरे-धीरे आपकी संपत्ति को कई गुना बढ़ा देती है और आपको पता भी नहीं चलता।

भावनाओं पर नियंत्रण सफल निवेशक की असली पहचान

शेयर बाजार में सफलता केवल ज्ञान या जानकारी से नहीं मिलती, बल्कि आपके व्यवहार और मानसिकता पर भी निर्भर करती है। बाजार में गिरावट के समय घबराहट और तेजी के समय लालच ये दोनों भावनाएं निवेशकों को गलत फैसले लेने पर मजबूर करती हैं। एक सफल निवेशक वही होता है जो इन भावनाओं पर नियंत्रण रख सके। जब बाजार गिरता है, तो उसे खतरे के बजाय अवसर के रूप में देखना चाहिए बशर्ते कंपनी के फंडामेंटल्स मजबूत हों। वहीं, तेजी के दौर में बिना सोचे-समझे निवेश करने से बचना चाहिए। एक तरह से निवेश में 'इमोशनल फायरवॉल' बनाना जरूरी है, जो आपको बाजार के शोर से दूर रखे और आपके फैसलों को तार्किक बनाए रखे। अनुशासन और धैर्य ही लंबे समय में बड़ी संपत्ति बनाने का आधार होते हैं।

सादगी, अनुशासन व धैर्य ही असली मंत्र

2026 के बदलते आर्थिक माहौल में निवेश करना चुनौतीपूर्ण जरूर है, लेकिन असंभव नहीं। अगर आप 70:30 का संतुलित फॉर्मूला अपनाते हैं, मजबूत फंडामेंटल्स वाली कंपनियों को चुनते हैं, अपने निवेश को विविध बनाते हैं और भावनाओं पर नियंत्रण रखते हैं, तो बाजार की हर स्थिति में अपनी संपत्ति को बढ़ा सकते हैं। याद रखें, शेयर बाजार में कोई शॉर्टकट नहीं होता। यहां सफलता उन्हीं को मिलती है जो धैर्य रखते हैं, अनुशासन का पालन करते हैं और लंबी अवधि के लिए निवेश करते हैं। अगर आप इन सिद्धांतों पर टिके रहते हैं, तो बाजार चाहे गिरे या चढ़े आपकी दौलत लगातार बढ़ती जाएगी।

पहली ईएमआई चल रही है, फिर भी चाहिए लोन?

आज के समय में लगभग हर दूसरा व्यक्ति किसी न किसी लोन की ईएमआई चुका रहा है। चाहे वह होम लोन हो, कार लोन या फिर क्रेडिट कार्ड का बकाया। ऐसे में जब अचानक पैसों की जरूरत पड़ती है, तो सबसे बड़ा सवाल यही उठता है कि क्या पहले से ईएमआई चलने के बावजूद नया लोन मिल सकता है? जवाब है हां, मिल सकता है, लेकिन इसके लिए कुछ जरूरी शर्तों को पूरा करना होता है। बैंक सिर्फ आपकी सैलरी देखकर लोन मंजूर नहीं करते, बल्कि यह भी देखते हैं कि आपकी आय का कितना हिस्सा पहले से ईएमआई में जा रहा है और आपके पास कितना पैसा बच रहा है। यही गणित तय करता है कि आप नए लोन के लिए योग्य हैं या नहीं।

एफओआईआर क्या है

जब आप किसी बैंक या फाइनेंशियल संस्थान में लोन के लिए आवेदन करते हैं, तो सबसे पहले आपकी आय और खर्च का विश्लेषण किया जाता है। इसमें एक अहम भूमिका निभाता है एफओआईआर यानी फिक्स्ड ऑब्जेक्शन टू इनकम रेशियो। एफओआईआर यह बताता है कि आपकी कुल मासिक आय का कितना हिस्सा पहले से चल रही ईएमआई में खर्च हो रहा है। उदाहरण के तौर पर, अगर आपकी सैलरी 1 लाख रुपये है और आप 40,000 रुपये ईएमआई दे रहे हैं, तो आपका एफओआईआर 40% होगा। बैंक आमतौर पर 50% से कम एफओआईआर को सुरक्षित मानते हैं। अगर यह अनुपात 60% या उससे ज्यादा हो जाता है, तो बैंक को लगता है कि आप पर कर्ज का बोझ ज्यादा है, जिससे नए लोन की मंजूरी मुश्किल हो सकती है।

ईएमआई ज्यादा होने पर मुश्किल

जितनी ज्यादा आपकी मौजूदा ईएमआई होगी, उतनी ही कम आपकी नई लोन लेने की क्षमता होगी। बैंक यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि आप नया लोन भी बिना किसी परेशानी के चुका सकें। अगर आपकी आय का बड़ा हिस्सा पहले से ईएमआई में जा रहा है, तो बैंक के लिए यह जोखिम बढ़ जाता है कि आप भविष्य में भुगतान करने में चूक कर सकते हैं। इसी वजह से ज्यादा ईएमआई वाले ग्राहकों को या तो लोन नहीं मिलता या फिर कम राशि का लोन ऑफर किया जाता है।

लोन का प्रकार भी करता है असर

- सिर्फ ईएमआई की राशि ही नहीं, बल्कि यह भी मायने रखता है कि आपका लोन किस प्रकार का है।
- होम लोन : इसे सबसे सुरक्षित माना जाता है, क्योंकि इसके बदले संपत्ति गिरवी होती है।
- कार लोन: मध्यम जोखिम की श्रेणी में आता है।
- पर्सनल लोन: इसमें जोखिम ज्यादा होता है, क्योंकि यह बिना किसी गारंटी के दिया जाता है।
- क्रेडिट कार्ड बकाया: इसे सबसे ज्यादा जोखिम वाला माना जाता है।
- बैंक ऐसे ग्राहकों को प्राथमिकता देते हैं, जिनका कर्ज संतुलित और नियंत्रित होता है। अगर आपके पास ज्यादा अनसिक्योर्ड लोन (जैसे पर्सनल लोन या क्रेडिट कार्ड) हैं, तो नया लोन मिलने में दिक्कत हो सकती है।

क्या ईएमआई कम करके बढ़ा सकते हैं लोन की संभावना?

अगर आप नया लोन लेना चाहते हैं, तो अपनी मौजूदा ईएमआई को कम करना एक अच्छा उपाय हो सकता है। इसके लिए आप छोटे-छोटे लोन पहले बंद कर सकते हैं। मान लीजिए आपकी सैलरी 1 लाख रुपये है और ईएमआई 50,000 रुपये है (एफओआईआर = 50%)। अगर आप 5,000 रुपये की ईएमआई वाला लोन बंद कर देते हैं, तो एफओआईआर घटकर 45% हो जाएगा। इससे आपकी लोन लेने की क्षमता बढ़ सकती है। हालांकि, यह ध्यान रखना जरूरी है कि लोन बंद करने के बाद इसका असर आपके क्रेडिट रिकॉर्ड में दिखने में 30–45 दिन का समय लग सकता है।

क्रेडिट स्कोर बनाम ईएमआई

लोन लेते समय क्रेडिट स्कोर भी एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। आमतौर पर 750 या उससे अधिक का स्कोर अच्छा माना जाता है और इससे बैंक का भरोसा बढ़ता है। लेकिन सिर्फ अच्छा क्रेडिट स्कोर होना ही काफी नहीं है। अगर आपकी ईएमआई पहले से ज्यादा है और एफओआईआर उच्च स्तर पर है, तो लोन मिलने में परेशानी हो सकती है।

सरल शब्दों में ऐसे समझें

- क्रेडिट स्कोर बैंक का भरोसा बढ़ाता है
- एफओआईआर (ईएमआई का बोझ) तय करता है कि कितना लोन मिलेगा
- नया लोन लेने से पहले ध्यान रखें ये बातें
- अपनी सभी ईएमआई की सही जानकारी बैंक को दें, कुछ भी छिपाने की कोशिश न करें।
- कोशिश करें कि आपकी कुल ईएमआई आपकी आय के 40% के आसपास ही रहे।
- छोटे और अनावश्यक लोन को पहले बंद करें।
- क्रेडिट कार्ड का बकाया समय पर चुकाएं।
- खर्च और कर्ज के बीच संतुलन बनाए रखें।
- सही बैलेंस से ही मिलेगा नया लोन

सही संतुलन बनाए रखें

अगर आपके ऊपर पहले से ईएमआई चल रही है, तो इसका मतलब यह नहीं है कि आपको नया लोन नहीं मिल सकता। लेकिन इसके लिए जरूरी है कि आप अपनी आय, खर्च और कर्ज के बीच सही संतुलन बनाए रखें।

डिफेंस म्यूचुअल फंड्स में 25% की छलांग मौका या जोखिम?

- एक माह की रैली ने निवेशकों के लिए बढ़ाया आकर्षण
- लेकिन एक्सपर्ट्स ने दे दी सावधानी बरतने की सलाह
- जियोपॉलिटिकल हालात व बढ़ते रक्षा खर्च ने दी रफ्तार

ऐसे में क्या करें निवेशक

पिछले एक महीने में डिफेंस सेक्टर से जुड़े म्यूचुअल फंड्स ने करीब 20% से 25% तक का शानदार रिटर्न दिया है। इतनी तेज बढ़त ने निवेशकों का ध्यान अपनी ओर खींचा है और कई लोग इस सेक्टर में निवेश के अवसर तलाशने लगे हैं। लेकिन बाजार विशेषज्ञों का मानना है कि इस तेजी के पीछे मजबूत फंडामेंटल्स से ज्यादा जियोपॉलिटिकल कारण और बाजार का मोमेंटम जिम्मेदार है। ऐसे में बिना सोचे-समझे निवेश करना जोखिम भरा साबित हो सकता है। जानकारों के अनुसार, निवेशकों को सिर्फ हालिया रिटर्न देखकर फैसले नहीं लेने चाहिए। बाजार में छोटी अवधि की तेजी अक्सर बाहरी घटनाओं से प्रभावित होती है, जबकि लंबी अवधि में किसी भी निवेश का प्रदर्शन उसकी कमाई, वैल्यूएशन और बिजनेस ग्रोथ पर निर्भर करता है।

जियोपॉलिटिकल तनाव बना तेजी का बड़ा कारण

डिफेंस सेक्टर में आई हालिया तेजी का मुख्य कारण वैश्विक स्तर पर बढ़ते तनाव और युद्ध जैसी परिस्थितियां हैं। जब दुनिया में अस्थिरता बढ़ती है, तो सरकारें रक्षा खर्च बढ़ाती हैं, जिससे इस सेक्टर की कंपनियों को अधिक ऑर्डर मिलने लगते हैं। इसका सीधा असर इन कंपनियों के शेयरों और उनसे जुड़े म्यूचुअल फंड्स पर पड़ता है। हालांकि लंबे समय में डिफेंस सेक्टर की संभावनाएं मजबूत हैं जैसे कि भारत में स्वदेशीकरण को बढ़ावा, बढ़ता रक्षा बजट और मजबूत ऑर्डर बुक, लेकिन इस सेक्टर में प्रोजेक्ट्स को पूरा होने में समय लगता है।

'मोमेंटम फेज' में है डिफेंस सेक्टर

फिलहाल डिफेंस सेक्टर एक 'मोमेंटम फेज' से गुजर रहा है। यानी बाजार में तेजी से पैसा आ रहा है और निवेशकों का झुकाव इस सेक्टर की ओर बढ़ गया है। एक ही महीने में 20-25% तक का रिटर्न इस बात का संकेत है कि कीमतें कंपनियों के वास्तविक प्रदर्शन से ज्यादा बाजार की भावना और निवेश के फ्लो से प्रभावित हैं।

एसआईपी बनाम लंपसम : कैसे करें निवेश?

हालिया तेजी के बाद डिफेंस सेक्टर के वैल्यूएशन ऊंचे हो चुके हैं। ऐसे में एकमुश्त (लंपसम) निवेश करना जोखिम भरा हो सकता है। इसके बजाय एसआईपी (सिस्टेमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान) के जरिए धीरे-धीरे निवेश करना बेहतर विकल्प है। एसआईपी का फायदा यह है कि निवेशक बाजार के उतार-चढ़ाव को औसत कर सकता है और जोखिम को कम कर सकता है।

डाइवर्सिफिकेशन ही सुरक्षित रास्ता

एक्सपर्ट्स का मानना है कि सीधे डिफेंस सेक्टर में निवेश करने के बजाय डाइवर्सिफाइड इक्विटी फंड्स में निवेश करना ज्यादा सुरक्षित है। जैसे फ्लेक्सी कैप, मल्टी कैप और लार्ज एंड मिड कैप फंड्स—ये विभिन्न सेक्टर्स में निवेश करते हैं और जोखिम को संतुलित रखते हैं। इन फंड्स में डिफेंस सेक्टर का एक्सपोजर भी होता है, लेकिन यह सीमित होता है, जिससे निवेशक को इस सेक्टर की ग्रोथ का फायदा तो मिलता है, लेकिन जोखिम कम रहता है। डिफेंस म्यूचुअल फंड्स में हालिया तेजी आकर्षक जरूर है, लेकिन यह स्थायी नहीं हो सकती। निवेशकों को केवल शॉर्ट टर्म रिटर्न देखकर निर्णय लेने से बचना चाहिए।

HMS ARSH-RAHAT
आयुर्वेदिक हानिरहित बवासीर का दवा
अर्श-राहत
बवासीर की समस्त समस्याओं से 5 दिनों में छुटकारा दिलाता है व दुबारा होने से भी रोकता है। आपरेशन के खर्च व तकलीफ से बचना चाहते हैं तो अर्श-राहत का इस्तेमाल करें
HMS देखकर खरीदें
94060-21769
JHAIGO झाईगो 5+1 Cream
चेहरे को दागों से मुक्त कर सुंदरता बढ़ाये...
तो फिर क्या... बस इस बार झाईगो क्रीम उपयोग कर देखें।
क्या आपके... चेहरे पर झाईयां है? आंखो पर काले घेरे हैं? चेहरे पर मुहाँसे के काले निशान हैं? या जले या चोट के निशान हैं?

हरिभूमि HEALTH CARE
छत्तीसगढ़ के मेडिकल विशेषज्ञ

डायबिटिज मधुमेह का सर्वोत्तम इलाज - अब दिल्ली, मुंबई, चेन्नई क्यू जाना
मधुमीत डायबिटिज हॉस्पिटल | डॉ राका शिवहरे MBBS, MD FNIC FIPA | भर्ती सुविधा उपलब्ध
Ecg, Echo, Tmt, Doppler, Carotid, Doppler, Insulin, Pump, Cgms, Homa IR
शिव मंदिर चौक, अवंति विहार, रायपुर, मो. 8269885003, मो. 7389485756

डॉ. पर्णिता बघेल (स्त्री रोग विशेषज्ञ) डॉ. फिबी मसीह (स्त्री रोग विशेषज्ञ)
वसुधा केयर हॉस्पिटल (महिला एवं बच्चों का अस्पताल | प्लास्टिक एवं कास्मेटिक सर्जरी)
सुविधाएं • 24x7 डिलीवरी • शिशु रोग • दूरबीन द्वारा ऑपरेशन • सोनोग्राफी • बांझपन का इलाज • खून जांच
जीवन विहार कालोनी, सृष्टि प्लाजो के पास, अवंति विहार रोड, तेलीबांधा, रायपुर, मो. 0771-3523209, 7880001064, 7880001062

Sai Care Hospital श्री सांई केयर हॉस्पिटल
डॉक्टर से सेकंड ओपिनियन, बिना किसी फीस हर सामेवार शाम।
फ्री ओपीडी सेवा महीने के प्रत्येक सोमवार समय: शाम 5 बजे से 7 बजे तक
उपलब्ध सेवायें कैंसर केयर, डायबिटिक केयर, पाईल्स केयर
डायबिटीज (मधुमेह) उपचार, लिवर व किडनी रोग, पाइल्स (बवासीर) का ऑपरेशन, थाइरॉयड सर्जरी, हाई ब्लड प्रेशर (उच्च रक्तचाप), ब्रेस्ट लंप / ट्यूमर सर्जरी
आयुष्मान कार्ड द्वारा निःशुल्क ईलाज सुविधा उपलब्ध
शिव मंदिर के पास, अवंती विहार, तेलीबांधा, रायपुर (छ.ग.) | बुक अपॉइंटमेंट : 0771-4020089, 9630067422

डॉ. राठौर चेस्ट क्लिनिक
दमा, टी.बी., छाती एवं एलर्जी रोग विशेषज्ञ
सुविधाएं : पी.एफ.टी., ब्रांकोस्कोपी, स्लीप स्टडी
स्पेशलिस्ट : खांसी, श्वांस, दमा, टी.बी., निमोनिया, एलर्जी फेफड़े का कैंसर, खर्राटे व नींद
समय दोपहर 2.00 बजे से शाम 7.00 बजे तक (रविवार अवकाश)
गरचा कॉम्प्लेक्स, कचहरी चौक, जेल रोड, रायपुर मो. 7999450384, 7042974029

AB आई हॉस्पिटल
लेज़र मोतियाबिंद ऑपरेशन किफायती दरों में
आयुष्मान कार्ड एवं इंश्योरेंस सुविधा उपलब्ध
पता :- 119/A सेक्टर - 3, गीतांजली नगर, रायपुर | मो.: 8815096478

डायबिटिक क्लीनिक
डायबिटीज / शुगर संबंधी सभी समस्याएं, थायराइड, मोटापा, प्रेग्नेंसी डायबिटिस, फुलबॉडी चेकअप, डायबिटिक सेक्स रोग, नसों की सुन्नता।
Dr. Satyajeet Sahu Advance Dibetes & Thyroid care centre
Diabetic Clinic
Appointments No. 7724035770 9329004557 9303724304
17, गुरूकुल कॉम्पलेक्स, कालीबाड़ी रायपुर, समय - सुबह 10 से 5, शाम 6 से रात 9 बजे तक

दक्षिका हेल्थ केयर & डायबिटिक सेंटर
(डायबिटिक, थायरॉइड, ब्लड प्रेशर, ओबेसिटी, वैक्सीनेशन, हार्ट केयर)
ADULT VACCINATION CENTER
जहाँ Diabetes, Thyroid, Hypertension (Blood Pressure) का मिलता है Expert Care"
▪Better Experience ▪Fully Dedication ▪Accurate
डॉ. दीपक जायसवाल MBBS, MD (General Medicine) PGDIC, CCEBDM (Diabetes), FICP Senior Consultant Physician & Diabetologist
डॉ. नेहा रानी गुप्ता BDS, MDSDental Specialist (दंत सुविधा उपलब्ध)
पता : शॉप नं. 14 एवं 15, ग्राउंड फ्लोर, EDGE COMPLEX मोवा रायपुर : 9202222391, 8871865551, 7723068129

सिंघानिया स्किन केयर
सभी प्रकार के स्किन एवं बाल संबंधी समस्याओं का निदान, मुंहासे, झांई, झुर्रियों का इलाज, अनचाहे बालों हेतु लेजर ट्रीटमेंट
36, प्रथम तल, गुरूकुल कॉम्प्लेक्स कालीबाड़ी, रायपुर 0771-4053311 Email:bsinghania111@yahoo.co.in
Makeover Skin, Hair & Aesthetic Cente
रानी सती मंदिर के पास, केनाल लिंकिंग रोड, रवीनगर, राजातालाब, रायपुर
मो. 94252-14479 0771-4020411 www.makeoverraipur.com
त्वचा व बाल संबंधी समस्याओं का इलाज

Skin Care डॉ. नरेन्द्र अग्रवाल
चर्म एवं गुप्त रोग विशेषज्ञ
सुविधाएं • लेजर हेयर रिमूवल • कैमिकल पीलिंग • हाइड्रोफेशियल • रेडियोफ्रिक्वेंसी • कार्बन फेशियल • एलर्जी टेस्ट
रविवार अवकाश
क्लीनिक : छत्तीसगढ़ कॉलेज के सामने, सिविल लाईन, बैरनबाजार, रायपुर (छ.ग.) समय : सुबह 10:00 से 2:00 बजे तक
सिटी कोतवाली के पास, छोटापारा रोड, रायपुर (छ.ग.) शाम 5:00 से 8:30 बजे तक, फोन : 0771-2546760, 9300323131

डॉ. मनोज अग्रवाला
एमडी (सीएमसी वेल्लोर) (गोल्ड मेडलिस्ट)
स्किन क्लिनिक
सेवाएं • मुहासें • सोरासिस • स्किन एलर्जी • पिगमेंटेशन • विटिलियो / ल्यूकोडरमा • पीआरपी थेरेपी • एलोपेसिया • अर्टीकेरिया • फंगल इंफेक्शन • टेली कंसल्टेशन • लेजर थेरेपी
चौबे कॉलोनी, रायपुर (छत्तीसगढ़) 0771-4003777, 77778-76292

कान, नाक, गला, एलर्जी एवं वर्टिगो (चक्कर) कोअब्लेशन एवं लेजर सर्जरी हॉस्पिटल
डॉ. जाऊलकर ई.एन.टी. हॉस्पिटल
सेन्ट्रल एवेन्यू चौबे कालोनी प्रगति कॉलेज रायपुर (छ.ग.) (ISO 9001-2000 Certified)
फोन: 0771-4044551 समय: सुबह 9.30 से 4.30 तक

अष्टविनायक हॉस्पिटल
बच्चों एवं महिलाओं का अस्पताल
» प्रसूति » नवजात » शिशु रोग » बांझपन » सोनोग्राफी » आयुष्मान कार्ड » बच्चों एवं बडों के आपरेशन » अनुभवी डॉक्टर्स प्रतिदिन
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.), 9826182221 9301744425

अग्रवाल हॉस्पिटल (मल्टीस्पेशियेलिटी सेन्टर)
उपलब्ध विशेषताएं • लेप्रोस्कोपिक एवं जनरल सर्जरी • जनरल मेडीसीन • ऑर्थोपेडिक्स • जोड़ प्रत्यारोपण सर्जरी • ऑन्कोलॉजी (सर्जिकल) • गायनेकोलॉजी
लेप्रोस्कोपिक सर्जरी में सभी प्रकार की हार्निया, अपेन्डिक्स, पित की थैली, बच्चादानी आदि से संबंधित ऑपरेशन सभी तरह की कैंसर सर्जरी एवं कीमोथेरेपी की सुविधा उपलब्ध
जी.ई.रोड, आर.के.सी. कॉम्पलेक्स के सामने, रायपुर (छ.ग. 492001)
फोन: +91-0771-4088107/108, ईमरजेंसी नंबर 9109187755, डॉ. सजन अग्रवाल - 9329101037 OPD समय - शाम 4 से 6 बजे

विज्ञापन हेतु संपर्क करें:-
7987119756, 9303508130

मां-बेटी दोनों ने खेला इंटरनेशनल क्रिकेट, देश के लिए रचा इतिहास

10 मई को मदर्स डे मनाया जाएगा। ये दिन एक मां-बेटी की जोड़ी के लिए काफी खास है। इन दोनों ने ही इंटरनेशनल क्रिकेट खेला है। खास बात ये भी है कि बेटी ने दो देशों के लिए खेला है।

मदर्स डे पर विशेष

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

मदर्स डे हर साल मई के दूसरे रविवार को मनाया जाता है। इस साल 10 मई को मदर्स डे मनाया जाएगा। इस खास मौके पर हम आपको एक ऐसी मां-बेटी की जोड़ी के बारे में बताने जा रहे हैं, जिन्होंने इंटरनेशनल क्रिकेट खेला है। इस जोड़ी ने अलग-अलग पीढ़ियों में एक ही देश के लिए इंटरनेशनल क्रिकेट खेलकर इतिहास रचा। ये कहानी है ऑस्ट्रेलिया की स्टार ऑलराउंडर किम गार्थ और उनकी मां ऐनी-मैरी गार्थ की।

14 साल की उम्र में इंटरनेशनल डेब्यू

किम गार्थ ने सिर्फ 14 साल की उम्र में आयरलैंड की महिला टीम के लिए इंटरनेशनल डेब्यू कर दिया था। उस समय वह टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट खेलने वाली दुनिया की सबसे युवा खिलाड़ी बन गई थीं। आयरलैंड के लिए किम ने 34 वनडे मैचों में 448 रन बनाए और 23 विकेट झटके। वहीं 51 टी20 इंटरनेशनल मैचों में उन्होंने 762 रन बनाए साथ ही 42 विकेट भी लिए, जिसके चलते फरवरी 2021 में उन्हें दशक की बेस्ट आयरलैंड महिला क्रिकेटर का खिताब भी मिला।

2020 में किम पहुंची ऑस्ट्रेलिया

लेकिन 2020 में किम ने अपना रुख ऑस्ट्रेलिया की ओर किया। उन्होंने क्रिकेट विक्टोरिया के साथ कॉन्ट्रैक्ट साइन किया और मेहनत के बाद 2022 में ऑस्ट्रेलिया की नेशनल टीम में जगह बनाई। अब वह तीनों फॉर्मेट में कंगारू टीम के लिए खेल रही हैं और दुनिया की बेहतरीन ऑलराउंडरों में शुमार हैं।

मां ने खेला इंटरनेशनल क्रिकेट

किम की मां ऐनी-मैरी गार्थ भी आयरलैंड की महिला टीम के लिए खेल चुकी हैं। उन्होंने 1988-89 के दौरान 12 वनडे मैच खेले, जिनमें 6 विकेट लेने के साथ 14 रन भी बनाए। क्रिकेट सिर्फ किम और उनकी मां तक ही सीमित नहीं है। उनके पिता जोनाथन गार्थ भी आयरलैंड के लिए खेले हैं। दोनों भाई भी क्रिकेट से जुड़े हुए हैं। यानी पूरा परिवार क्रिकेट के मैदान पर अपना योगदान दे रहा है।

आईपीएल पाइंट टेबल

टीम	मैच	जीते	हारे	अंक
हैदराबाद	11	7	4	14
गुजरात	11	7	4	14
पंजाब	10	6	3	13
बेंगलुरु	10	6	4	12
राजस्थान	11	6	5	12
चेन्नई	10	5	5	10
कोलकाता	10	4	5	9
दिल्ली	11	4	7	8
मुंबई	10	3	7	6
लखनऊ	10	3	7	6

ऑरेंज कैप | पर्पल कैप

हेनरिक क्लासेन — 494 रन — हैदराबाद

कगिसो रबाडा — 18 विकेट — गुजरात

खबर संक्षेप

शंघाई विश्व कप : जाधव ने जीता कांस्य पदक

शंघाई। विश्व यूनिवर्सिटी खेलों के मौजूदा चैंपियन साहिल जाधव ने तीरंदाजी विश्व कप के दूसरे चरण में पुरुष कंपाउंड स्पर्धा में कांस्य पदक जीता। यह विश्व कप में उनका पहला पदक भी है। महाराष्ट्र के 25 वर्षीय तीरंदाज जाधव ने कांस्य पदक के प्लेऑफ मुकाबले में डेनमार्क के मार्टिन डैम्सबो को 147-144 से हराकर मौजूदा टूर्नामेंट में भारत का पहला पदक हासिल किया। भारत ने इस पदक के साथ कंपाउंड वर्ग में अपने अभियान का भी समापन किया। इस वर्ग में भारत के अन्य खिलाड़ी पदक जीतने में नाकाम रहे थे। भारत को कंपाउंड टीम स्पर्धाओं में मजबूत टीम माना जाता है लेकिन उसकी सभी टीम शुरुआती दौर में ही टूर्नामेंट से बाहर हो गईं। भारत अब रविवार को प्रतियोगिता के समापन दिवस पर रिकर्व स्पर्धा में दो और पदक जीतने की कोशिश करेगा।

ट्रूइस्ट चैंपियनशिप : शीर्ष 10 में पहुंचने के करीब भाटिया

शालोट। भारतीय मूल के अमेरिकी गोल्फर अक्षय भाटिया दूसरे दौर में एक अंडर 71 का स्कोर बनाकर ट्रूइस्ट चैंपियनशिप में शीर्ष 10 में जगह बनाने के करीब पहुंच गए हैं। भाटिया एक समय शीर्ष 10 में शामिल हो गए थे लेकिन आखिरी क्षणों में दो बोगी करने से उन्हें नुकसान हुआ और अभी वह संयुक्त 12वें स्थान पर हैं। इस बीच रॉरी मैकलॉय (70-67) ने शीर्ष पर पहुंचने की तरफ कदम बढ़ाए। वह संयुक्त पांचवें स्थान पर पहुंच गए हैं। कोरिया के सुंगजाई इम (64-69) नौ अंडर के कुल स्कोर के साथ शीर्ष पर पहुंच गए।

विश्व स्क्वाश चैंपियनशिप के अगले दौर में वीर चोटरानी

नई दिल्ली। विश्व में 45वें नंबर की भारतीय खिलाड़ी वीर चोटरानी ने अपने से बेहतर रैंकिंग के हमवतन खिलाड़ी अभय सिंह को पांच गेम तक चले कड़े मुकाबले में हराकर मिस्र के गीज़ा में चल रही विश्व स्क्वाश चैंपियनशिप के पुरुष वर्ग के दूसरे दौर में प्रवेश किया। चोटरानी ने विश्व में 22वें नंबर के खिलाड़ी अभय को 14-12, 8-11, 5-11, 11-7, 11-2 से हराया। यह चोटरानी की अभय के खिलाफ तीन मुकाबलों में दूसरी जीत है।

गुजरात टाइटंस ने राजस्थान रॉयल्स को 77 रन से दी शिकस्त

जीटी प्लेऑफ के करीब, आरआर टॉप-4 से बाहर

एजेंसी ▶▶| जयपुर

कप्तान शुभमन गिल की 84 रन की विस्फोटक पारी और साई सुदर्शन के शानदार अर्धशतक के बाद राशिद खान (33 रन पर 4 विकेट) की अगुवाई में गेंदबाजों के कमाल से गुजरात टाइटंस ने इंडियन प्रीमियर लीग के अहम मुकाबले में शनिवार को राजस्थान रॉयल्स को 77 रन से शिकस्त देकर प्लेऑफ में पहुंचने की अपनी संभावनाओं को मजबूत किया।

टाइटंस ने मौजूदा सत्र का अपना सबसे बड़ा स्कोर 4 विकेट पर 229 रन बनाने के बाद रॉयल्स की पारी को 16.3 ओवर में 152 रन पर समेटकर लगातार चौथी जीत दर्ज की। इस बड़ी जीत से टाइटंस की टीम अपना नेट रन रेट सुधारने में सफल रही। टीम की यह 11 मैचों में सातवीं जीत है और वह 14 अंक के साथ तालिका में पांचवें से दूसरे स्थान पर पहुंच गई। रॉयल्स इतने ही मैचों में पांचवीं हार के बाद 12 अंक के साथ पांचवें स्थान पर खिसक गई है।

राशिद को गेंदबाजी में जेसन होल्डर (12 रन पर 3 विकेट) और कागिसो रबाडा (33 रन पर 2 विकेट) का अच्छा साथ मिला। मोहम्मद सिराज ने 4 ओवर में 55 रन लुटाए, लेकिन वैभव सूर्यवंशी का अहम विकेट चटकाया। रॉयल्स के लिए रविंद्र जडेजा ने 25 गेंदों में 38, वैभव सूर्यवंशी ने 16 गेंदों में 36 और ध्रुव जुरेल ने 10 गेंदों में 24 रन का योगदान दिया।

वैभव ने तोड़ा अभिषेक का रिकॉर्ड

वैभव आईपीएल के एक सीजन में पावरप्ले के अंदर सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। वैभव आईपीएल 2026 में पावरप्ले में खेलते हुए अब तक 30 छक्के लगा चुके हैं। उन्होंने अभिषेक शर्मा का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। अभिषेक ने साल 2024 में पावरप्ले में 29 छक्के लगाए थे। वैभव 16 गेंदों में 225 के स्ट्राइक रेट से खेलते हुए 36 रन बनाकर आउट हुए। उन्होंने अपनी पारी में 3 चौके और तीन छक्के लगाए।

रोहित-एबी से आगे निकले गिल

गिल ने आईपीएल में 15वीं बार 75 प्लस की पारी खेलने का कमाल किया और इस लीग में सबसे ज्यादा बार 75 प्लस की पारी खेलने वाले टॉप-6 बल्लेबाजों की लिस्ट में 5वें नंबर पर आ गए। उन्होंने रोहित और एबी को पीछे छोड़ दिया, जिन्होंने ऐसा 14-14 बार किया है और ये दोनों अब संयुक्त रूप से छठे स्थान पर हैं। इस लिस्ट में पहले नंबर पर क्रिस गेल हैं, जिन्होंने 75 प्लस की पारी कुल 23 बार खेली थी और उनके साथ विराट कोहली भी पहले नंबर पर ही हैं, जिन्होंने ऐसा 23 बार किया है।

गिल और सुदर्शन ने रचा इतिहास

गुजरात टाइटंस (जीटी) की सलामी जोड़ी के रूप में शुभमन गिल और साई सुदर्शन ने इतिहास रच दिया है। गिल-सुदर्शन आईपीएल में ओपनिंग विकेट के लिए सर्वाधिक शतकीय साझेदारी के मामले में गुजरात टाइटंस की तरफ से 'नंबर-1' जोड़ी बन गए हैं। आईपीएल में किसी भी विकेट के लिए सर्वाधिक शतकीय साझेदारियों के मामले में साई सुदर्शन और शुभमन गिल संयुक्त रूप से दूसरे पायदान पर पहुंच गए हैं। इन दोनों खिलाड़ियों ने 9 बार यह कारनामा किया है।

स्कोर बोर्ड

गुजरात टाइटंस पारी	रन	गेंद	4	6
सुदर्शन का आर्चर बो यश राज	55	36	6	2
गिल का देशपांडे बो बृजेश	84	44	9	3
बटलर का फरेरा बो जडेजा	13	10	1	1
वाशिंगटन सुंदर नाबाद	37	20	2	3
होल्डर का जायसवाल बो बृजेश	07	7	1	0
राहुल तेवतिया नाबाद	14	4	0	2

अतिरिक्त: 19, कुल योग: 20 ओवर में 229/4 रन
गेंदबाजी: आर्चर 3-0-46-0, देशपांडे 4-0-52-0, बृजेश 4-0-47-2, यश राज 4-0-37-1, जडेजा 4-0-34-1, फरेरा 1-0-11-0

राजस्थान रॉयल्स पारी	रन	गेंद	4	6
जायसवाल का सिंधू बो रबाडा	03	4	0	0
वैभव का अरशद बो सिराज	36	16	3	3
ध्रुव जुरेल बो राशिद	24	10	1	3
हेटमायर का होल्डर बो रबाडा	06	7	1	0
जडेजा पगबाधा राशिद	38	25	3	2
फरेरा बो राशिद	04	2	1	0
शुभमन दुबे बो राशिद	15	14	1	1
शनाका का गिल बो होल्डर	16	11	2	0
आर्चर का बटलर बो होल्डर	05	6	1	0
देशपांडे का वाशिंगटन बो होल्डर	01	3	0	0
बृजेश शर्मा नाबाद	01	1	0	0

अतिरिक्त: 03, कुल योग: (16.3 ओवर में 152/10 रन
गेंदबाजी: सिराज 4-0-55-1, रबाडा 3-0-33-2, साई किशोर 1-0-8-0, राशिद 4-0-33-4, वाशिंगटन 2-0-10-0, होल्डर 2.3-0-12-3

मुंबई के खिलाफ आज बेंगलुरु को खेलनी होगी विस्फोटक पारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

पिछले दो मैच में हार से वापसी के लिए बेताब रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) को अगर अपना अभियान पटरी पर लाना है तो मुंबई इंडियंस के खिलाफ रविवार को होने वाले आईपीएल में उसके बल्लेबाजों को दमदार प्रदर्शन करना होगा।

मैच : शाम 7.30 बजे

आरसीबी ने अपने अभियान की शानदार शुरुआत की थी और अपने पहले चार मैच जीते थे। तब उसके लिए प्लेऑफ में प्रवेश महज एक औपचारिकता लग रहा था। लेकिन अब स्थिति बदल गई है। मौजूदा चैंपियन टीम अपने पिछले 5 मैचों में से 3 मैच हार गई है, जिससे उसके समीकरण बिगड़ गए हैं। आरसीबी अभी 10 मैचों में 12 अंकों के साथ तालिका में तीसरे स्थान पर है और वह प्लेऑफ में पहुंचने का मजबूत दावेदार है।

प्लेऑफ की आस बचाने उतरेगी चेन्नई

चेन्नई। अंकतालिका में छठे स्थान पर काबिज चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की टीम आईपीएल के प्लेऑफ में पहुंचने की अपनी उम्मीदों को जीवंत रखने के लिए रविवार को सबसे निचले पायदान पर मौजूद लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) के खिलाफ जीत हासिल करने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ेगी।

अब जबकि टूर्नामेंट अपने निर्णायक दौर में पहुंच चुका है तब सीएसके शीर्ष चार में जगह बनाने की दौड़ में शामिल है। उसके अभी तक के अभियान में निरंतरता का अभाव रहा है। उसने अपने घरेलू मैदान और विरोधी टीम के मैदान दोनों में अपेक्षित प्रदर्शन नहीं किया है। पांच बार का चैंपियन सीएसके अब चेपॉक में वापसी करेगा।

मैच : दोपहर 3.30 बजे

वर्ष के सर्वश्रेष्ठ फुटबॉलर चुने गए फर्नांडीस और 'बनी'

एजेंसी ▶▶| लंदन

मैनचेस्टर यूनाइटेड के कप्तान ब्रूनो फर्नांडीस को फुटबॉल कवर करने वाले पत्रकारों ने इंग्लैंड में खेलने वाले खिलाड़ियों में वर्ष का सर्वश्रेष्ठ फुटबॉलर चुना जबकि मैनचेस्टर सिटी की स्ट्राइकर खादिजा 'बनी' शॉ ने दूसरी बार महिलाओं का पुरस्कार जीता।

इंग्लैंड में फुटबॉल का सत्र जबकि अंतिम दौर में चल रहा है तब फर्नांडीस ने फुटबॉल राइटर्स एसोसिएशन की ओर से दिए जाने वाला यह पुरस्कार हासिल किया। उन्होंने इस सत्र में मैनचेस्टर यूनाइटेड की तरफ से 19 गोल करने में मदद की, जो कि रिकॉर्ड से सिर्फ एक कम है। उन्होंने टीम को चैंपियंस लीग में जगह दिलाने में भी मदद की।

ब्रूनो ने राइस और हालैंड को पीछे छोड़ा

पुर्तगाल के इस मिडफील्डर ने आर्सेनल के डेक्लान राइस और मैनचेस्टर सिटी के एर्लिंग हालैंड को पीछे छोड़ा। उन्हें फुटबॉल राइटर्स एसोसिएशन के 900 से अधिक सदस्यों में से 45 प्रतिशत मत मिले। वह 2010 में वायने रूनी के बाद यह पुरस्कार जीतने वाले मैनचेस्टर यूनाइटेड के पहले खिलाड़ी हैं।

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया — Union Bank of India — भारत सरकार का उपक्रम — A Government of India Undertaking

क्षेत्रीय कार्यालय- रायपुर, प्लॉट नं. 71, सेक्टर- 24 अटल नगर, नया रायपुर, रायपुर, छत्तीसगढ़-492018

परिशिष्ट-IV ए [नियम 6(8) के परंतुक को देखें]

अचल संपत्ति की विक्रय हेतु बिक्री सूचना

ई-नीलामी बिक्री सूचना: बैंक में बंधक रखे अचल संपत्तियों का, वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्गठन और प्रतिभूति-हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के तहत, प्रतिभूति-हित प्रवर्तन अधिनियम 2002 के सहपठित धारा 8 (6) के तहत विक्रय किया जाना है।

सर्वसाधारण, विशेष रुप से ऋणी एवं जमानतदारों को सूचित किया जाता है कि नीचे वर्णित अचल संपत्ति जिनका **यूनियन बैंक ऑफ इंडिया** के प्राधिकृत अधिकारी ने **सांकेतिक/भौतिक कब्जा** लिया है, **"जैसा है, जहां है और जैसा है, जो है"** के आधार पर दिनांक **26/05/2026** समय (प्रातः **11.00 बजे से शाम 5.00 बजे तक**) पर नीलाम किया जावेगा, जिसका विवरण नीचे दिए अनुसार है। आरक्षित मूल्य एवं बयाना राशि संपत्ति के विरुद्ध नीचे दर्शाये गये तालिका में उल्लेख किया गया है।

क्र.	उधारकर्ता एवं जमानतदार/शाखा का नाम	सपत्तियों का विवरण	बकाया राशि (रु.)	आरक्षित मूल्य / अमानत राशि / बोली वृद्धि राशि
01	मेसर्स श्री बालाजी ट्रेडर्स एण्ड डेकोरेटर्स प्रोपराईटर- श्री आर. जगदेश्वर रेड्डी, श्री पास्पुलेटी राय कृष्णा के माध्यम से/ चरोदा शाखा.	प्रोप-1- ख नं 816/11 मौजा-ग्राम सिरसाकला, प.ह.नं. 02, आरआईसी भिलाई, चरोदा, वार्ड नंबर 37, सिरसा, भाटापारा वार्ड, तहसील- पाटन, जिला- दुर्ग छ.ग. में स्थित खुला प्लॉट। प्रोप-2- ख नं 816/12 मौजा-ग्राम सिरसाकला, प.ह.नं. 02, आरआईसी भिलाई, चरोदा, वार्ड नंबर 37, सिरसा भाटापारा वार्ड, तहसील पाटन जिला- दुर्ग छ.ग. में स्थित खुला प्लॉट.	₹ 10,12,000.00 + 31.08.2024 से ब्याज + कानूनी और अन्य शुल्क	₹ 4.10 lacs / ₹ 0.41 lacs / ₹ 0.041 lacs / For prop no. 1 & 2 (separately)
02	श्रीमती पारूल पटेल पत्नी श्री आशीष पटेल, श्री आशीष पटेल सह- आबद्ध श्री राकेश लेखवानी पुत्र श्री श्यामलाल लेखवानी. शाखाः राजनांदगांव	पारुल पटेल के नाम पर खसरा नं. 240/51 से 365/51, वार्ड नं. 20, गुरु गोविंद सिंह वार्ड, गली नं. 8, राजनांदगांव, लालबाग, सिंधी कालोनी में स्थित आरसीसी रुफ आवासीय भवन।	₹ 24,82,000.00/- + 01.04.2022 से ब्याज + कानूनी और अन्य शुल्क	₹ 24.50 लाख / ₹ 2.45 लाख / ₹ 0.25 लाख
03	महेंद्र सिंह चौहान. शाखाः महाराजा चौक, दुर्ग.	स्वामित्व- महेंद्र सिंह चौहान, मौजा- कुरुद, वार्ड नं. 16, सुंदर विहार, प्लॉट नं. 7बी, पीसी नं. 14/19, आरआईसी- दुर्ग, तहसील- दुर्ग । क्षेत्रफल 770 वर्ग फीट।	₹ 22,59,095.91 + 01.01.2025 से ब्याज + कानूनी और अन्य शुल्क	₹ 23.00 लाख / ₹ 2.30 लाख / ₹ 0.25 लाख
04	अथर्व मिनरल्स, प्रोप. रामकिशोर मोदी श्रीमती राखी मादी शाखा- समता कालोनी	1. खसरा नं. 664 का भाग, जिसमें शामिल क्षेत्रफल-0.40 हेक्टेयर, ग्राम- डंगनिया, प.ह.नं. 15, आरआईसी- अर्जुनदा, तहसील- गुंडरदेही, जिला- बालोद में स्थित डायवर्टेड आवासीय भूमि/वन आवास नंबर- 04. 2. राम किशोर मोदी के नाम पर खसरा नं. 691/1, 693/3, जिसमें शामिल क्षेत्रफल- 0.22 हेक्टेयर व 0.18 हेक्टेयर, कुल 0.40 हेक्टेयर, ग्राम- डंगनिया, प.ह.नं. 15, आरआईसी- अर्जुनदा, तहसील- गुंडरदेही, जिला- बालोद में स्थित डायवर्ट की गई आवासीय भूमि/वन आवास नंबर- 21.	₹ 42,20,000.00 + 01.01.2024 से ब्याज + कानूनी और अन्य शुल्क	Property 01: ₹ 36.00 लाख / ₹ 3.60 लाख / ₹ 0.36 लाख; Property 02: ₹ 36.00 लाख / ₹ 3.60 लाख / ₹ 0.360 लाख

उपरोक्त संपत्तियों पर ऋणभार का विवरण, जैसा कि बैंक को ज्ञात है - ज्ञात नहीं है।

ई-नीलामी की तिथि व समयः 26.05.2026, सुबह 11.00 बजे से शाम 5.00 बजे तक।

पंजीकरण, लॉगिन एवं बोली नियमों के लिए देखें **ऑनलाइन ई-नीलामी वेब पोर्टल/वेबसाइट https://baanknet.in** के माध्यम से आयोजित की जाएगी, किसी भी विस्तृत पूछताछ के लिए कृपया संपर्क करें: **क्र. 01: के लिए: श्री सुनील मौर्य/मोबा.-9919175656, क्र. 02: के लिए: श्री गौरव रोकड़े/मोबा.-9284013315, क्र. 03 के लिए: शिल्पा खुराना/मोबा.-9755554335 एवं क्र. 04 के लिए: श्री जितेन्द्र नायक/मोबा.- 7250567881.**

उधारकर्ताओं और गारंटरों को सुरक्षा हित (प्रवर्तन) नियम 2002 के नियम 8(6) और नियम 9(1) के तहत वैधानिक 15 दिनों की बिक्री नोटिस के रूप में भी माना जा सकता है।

दिनांकः 09.05.2026, प्राधिकृत अधिकारी, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया

ई-नीलामी विक्रय सूचना

निलामी की तिथि एवं समय :- 17-जून-2026, सुबह 10.30 बजे से सुबह 11.00 बजे
(बिक्री समाप्त होने तक 5 मिनट के असीमित विस्तार के साथ)

HDFC BANK

एच.डी.एफ.सी. बैंक लिमिटेड

शाखा : अलास्का टॉवर, लोधीपारा रोड, शंकर नगर, रायपुर - 492001
Tel: 0771-4243149/149 CIN L65920MH1994PLC080618 Website: www.hdfcbank.com

एचडीएफसी बैंक लिमिटेड के प्राधिकृत अधिकारी (पूर्ववर्ती एचडीएफसी लिमिटेड का दिनांक 17 मार्च 2023 के आदेश के तहत् माननीय एनसीएलटी-मुंबई द्वारा अनुमोदित सम्मेलन योजना के आधार पर एचडीएफसी बैंक लिमिटेड के साथ विलय हो गया है) (एचडीएफसी) बिक्री के लिए ई-नीलामी बिक्री नोटिस जारी करता है। वित्तीय परिसंपत्तियों के प्रतिभूतिकरण और सुरक्षाहित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के तहत अचल संपत्तियों की संख्या, सुरक्षा हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 9(1) के प्रावधानों के साथ पठित।

एतद द्वारा सामान्य रूप से जनता को और विशेष रूप से उधारकर्ता (ओं) और गारंटीकर्ता (ओं) को कॉलम (ए) में इंगित किया गया है कि नीचे वर्णित अचल संपत्ति (बंध) कॉलम (सी) में वर्णित है जो सुरक्षित व्यक्ति को गिरवी रखी गई है। लेनदार, जिसका भौतिक कब्जा एचडीएफसी बैंक लिमिटेड के प्राधिकृत अधिकारी द्वारा कॉलम (डी) में वर्णित सुरक्षित लेनदार द्वारा लिया गया है, 'जैसा है जहां है', 'जैसा है' पर बेचा जाएगा। क्या है', और 'जो कुछ भी है' नीचे दिए गए विवरण के अनुसार:

एतद्द्वारा, प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 9(1) के परन्तुक के अंतर्गत कॉलम (ए) में दर्शाए गए संबंधित उधारकर्ता/बंधककर्ता(ओं)/कानूनी उत्तराधिकारियों, कानूनी प्रतिनिधियों (ज्ञात या अज्ञात), निष्पादक(ओं), प्रशासक(ओं), उत्तराधिकारी(ओं) और समनुदेशितियों को, जैसा भी मामला हो, सूचना दी जाती है।

बिक्री के विस्तृत नियमों और शर्तों के लिए, कृपया एचडीएफसी बैंक लिमिटेड सुरक्षित लेनदार की वेबसाइट यानी www.hdfcbank.com में दिए गए लिंक को देखें।

	(A)	(B)	(C)	(D)	(E)	(F) / (G)
स. क्रं.	ऋणी(यों) का नाम	वसूल की जाने वाली बकाया राशि (प्रतिभूत ऋण) (रु.)*	अचल संपत्ति/सुरक्षित संपति का विवरण (1 वर्गमीटर 10.76 वर्गफुट के बराबर है)	कब्जे का प्रकार	आरक्षित मूल्य (रु.)	ब्याना जमा राशि (रु.) / बोली वृद्धि राशि (रु.)
1.	**श्री खरे त्रिलोक,** मकान नं. एफ-1, साई मंदिर के पास, दुबे कॉलोनी, मोवा, रायपुर, छत्तीसगढ़ 492001. **श्री खरे त्रिलोक,** डी-403, श्रीजी हाइट्स, बिचौली, मर्दाना, इंदौर-452016. **श्रीमती मृणाल खरे** मकान नं. एफ-1 साई मंदिर के पास, दुबे कॉलोनी, मोवा, रायपुर, छत्तीसगढ़ 492001. **श्रीमती मृणाल खरे** डी-403, श्रीजी हाइट्स, बिचौली, मर्दाना, इंदौर-452016.	₹ 17,12,985/- 31 मई 2020 की स्थिति में	फ्लैट नंबर सी-2(203), साई विहार, खसरा नं. 673/6, 683/1, प.ह.नं. 109, ग्राम दलदल सिवनी, मोवा, रायपुर, कुल सुपर बिल्टअप एरिया =823.65 वर्गफीट, कारपेट एरिया -650 वर्गफीट, **लेटिट्यूड-21.276429, लांगिट्यूड-81.673825.**	भौतिक	₹16,20,000/-	₹1,62,000/- / ₹ 5,000/-
2.	**श्री वर्मा निशांत,** ए ब्लॉक - 204, उषा हाइट्स, श्रीकांत वर्मा मार्ग, बिलासपुर-छत्तीसगढ़-495001. **श्रीमती वर्मा रंजना,** ए ब्लॉक 204, उषा हाइट्स, श्रीकांत वर्मा मार्ग, बिलासपुर-छत्तीसगढ़-495001. **वर्मा एंटरप्राइजेज,** मेन रोड, विद्या नगर, बिलासपुर-छत्तीसगढ़-495001. श्रीमती वर्मा नूतन (दिवंगत) के पुत्र/पति/पुत्री एवं अन्य ज्ञात व अज्ञात कानूनी वारिस, कानूनी प्रतिनिधि, उत्तराधिकारी और नियोक्ता, ए ब्लॉक 204, उषा हाइट्स, श्रीकांत वर्मा मार्ग, बिलासपुर-छत्तीसगढ़-495001.	₹ 14,47,173/- 30 सितंबर 22* की स्थिति में	खसरा नंबर 667/26, प.ह.नं. 22/34, प्लॉट नंबर 226/4, हाउस शीट नंबर 21/5, मौजा जूना बिलासपुर, विनोबा नगर, वार्ड नंबर 14, बिलासपुर छ.ग.-495001, कुल भूमि क्षेत्रफल -140 वर्ग फीट। (13.011 वर्ग मीटर) बिल्टअप एरिया- 140 वर्ग फुट। (13.011 वर्ग मीटर) **लेटिट्यूड**-22.070823, **लांगिट्यूड**-82.156816.	भौतिक	₹18,20,000/-	₹1,82,000/- / ₹ 5,000/-
3.	**श्री देवांगन ईश्वर,** 192, हटकेश्वर स्कूल पारा, वार्ड 01 धमतरी, छत्तीसगढ़ 493773. **श्री देवांगन ईश्वर,** मै. श्री बालाजी डिजिटल इमेजिंग प्रेस, सुंदरगंज वार्ड, स्टेशन रोड, धमतरी छत्तीसगढ़ 493773. **श्रीमती देवांगन पूर्णिमा** 192, हटकेश्वर स्कूल पारा, वार्ड 01 धमतरी, छत्तीसगढ़ 493773 **श्रीमती देवांगन पूर्णिमा** मै. शालीमार बुक दीपो एंड कम्प्यूटर्स, हटेशकर वार्ड 01 धमतरी छत्तीसगढ़ 493773.	₹ 36,39,823/- 30 सितंबर 24* की स्थिति में	परिवर्तित संपत्ति क्षेत्रफल 1230 वर्ग फुट निर्मित क्षेत्रफल (भूतल) - 737 वर्ग फुट, निर्मित क्षेत्रफल (प्रथम तल) - 737 वर्ग फुट, खसरा संख्या - 548/6, स्थान - धामतरी टिकरापारा, वार्ड, प.ह.नंबर - 33, रानिमं- धमतरी, वार्ड नंबर 33, तहसील एवं जिला - धमतरी, छत्तीसगढ़। **चौहद्दी:**-उत्तर में गोस्वामी का मकान, दक्षिण में चंद्रमणि वाल्टर का मकान, पूर्व में रविंदर सिंह की भूमि, पश्चिम में सड़क। कुल क्षेत्रफल - भूमि क्षेत्र - 1230 वर्ग फुट/निर्मित क्षेत्र - 1474 वर्ग फुट (भूतल = 737 + प्रथम तल = 737), **लेटिट्यूड-20.706389, लांगिट्यूड-81.539528.**	भौतिक	₹38,06,000/-	₹3,80,600/- / ₹ 5,000/-
4.	**श्रीमती तिवारी आरती,** वार्ड क्रमांक 58, एरिना पब्लिक स्कूल, लोधी पारा, दुर्ग - छत्तीसगढ़, पिन - 491001 - भारत। **श्रीमती तिवारी आरती,** मै. मो. नाजिम कंस्ट्रक्शन, वार्ड नंबर 47, लोधीपारा, उरला, दुर्ग छत्तीसगढ़ 491001. **श्री नाज़िम मोहम्मद,** वार्ड नंबर 58, एरिना पब्लिक स्कूल, लोधी पारा, उरला, दुर्ग, छत्तीसगढ़, पिन - 491001 - भारत।	₹ 16,37,301/- 30 अगस्त 2025* की स्थिति में	समस्त भाग एवं आंशिक भाग की प्लॉट खसरा 586/4/2, प.ह.न. 16, मौजा उरला, वार्ड नंबर 58, उरला, ईस्ट वार्ड, ओम नगर रानिमं : सिकोला, जिला दुर्ग, छत्तीसगढ़, कुल क्षेत्रफल- (868 वर्ग फुट + 868 वर्गफुट) 1736 वर्गफुट, **लेटिट्यूड-21.209572, लांगिट्यूड-81.277418.**	भौतिक	₹14,25,000/-	₹1,42,500/- / ₹ 5,000/-

सुरक्षित संपत्ति के निरीक्षण की तिथि और समय :- 25-मई -2026, सुबह 10.30 बजे से शाम 5.30 बजे
बोली की अंतिम तिथि :-15-जून -2026, शाम 5.00 बजे के पहले

* साथ में अतिरिक्त ब्याज, जैसा लागू हो, भुगतान की तारीख और/या उसकी प्राप्ति तक किए गए आकस्मिक व्यय, लागत, प्रभार आदि।

ऋणभार/दावों का खुलासा: संपत्ति के संबंध में यह निवेदन किया जाता है कि प्रतिभूतिकरण आवेदन (एसए) एसए/98/2023 वर्तमान में माननीय ऋण वसूली न्यायाधिकरण (डीआरटी) जबलपुर के समक्ष विचाराधीन है, और उक्त संपत्ति की प्रस्तावित ई-नीलामी सह बिक्री उक्त कार्यवाही में माननीय डीआरटी द्वारा पारित अंतिम आदेशों और निर्देशों के अधीन और उन पर निर्भर होगी।

संपत्ति के निरीक्षण से संबंधित किसी भी सहायता के लिए, या ई-नीलामी बोली दस्तावेज प्राप्त करने के लिए और किसी भी अन्य प्रश्न के लिए, कृपया एचडीएफसी बैंक लिमिटेड के अधिकृत अधिकारी श्री लोकेश माहोरे से टेलीफोन नंबर 871800900 या श्री अंशुल अग्रवाल से टेलीफोन नंबर 9713436260 या मेसर्स वैल्यू ट्रस्ट कैपिटल सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड से संपर्क करें; ई-मेल: Auction.Manager@BidDeal.in; संपर्क नंबर: +919266604643.

सावधानी नोट: बड़े पैमाने पर ई-बोलीदाताओं को सूचित किया जाता है कि एचडीएफसी बैंक लिमिटेड और उसके अधिकृत अधिकारी नीलामी बिक्री नोटिस में उल्लिखित अचल संपत्ति के संबंध में नकद लेनदेन नहीं करते हैं। नाम और अचल संपत्ति की बिक्री से निपटने के लिए एचडीएफसी बैंक लिमिटेड द्वारा अधिकृत एजेंसी/दलाल, यदि कोई हो, का संपर्क विवरण केवल ऊपर उल्लिखित पते पर एचडीएफसी बैंक लिमिटेड के कार्यालय से प्राप्त किया जा सकता है।

दिनांक: 10 मई, 2026
स्थान: रायपुर, बिलासपुर, धमतरी, दुर्ग
रजिस्टर्ड पता-एच.डी.एफ.सी. बैंक हाऊस, सेनापति बापट मार्ग, लोअर परेल (पश्चिम), मुम्बई-400013
एच.डी.एफ.सी. बैंक लिमिटेड
प्राधिकृत अधिकारी

जानवरों से बात करने वाली मां...कहती हैं मेरा पूरा जीवन बदल गया

-अक्षया वी. कावले मुंबई स्थित एक प्रमाणित और अनुभवी एनिमल कम्युनिकेटर (पशु संचारक) हैं, जो टेलीपैथी के माध्यम से जानवरों से संवाद करती हैं। अक्षया 2011 से ही संचार कोच के रूप में काम कर रही थीं, लेकिन बाद में उन्होंने पशु संचार को अपना मुख्य पेशा बनाया।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नागपुर

वे पालतू और आवारा जानवरों की भावनाओं, व्यवहार संबंधी मुद्दों और स्वास्थ्य संबंधी जरूरतों को समझने के लिए उनसे टेलीपैथिक तरीके से बात करती हैं। अक्षया ने पशु संचार पर एक पुस्तक लिखी है, जो भारतीय लेखक द्वारा इस विषय पर पहली पुस्तक मानी जाती है। यह पुस्तक मराठी और अंग्रेजी दोनों भाषाओं में उपलब्ध है। वे पशु संचार सिखाने के लिए कार्यशालाएं आयोजित करती हैं, जहाँ वे लोगों को जानवरों से संवाद करने की कला सिखाती हैं। उनका मानना है कि जानवर संवेदनशील प्राणी हैं और उनके अपने विचार, सीमाएं और पसंद-नापसंद होती हैं।

मदर्स डे आज

अक्षया ने पशु संचार पर एक पुस्तक लिखी, जो भारत में पहली मानी जाती है

मैं बिल्लियों से भी बात करती हूं

वे बताती हैं कि 4 साल की उम्र से ही मुझे जानवरों से बातें करने में सुकून मिलता रहा है। बचपन में मैं अक्सर स्कूल के बाद दोपहर का समय बाहर बिल्लियों से बातें करते हुए बिताता था। मुझे वो सारी बातें आज भी अच्छी तरह याद हैं। जैसे-जैसे मैं बड़ी होती गई, मेरी तार्किक सोच हावी हो गई और मुझे लगने लगा कि वो सारी बातें सिर्फ मेरे दिमाग की उपज हैं। घर में चार पालतू जानवर होने और आसपास के कई अन्य आवारा जानवरों की देखभाल करने के बावजूद, जानवरों से मेरा लगाव कभी कम नहीं हुआ। गोद लिए जाने तक मैं कई बचाए गए जानवरों की नियमित रूप से देखभाल भी करती रही हूं। एक दिन मुझे एक वरिष्ठ संचार विशेषज्ञ का एक वीडियो मिला जिसमें वह एक खूबसूरत काले तेंदुए से बात कर रहे थे। और मुझे बिल्लियों के साथ हुई अपनी सारी बातचीत याद आ गई। वे सब सचमुच की थीं। मैंने फिर से सहज रूप से जानवरों से संवाद करना शुरू कर दिया। पशु संचारक बनने की मेरी यात्रा का पहला कदम था। मैंने विश्वभर के पांच वरिष्ठ संचारकों से पशु संचार के पाठ्यक्रम लिए और आज भी पाठ्यक्रमों, पुस्तकों और सबसे महत्वपूर्ण बात, हर उस जानवर से बात करके सीखती रहती हूं जिससे मैं बात करती हूं।

इंसानों की तरह संवाद करते हैं जानवर

अपने संवादों के माध्यम से, मैं जानवरों को बेहतर ढंग से समझना चाहती हूं, जिससे मुझे खुद को और हमारी दुनिया को बेहतर ढंग से समझने में मदद मिलती है। यह मनुष्यों और जानवरों के बीच एक स्वस्थ संबंध बनाने में भी सहायक होता है। चाहे आपके जानवर के साथ सामान्य बातचीत हो, उनके व्यवहार के बारे में जानना हो, या खुद अपने जानवरों के साथ संवाद करना सीखना हो, मैं आपकी इस यात्रा का हिस्सा बनना चाहूंगी। जानवरों से संवाद करना और उनकी बातें सुनना मेरे जीवन को पूरी तरह से बदल दिया है। मेरी कामना है कि आपका जीवन भी इसी तरह शानदार रूप से बदले।

डोपिंग नियमों उल्लंघन रेसलर विनेश पर लगा बैन

नई दिल्ली। भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) और विनेश फोगाट के बीच विवाद बढ़ता जा रहा है। अब महांसघ ने शनिवार को उन पर अनुशासनहीनता और डोपिंग रोधी नियमों के उल्लंघन का आरोप लगाते हुए कारण बताओ नोटिस जारी कर दिया। यूडब्ल्यूडब्ल्यू के डोपिंग रोधी नियमों के तहत संन्यास से वापसी के लिए छह महीने का अनिवार्य नोटिस नहीं देने के कारण 26 जून 2026 तक घरेलू टूर्नामेंटों में उनके भाग लेने पर रोक लगा दी गई है। इसके मायने हैं कि दो बार विश्व चैंपियनशिप की पदक विजेता रहीं विनेश को वापसी के लिए इंतजार करना होगा। पेरिस ओलंपिक 2024 में प्रतिस्पर्धा से अयोग्य करार दिए जाने के बाद उन्होंने कुश्ती को अलविदा कह दिया था। अब वह गोंडा में रविवार से मंगलवार तक हो रही राष्ट्रीय ओपन रैंकिंग चैंपियनशिप के जरिये वापसी करना चाहती थीं।

जीएसटी बिल से जुड़े मामले में किया गिरफ्तार

ईडी का बड़ा एक्शन, पंजाब सरकार में मंत्री अरोड़ा को किया गिरफ्तार

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

पंजाब सरकार को बड़ा झटका लगा है। केंद्रीय जांच एजेंसी ईडी ने पंजाब की आम आदमी पार्टी (आप) सरकार के मंत्री संजीव अरोड़ा को मनी लॉन्ड्रिंग के केस में गिरफ्तार कर लिया है। ईडी की टीम चंडीगढ़ और हरियाणा नंबर की गाड़ियों में उन्हें दिल्ली ले गई। आगे की पूछताछ उनसे दिल्ली में ही होगी।

ईडी ने शनिवार सुबह ही मंत्री अरोड़ा पर रेड चंडीगढ़ में उनके सरकारी घर, दिल्ली और गुरुग्राम के 5 ठिकानों में हुई है। 9 मई को सुबह करीब 7:25 बजे ईडी की टीम चंडीगढ़ सेक्टर-2 स्थित सरकारी आवास पर पहुंची थी। 20 गाड़ियों में ईडी के अधिकारी पहुंचे थे। इसमें 3 दर्जन सीआईए और एसएफ जवान भी थे। रेड के उस वक्त वह चंडीगढ़ के सेक्टर 2 स्थित अपनी सरकारी कोठी पर ही थे। इसके बाद करीब 10 घंटे की पूछताछ की गई और शाम करीब 5 बजे उन्हें गिरफ्तार किया गया।

यह हैं आरोप

कैबिनेट मंत्री अरोड़ा के खिलाफ 100 करोड़+ के फर्जी जीएसटी बिल का आरोप है। मोबाइल फोन कारोबार के फर्जी बिल बनाकर इनपुट टैक्स क्रेडिट आईटीसी का गलत दावा किया था। इसके अलावा मनी लॉन्ड्रिंग का आरोप है कि दुबई से 'राउंड ट्रिप' के जरिए अवैध पैसा भारत लाना, जीएसटी रिफंड और ड्यूटी ड्रॉबैक लेने का आरोप है। औद्योगिक जमीन को आवासीय प्रोजेक्ट में बदलकर राज्य सरकार को नुकसान पहुंचाने का आरोप है। अवैध सट्टेबाजी का पैसा रियल एस्टेट में लगानाईडी ने पीएमएलए की आपराधिक धाराओं के तहत कार्रवाई की गई है।

पहले भी हुई है रेड

बता दें इससे पहले भी अरोड़ा के यहां छापा पड़ा है। 2024 में लुधियाना पश्चिम के विधायक रहते हुए जमीन घोटाले में, अप्रैल 2026 में फेमा के तहत गुरुग्राम, चंडीगढ़, लुधियाना, जालंधर में 13 जगहों पर रेड और 18 अप्रैल 2026 को लुधियाना घर पर रेड हो चुकीहै।

आप ने बोला केंद्र सरकार पर हमला

आम आदमी पार्टी ने केंद्र सरकार पर हमला बोला है। सीएम भगवंत मान ने इस रेड के बाद एक ट्वीट किया है। उन्होंने इस ट्वीट में बीजेपी पर हमला बोला है। सीएम भगवंत मान ने एक्स पर लिखा कि आज फिर बीजेपी की ईडी संजीव अरोड़ा के घर आई है। एक साल में यह तीसरी बार है जब बीजेपी की ईडी उनके घर आई है, और एक महीने में दूसरी बार। फिर भी उन्हें कुछ नहीं मिला। मैं मोदी जी से कहना चाहता हूं कि पंजाब गुरुओं की धरती है; औरंगजेब भी इसे झुका नहीं पाया था। यह भगत सिंह की धरती है, जिन्होंने अंग्रेजों के सामने कभी सिर नहीं झुकाया; इसलिए पंजाब मोदी की चालों के आगे कभी नहीं झुकेगा। पंजाब, ईडी और भाजपा के इस अनैतिक गठबंधन को खत्म कर देगा।

सिसोदिया ने भी किया ट्वीट

ईडी के डायरेक्टर से लेकर चपरासी तक को अब मोदी जी ने पंजाब भेज दिया है। पर मोदी जी ध्यान रखिए पंजाब को दिल्ली में बैठा औरंगजेब भी नहीं झुका पाया था। आप पंजाब को जितना कुचलने की कोशिश करो, ये हमेशा तानाशाह से लड़ने के लिए उठ खड़ा हुआ है। वहीं संजय सिंह ने लिखा कि **BJP** का 'सुपारी किलर' ईडी आज फिर पंजाब पहुँच गया है।

परेशान बुजुर्ग दंपति ने पैरों में गिरकर मांगा मकान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गरियाबंद

सुशासन तिहार के दौरान गरियाबंद जिले के देवभोग ब्लॉक अंतर्गत मांडागांव में एक मार्मिक दृश्य सामने आया जिसने शासन-प्रशासन की संवेदनशीलता और योजनाओं के क्रियान्वयन पर सवाल खड़े कर दिए हैं। जिले के बरही गांव निवासी विशेष पिछड़ी कमार जनजाति के बुजुर्ग दंपति, जिन्हें राष्ट्रपति का दत्तक पुत्र' कहा जाता है वर्षों से प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत घर पाने की उम्मीद लगाए बैठे हैं लेकिन अब तक उन्हें इसका लाभ नहीं मिल सका है। थक-हार चुके बुजुर्ग दंपति ने जब सुशासन तिहार के समाधान शिविर में जिला पंचायत सीईओ को देखा तो अपनी पीड़ा सुनाने के लिए उनके पैरों में गिर पड़े और आवास दिलाने की गुहार लगाई। इस भावुक घटना का वीडियो सोशल मीडिया में वायरल हो चुका है। एक ओर सरकार सुशासन तिहार के माध्यम से अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने का दावा कर रही है वहीं दूसरी ओर विशेष संरक्षण की पात्र जनजातियों को भी बुनियादी सुविधाओं के लिए अधिकारियों के सामने गिड़गिड़ाना पड़ रहा है।

■ प्रशासन ने कहा सर्वे में नाम नहीं था

उड़ीसा में निवासरत थे, अभी आए हैं छग : सीईओ

इस संबंध में जिला पंचायत सीईओ प्रखर चंद्राकर ने बताया कि हितग्राही जो विशेष पिछड़ी जनजाति परिवार से आते हैं अपना आवेदन लेकर शिविर में आये थे। उनका परिवार पूर्व में छत्तीसगढ़ में निवास नहीं कर रहा था, वे उड़ीसा में ही रह रहे थे। जिसके कारण वर्ष 2011 एवं वर्ष 2018 की आवास सर्वे सूची में उनके परिवार को शामिल नहीं किया जा सका था, हाल में वर्ष 2024 में छत्तीसगढ़ शासन द्वारा कराए गए नवीन सर्वेक्षण के दौरान भी उक्त परिवार ग्राम में निवासरत नहीं था। अब इस परिवार का सर्वे पीएम जनमन योजना के तहत पूर्ण कर लिया गया है और उसे शीघ्र ही आवास स्वीकृत कर दिया जाएगा।

अमेरिकी सरकार ने जारी की एलियंस की तस्वीरें

एजेंसी ▶▶| वाशिंगटन

डोनाल्ड ट्रम्प सरकार ने एक ऐसा कदम उठाया है जिसने पूरी दुनिया में हलचल मचा दी है। राष्ट्रपति ट्रम्प और रक्षा सचिव पीट हेगसेथ ने शुक्रवार को यूएफओ यानी अन आ ई डे न टि फा इ ड फ्लाइंग ऑब्जेक्ट और एलियंस से जुड़ी करीब 170 सीक्रेट फाइलों को पब्लिक कर दिया है। डिफेंस सिक्रेटरी पीट हेगसेथ ने फाइलों को जारी करते हुए एक अपने बयान में कहा कि ये फाइलें काफी समय से क्लासिफिकेशन की आड़ में छिपी हुई थीं, जिससे कई तरह की अटकलों को हवा मिल रही थी। अब समय आ गया है कि अमेरिकी जनता खुद अपनी आंखों से सच्चाई देखे।

■ ट्रंप सरकार के फैसले से मची हलचल

यूएफओ से जुड़ीं 170 सीक्रेट फाइलें पब्लिक

अपोलो मिशन के हैरान करने वाले खुलासे

पब्लिक की गई फाइलों में सबसे चौंकाने वाला हिस्सा चंद्रमा से जुड़ा है। इसमें 1969 के अपोलो 12 मिशन के दौरान चंद्रमा की सतह से ली गई अज्ञात घटनाओं की तस्वीरें भी शामिल हैं। इसके साथ ही 1972 के अपोलो 17 मिशन के चालक दल के बीच हुई बातचीत के ट्रांसक्रिप्ट यानी लिखित रिकॉर्ड भी जारी किए गए हैं। इन रिकॉर्ड्स के मुताबिक अपोलो 17 के पायलट रोनाल्ड इवांस ने अंतरिक्ष में कुछ रहस्यमयी चीजें देखी थीं। उन्होंने मिशन कंट्रोल को बताया था कि कुछ बहुत ही चमकीले कण या टुकड़े हमारे पास से गुजर रहे हैं।

4 फुट के एलियंस

पेंटागन से जारी हुए दस्तावेजों में एफबीआई की कुछ रिपोर्ट्स का भी जिक्र है, जो हैरान कर देने वाली हैं। डेली मेल की रिपोर्ट के मुताबिक इन फाइलों में चार फुट लंबे जीवों का जिक्र है, जिन्हें कथित तौर पर यूएफओ से बाहर निकलते देखा गया था। सिर्फ इतना ही नहीं, एक फुटेज में आठ कोनों वाले तारे जैसी आकृति भी दिखाई दी।

1940 के दशक से छिपा था राज

अमेरिकी प्रशासन द्वारा जारी फाइलों में 1947 और 1948 की टॉप सीक्रेट रिपोर्ट्स भी शामिल हैं। इनमें फ्लाइंग डिस्क और फ्लाइंग सॉसर्स यानी उड़न तश्तरी के देखे जाने की विस्तृत जानकारी है। दशकों से इन फाइलों को जनता की पहुंच से दूर रखा गया था। इन फाइलों के सामने आए खुलासों के बाद दुनिया भर के वैज्ञानिकों और यूएफओ विशेषज्ञों के बीच नई बहस शुरू हो गई है।

आप भी देख सकते हैं ये फाइल

हालांकि, पेंटागन के पूर्व अधिकारी ने लोगों को आगाह किया है। उनका कहना है कि इन दस्तावेजों में एलियंस से सीधे संपर्क या उनके इंटरव्यू जैसा कोई सबूत नहीं है। 2024 की एक रिपोर्ट में भी कहा गया था कि सरकार को एलियन तकनीक मिलने का कोई ठोस प्रमाण नहीं मिला है। इन सभी फाइलों को अमेरिकी रक्षा विभाग की वेबसाइट WAR.GOV/यूएफओ पर सार्वजनिक कर दिया गया है, जिसे कोई भी देख सकता है।

नए सीडीएस बने रिटायर्ड लेफ्टिनेंट जनरल सुब्रमणि

नई दिल्ली। भारत सरकार ने लेफ्टिनेंट जनरल एन एस राजा सुब्रमणि (सेवानिवृत्त) को नया चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) नियुक्त किया है। वे वर्तमान सीडीएस अनिल चौहान की जगह लेंगे। वर्तमान में लेफ्टिनेंट जनरल एनएस राजा सुब्रमणि 1 सितंबर 2025 से अब तक राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद में सैन्य सलाहकार हैं। पहले वे 1 जुलाई 2024 से 31 जुलाई 2025 तक थल सेना के उप-प्रमुख थे,मार्च 2023 से जून 2024 तक मध्य कमान के जनरल ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ के रूप में कार्यरत थे।

स्वामीनाथन होंगे अगले नौसेना प्रमुख

वाइस एडमिरल कृष्णा स्वामीनाथन अगले नौसेना प्रमुख होंगे। वो वर्तमान में मुंबई में पश्चिमी नौसेना कमान के कमांडिंग इन चीफ हैं और 31 मई को कार्यभार संभालेंगे और उनका कार्यकाल 31 दिसंबर, 2028 तक रहेगा।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अनिल कुमार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से मुद्रित एवं हरिभूमि काम्पलेक्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादक धनंजय वर्मा, संपादक (समन्वय) ब्रह्मवीर सिंह। RNI No. CHHHIN/2002/07457, फोन : 0771-4242222, e-mail:raipur@haribhoomi.com